

# GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

## GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A \_ 001 \_ 0320**

Classification:

Original File No.

### **Title**

Matter of Orissa Synod

Volume:

Running from year: 27-12-1955

till year: 8-6-1959

### **Content:**

- Correspondence on Various matters of orissa Synod with Secretary G.E.L.Church.
- Report regarding partition of Church -1959 (starting).
- Selling of 5 to 6 acers of land at Rajgangpur to orissa cement Ltd. - 1957.
- Various other Correspondence regerding Mandli, Pastors and members of Church.

FILE NO.

1955-59

NAME & ADDRESS

President, G.EL Church

SEQUENCE NO.

SUBJECT

Matter of Orissa Synod

FROM

27<sup>th</sup> Dec. 1955

TO

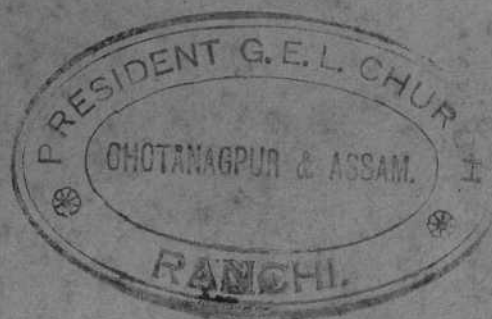
8.6.1959

REFERENCE

# Zenith

**FLAT FILE**

"B" QUALITY



File No. 12

Name President G.E.L. Church

Subject Orissa Synod.

Serial Nos. \_\_\_\_\_ to \_\_\_\_\_

From (Months) \_\_\_\_\_ to \_\_\_\_\_

Year \_\_\_\_\_ 195 .



The President

Rev J. J. P. Tigga

Date 8/6/1959.

M. A. B. D. S. T. M.

G. E. L. Church Ranchi

Compound.

श्रीमान प्रेसिडेंट साहब

आप को मुझ सामुख्य जांग की

I. और से योशुसहय।

कलिसा तथा कौंसिल मां ओ बाप सन्तों को  
बिदित किया जाता है कि मैं ने वनो मराडली चौडौरदा गांव के  
खुस्तोयह सुरिन को बैठा सुलामो सुरिन को शादी किया था।  
हमारी शादी तताकेल के खुस्त गिरजे में सन १९४६ के ३१  
जनवरी में हुआ था। दस साल रुक साथ रहने के बाद हमारे  
बचमें लेयोस कुजूर के साथ व्यवचार काम के बिषय (सम्बन्ध)  
में भगड़ा पैदा हुआ। इस भगड़ा के गुस्से में वह ननिहाल चली

जब वह जल्दी वापस न आयी तो मैं दो बारा उस को  
लाने के लिये सलुराल गया था। लेकिन वह न आयी। साथ  
साथुर का कहा कि हम ही पहुंचा देंगे। लेकिन उन का कहा  
सब बेकार हुआ, इस के बाद मैं मैं रुक रजीस्ट्री में गेजा। इसका  
भी कुछ जवाब मुझ को नहीं मिला।

II. इसने कहने पर भी जब वह नहीं आयी तो मैं ने अपना मराडन  
के पंचों में यह बात पेश की। इस के अनुसार पंचों ने एक चिट्ठी  
वनो के पंचों के पास लिखा लेकिन जब तक सन्तोष जनक नहीं था।  
कुछ दिनों के बाद मुझे खबर दिये कि मेरी पत्नी सुलामो सुरिन  
ननिहाल से लेयोस कुजूर के साथ भाग गयी। मां बाप दोनों  
को सुरीरा राजा से उन को खिलायें पिलाये और बिदा दे  
दिये क्यों कि मां बाप लेयोस कुजूर से रुपैया लिये थे। इस  
से मालूम होता है कि मां बाप सुरीरा से लड़की को बेच  
दिये हैं। मैं ने पता लगाना शुरू किया, पता लगते लगते  
मालूम हुआ कि वह लेयोस कुजूर के साथ आसाम चली  
गयी है। एक साल आसाम में रहने के बाद वे बानो वापस  
आये। और आज तक वे वहीं ठहरे हुए हैं। ज्यों ही वे लौट  
आये, मैं खुद वनों जा कर उन को देखा और मैं अपना दुःख  
पंचों को सुनाया, पर मेरी अर्जी न सुना गया। पड़ोस के  
दो चार कुटुम्ब भाइयों के सामने मेरी पत्नी ने एक त्याग  
पत्र लिख कर मुझ को दिया है।



III

व्यापक पत्र को कुछ बातें संक्षेप में सुनिधे - मैं अब दूसरे पुरुष के साथ रहती हूँ उस के द्वारा एक बच्चा भी हो गया है। सो आगे को मैं आप को वह व्यापक पत्र लिख देती हूँ अइन्ने आप के अपर मेरा हाक नहीं है। ना आप का मेरे अपर कुछ अधिकार है। इस से मालूम हुआ कि हमारे बीच में रूति नहीं हो सकता है।

IV

अब मेरा मन में कहीं शान्ति नहीं है। इस निधे मैंने सोचा कि कलिसा मेरे लिये कुछ उपाय का रास्ता दिखायेंगे यह सोच कर मैंने इस बात को दायवरा मराडली में पेश किया मराडली नहीं सका इस निधे मराडली ने पेरिश को दिया। लेकिन पेरिश और सिनोड इस को अपने ही भीतर में गाय बरिषा। पेरिश और सिनोड को उचित था कि अपना वकरमा सिनोड को अपना रिपोर्ट दे दें। इस प्रकार कलिसा भी मेरा कुछ विचार नहीं करती है। इस से कहाँ जाऊँ और अपना रास्ता को साफ़ करे कर। खोये हुए भेड़ के लिये क्या खोजने का उपाय नहीं है?

V

माननीय प्रेसिडेंट साहेब आप से दिन हीन अजी है कि मेरा दुःख को दूर करने के लिये आप को वह लेख देता हूँ कि श्रीमान देव कर कुछ उपाय का रास्ता बतायेंगे क्यों कि मैं बहुत तकलीफ में पड़ा हूँ। मेरा कोई नहीं है। कौन मेरे जिवदगी में सहायता देगी। आप खुद ही जानते हैं। कि जीवन का साथी हो निदन्त अवश्यक है। अतएव मैं अजी है कि मुझ दुःखित जन को

लिपे कोई उपाय या रास्ता दिखा दीजिये। उसने  
मुझ को त्याग पत्र लिख कर दे ही दिया, इस से  
अब कहती हूँ कि जिस के साथ रहती हूँ उसीकी  
स्त्री-हूँ मैं जीवत पर उस के साथ रहूँगी। सो  
आप मुझ को दूसरी शादी करने के लिये एक  
अच्छा उपाय बता दीजिये जिस से मेरा मन  
शान्त हो जाय। पहले तो शादी रजिस्ट्री कारने  
का उपाय खोला था लेकिन अब तो वह भी  
नहीं है।

आगे शुभा मूलों को मांझ  
साभुरल डांग, बेंदो पवि

हाल मोराम बमहा मारा, बिरभिलपुर  
जिला सुन्दरगढ़ (उड़ीसा)

**G.E.L. CHURCH CHHOTANAGPUR & ASSAM**  
**ORISSA SYNOD**

**President:—REV. C. B. AIND**

**Secretary:—CAND. TH. DUNG DUNG.**

**Treasurer:—SHRI P. D. NAG.**

**RAJGANGPUR**

**No.** .....

**Dated** 15-3-58.

The resolution of the full Orissa synod-sabha, which was held on the 6 March, 58. at Rajgangpur, is sent to you for general information and necessary action.

10. Rev. S. M. Bage की दखलानद :—

प्रेसिडेन्ट Rev. J. J. P. Tigga की खबर-ना चिह्न जो Rev. S. M. Bage के विषय में है Rev. C. B. Aind द्वारा लगा की पद के अनुसार जग्रा और उल पद तक वितरित पाठ्यात सर्व सम्मति से Orissa synod कमीला की नियमावली निर्णय 10, धारा 6 (10. 11) के आधार पर यह प्रस्ताव करती है कि चूंकि Rev. S. M. Bage पाद्री हैं। सो वे पद के कमीला की नियमावली को माने और उसके बाद उलका प्रेरित और मित्रा पुर जाने या न जाने के विषय C. C. विचार करेगी।

  
Synod Secretary



No 135757 Rajgungfur

From:

The Rev. C. B. And. 15-10-57

To

The President,  
S. E. L. Church, Ranchi.

Sir,

It is to inform you  
that the site of this self  
building is changed. The  
proposed facing of the  
schl is changed from the  
south to the west. I  
hope the proposed site  
plan has been forwarded  
to you by the secretary  
Mr. Dutta. Please  
~~approve~~ if sanction your  
approval soon. Also

please inform the  
Company to pay the  
donation of Rs 1000/-  
to me and grant  
me the copy of  
the same.

Yours faithfully

C. B. B.



SUNDARGARH

To  
The President -  
G. E. L. Church  
Ranchi.

महामान्यवर,

जी. ई. एल. चर्च पेसिडेंट,

छोटा नागपुर और आसाम  
रांची।

श्रीशु सहाय।

शुभ्य

जर्मन मण्डली रुड़केला द्वारा निर्माण किया हुआ जडाकुदर  
गिरजा जंगला 30 नोवेंबर 1952 नौ बजे सुबह संस्कार होना  
निश्चय हुआ है।

कृपया संस्कार कार्य निबहने के लिए आप जरूर  
21-11-52 शाम जडाकुदर पहुंच जायें।

जर्मन मण्डली, आदेय पाद्री क्रोस, आमगांव शक्टर, मिर्छा  
डिलर, मिर्छा स्मिथ और डा० बागे को भी नेता दिया गया है।  
सिनोद पेसिडेंट तथा इस सिनोद के सभी ग्यारह पाद्री निर्मात्रित  
हैं।

Chairman

Rev. H. E. John Samad

Parish Pastor R. Birkera

6/11/58

आप का सेवक

धर्म सेवन बोरो, छेमाच

इलाका सेक्रेटरी

जडाकुदर इलाका

ई-11-52 ई.

Note-

with the approval of the Synod  
President



Hadakudat  
G. E. L. Church.  
Nov. 23 - 11-58

Hon'ble Sir,

30 November is cancelled because  
of Director Lokis.

Thus, the consecration of the church will  
come off on 18<sup>th</sup> January 1959.

Yours,  
H. R. Horwood  
Secretary,  
Hadakudat Church  
Consecration  
23/11/58



पोस्ट कार्ड

केवल पता



To, The President

G. E. L. Chowdh

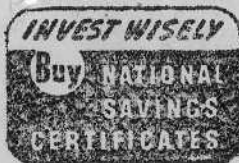
Chhotanagpur & Asam

Ranchi

Ranchi

(Bihar)

#6/6/59



INDIAN POSTS AND



TELEGRAPHS DEPARTMENT

36

Class }  
Prefix } Code

No.



C

Recd. from

Sent at H. M.

Office stamp

By

To

By

Handed in at (Office of Origin)

Date

Hour

Minute

Service Instructions

Words

X NL RAJGANGPUR 5. 11 PRESIDENT TIGA LUTHERAN CHURCH RANCHI =

TO

Recd. here at

H.

M.

= CANCELLED CUTTACK PROGRAMME DAHIJIRA COME =

[T-30.5/53]

MGILPAH.---28-5-4-68 2,95,890 Bks.

Visiting Programme for  
Birmitrapur:

| <u>Dafai.</u>               | <u>Houses.</u> | <u>Members.</u> |
|-----------------------------|----------------|-----------------|
| 1. Church Compound          | 7              | 30              |
| 2. Mistry Dafai             | 10             | 51              |
| 3. Banmunda Dafai           | 19             | 75              |
| 4. Babu Dafai               | 1              | 7               |
| 5. G.O. Dafai               | 11             | 49              |
| 6. Patalkand A              | 18             | 83              |
| 7. -do- B                   | 31             | 133             |
| 8. Bhatta Dafai             | 12             | 42              |
| 9. Lancaster Dafai          | 16             | 52              |
| 10. Sambalpur Dafai         | 15             | 50              |
| 11. Quarry Office           |                |                 |
| <del>12. Fitter Dafai</del> |                |                 |
| 12. Mol Dafai               | 53             | 146             |
| 13. Fitter Dafai            | 4              | 13              |
| 14. Raipura Dafai           | 20             | 60              |
| 15. Teter & Path.           | 2              | 17              |
| 16. No.3 Pathpphar          | 3              | 14              |
| 17. Khatangbera             |                |                 |
| 18. Power House             |                |                 |
|                             | <u>222</u>     | <u>822</u>      |

*Paula To me*  
*Hadugau*  
*Hand*

*[Signature]*

SECRETARY,  
G.E.L. Church, B&M.P.

c.c. to :-

C.C. President, G.E.L. Church, Ranchi.  
Sinod President, Rajgangpur.  
Ilaka Chairman, Karimati.



from Rev. M. Manji Dated 8.6.59  
Kannati P. O. Vavagath  
via Brimmarahat Manywar Mahashay  
- Dist. Sundargadh President (Rev.) P. Jagie  
Onasa Secretary Mr N. L. Horo

ap Tenon office. Bearon From our sadhar m  
jishusahay  
ap locon ko malum hua hogaki  
gahan karumatti ki puri D. Horo. 27.3.59 ko good  
brway ko parlokaman kiya - usne lapne jite hua  
mujh Be Kahia thi ki Baki Pension pausa 50/18 ma  
mahira ki hai mere bete Eman Horo ko. C.C.  
de dowe. uske parbasti nuni mirajwan ant hua  
aur mere palan posan nuni beta Karja hua 50  
inain befari karla hua ki 18 mahina Baki Rs. 270/  
uski bete ke nam se ruti. - usi address. Rev.  
puni mere saraf se bhi bunay hai ki  
C.C. mujh naa daya dasti Karhi. 195) Kal ka  
Baki Baki. - D. Tak Hai yam 4 malane ki  
25. 69. - done ko kriha kar

Kyunki - main apne  
 gharan mein - jiska  
 chahane ke liye Rs. 60  
 Karja karta hun - is  
 aishai se ki - C. E. mujhe  
 jaldi hi pension parsa  
 bly denge - to mahaashay  
 logo. is arzi par dayfi  
 kar amugrah se  
 hum ko har is hal mein  
 Rs. 60 bly denge, main  
 bahut hi dachar garibi  
 dard mein hoke khinchi  
 bah. raha hun, is  
 arzi par Russell koi  
 so mat karye  
 ap kadam dekhani  
 swak. Puri  
 M. Manji

पोस्ट कार्ड

के. ए. ए. पत्र



Rev. President J. P. B. Gai  
 Rev. Genl. Mr. Ottoraj  
 Rev. Mr. C. M. Haro  
 G. E. I. Chivat  
 Ranchi  
 P. O. Ranchi  
 Dist. Ranchi  
 Bihar

पोस्ट कार्ड

जवाबी

केवल पत्ता

24.6.59

11.30AM

SALE



President G.C.C.

Church.

Ranchi.

G. E. L. Church.

Karimatti

P.O. Nuzgaon

Via Birmitra

Sundergarh

22nd Jun. 59.

प्रभु में प्रेसीडेंट जी. शेएल चार्च  
आपको हम दुबारा टापर लड़कों  
की शीर से यीशुसहच। पहिले एक खत मुत्त  
पा. डी. होरो का बकाया पैसन जो हमनिसहच  
लड़कों के लिचे मांगे हैं। आप की कृपा  
ही है तो ईस अकाल हमों को बहुत सहायता  
ही जाता। आगे प्रेम से

आपका विश्वस्त

Eman Horo

Ghausguda  
26/12/58.

To: The President G.E.L Church Ranchi.

महोदय, मैं आ-नोटिस जो उपदेश बनाने के लिये  
दिया गया है पाया। पर अपशेष की बात मैं कि मैं  
22-12-58 को मेरी छोटी लड़की पुष्पा में सो गयी  
जिसके कारण से मन दुःखित है और उपदेश बनाने में  
दुःख हो पाता है। मैं अपनी कहता हूँ कि मैं  
जनवरी 10 तक में भेज दूंगा। मैं लड़की के लिये बहुत  
कोशिश किया। रुपैया भी खर्च किया पर नहीं हुआ  
सो रुपैया सजा को शहरा करेंगे।



फिर-जनाता-हूँ कि-छाई-सूला  
को-गभ-सेन्ट-नहीं-लिया-  
क्योंकि-सूला-का-बहुत-  
डेफिसिट-है-सो-सेन्ट-  
माबत-डेड-मास्टर-को-सूला-  
कमीटी-को-लिखिये।

भाष का-बिरवस्त  
Rev J. Hurm

पोस्ट कार्ड

साथ का-का-पत्रा-के-लि-  
केवल-पत्रा

Go

The President

C. E. L. Church Ranchi

P. O Ranchi

Dist Ranchi



35

No.O.P.J.C./49/60

Dated 27th April 1960.

From

The President,  
Sundargarh Orason Parha Jatra Committee  
Hamirpur, Raourkella.-3

Subject:- Invitation to the Parha Jatra at  
Telighana.

Sir,

The Parha Jatra Committee has the pleasure to inform you that the above Parha Jatra has been fixed on 12th May, 1960. Starting at 7.30 a.m. the function will last the whole day, consisting of four major speeches on tribal history, culture and uplift intermingled with tribal dances. A detailed programme of the function may be made available to you if possible before the Jatra. I, on behalf of the committee thank you immensely in anticipation for the trouble you will take to attend the Jatra and make it a success.

Yours faithfully,

  
Sri THEOPHILE Xess, B.A.  
PRESIDENT.

# कुंडूख पड़हा यात्रा, तेलीघना

१२-५-६०

- १ पड़हा यात्रा
- २ मुख्य अतिथि का स्वागत
- ३ स्वागत (नाच) (१) असारी—कुलूंगा (२) करम—गाइविरा।
- ४ रेसेपशन कामिटी का जनता को स्वागत और चेयरमैन को सभापतित्व ग्रहण करने के लिये आह्वान।
- ५ सभा बुलाने का मतलब — श्री सिमोन तिकी।
- ६ नाच सरहुल — सुन्दरगढ़।
- ७ उराँव का इतिहास और संस्कृति — श्री जुलियास तिगा।
- ८ भाषा — श्री डेभिड मुंजनी, श्री जीवन मसीह मिंज।
- ९ नाच धुड़िया — कुसुमडेगी।
- १० शिक्षा — श्री जोसेफ खाखा। संगठन — श्री जोन एक्का एम० एल० ए०, श्री इग्नेस बेक एम० पी०, श्री कोर्नेलियुस खाखा।
- १० नाच जदुर — झुनमुर। चिरदी — मझापरा।
- ११ स्पीच — सभापति का भाषण।

## १२ बजे से ३ बजे तक अवकाश

- १२ नाच मठा — त्रिरमित्रापुर।
- १३ दारू पान से हानि — श्री मोरिस कुजूर, श्री शांति प्रकाश एम० एल० ए०, श्री फवियानुस उराँव एम० एल० ए०।
- १४ नाच जेठ यात्रा — हमिरपुर।
- १५ अधुनिक भारत में अधुनिक ढंग की खेती — श्री अगापित लकड़ा, श्री इग्नेस कुजूर एम० एल० ए०, श्री कृष्णनिधि नायक, श्री सुकरा भगत M.L.A.
- १६ नाच लुभकी — केसरामाल।
- १७ स्पीच — सभापति का भाषण।
- १८ धन्यवाद के वचन,
- १९ नाच — (१) आँगन खेल—तेलेंडीह, (२) रोपा खेल—कटापली।

थेओफिल खेस

प्रेसिडेन्ट

ओ० प० ज० क०

हमिरपुर

## विराट उराँव पड़हा यात्रा

स्थान—उड़िसा प्रान्त के सुन्दरगढ़ जिले में राजगांगपुर, सुन्दरगढ़ रोड पर स्थित  
तेलीघना ग्राम का विशाल आम बगीचा ।

माइयो और बहनो,

पड़हा यात्रा कीमिटी, सुन्दरगढ़, आप लोगों को सहर्ष सूचित करती है कि उपरोक्त स्थान में भारत के उराँव जाति के इतिहास में प्रथम बार १२-५-६० गृहस्पतिवार को जातीय पड़हा यात्रा का आयोजन किया गया है। इस यात्रा में उराँव जातीय इतिहास, भाषा, संस्कृति, रीति रस्म, खेती नाच पर जात के प्रमुख व्यक्तियों द्वारा भाषण होंगे। यात्रा में उराँव जाति के विभिन्न खेलों का प्रदर्शन स्वयं सज्जन के साथ होगा।

अतएव भारत के विभिन्न प्रान्तों के सभी उराँव माई-बहनो से निवेदन है कि वे हजारों हजार की संख्या में क्या स्त्री-पुरुष, युवक-युवती, जड़के-बच्चे, छात्र-छात्री मंदर मंझ पड़हा मंडा और अपने अपने पड़हा राजा-दीवानों के साथ इस पड़हा यात्रा में उपस्थित हो इसे सफल बनाने की चेष्टा करें।

यात्रा स्थल में चावल, दाल, भोजन तैयार करने के लिए मिट्टी के बर्तनो, जलावन लकड़ी को दुकान और चाय और भोजन के होटल भी उपलब्ध होंगे।

११ ता° शाम पुर्णिमा की रात को अपनी इच्छानुसार नाच होंगे और १२ ता° का प्रोग्राम साढ़े सात फ. र से शुरू होकर १२ बजे तक और तीन बजे से सात बजे तक रहेगा। यात्रा स्थान तक जाशपुर, राँची और बारवे आदि से बस द्वारा और राजगांगपुर तक रेलगाड़ी द्वारा पहुँच सकते हैं जहाँ से यात्रा स्थान तक पहुँचने के लिए फिर बस मिलेंगे।

— नि वे द क —

श्री अ° लकड़ा, भूतपूर्व एम. एल. ए.  
श्री मंगुआ मिंज तेलिघना  
श्री मोरिस कुजूर  
श्री दानिएल टोप्पो आई. ए. सी. टी.

श्री ये. खेस बी. ए. प्रेसिडेन्ट  
श्री इ. एका सी. टी. सेक्रेटरी  
श्री ई. मिंज बी. ए. बी. इंडि.  
श्री जो. लकड़ा सी. टी.  
श्री रे. लकड़ा बी. ए.

हिन्दुस्थान प्रिन्टर्स, राउरकला।

35

*Orissa*

---



To

The President G.E.L. Church Ranchi

Sir,

Respectfully I beg to state that I am a young man, a very simple christian (neither a priest nor a pastor) of Rajgaughur P.S., village Mission Compound Dist Sundergarh. I am an under-matric as there was no <sup>local</sup> H.E. school at British ~~Govt~~ period. Since the study period I served as a teacher 5 years about I acquired the knowledge-experiences to learn the volcanic-reason of the quarrels. Now I have well studied Volcanic-reasons of G.E.L. Church Govt ministry danger <sup>you are</sup> failure to reunify it. A unhaird spokes man announcement "जब तक हमारे कोरे भाई की Volcanic-reason अस्त-यत कर या अमृतोद्यान कर वरुदा न दे तब तक हमलोगों का समाधान मुश्किल या असम्भव है" (in the joint Board session) I also the reasons have been checked many times when you tried to unify (Entering in a church, Agreement signing) I failed though you were much ambitious.

If you have urgent demand Volcanic-reasons — (instead of) I want a service from you (equal), to start end of Zonal problem — with fruitful result of the liberation — without fail must be ended. I have studied or learnt real or perfect Volcanic-reason for your Lutheran people. If you will request I want not to keep it in my office. Deshi or Indian problem. What shall the foreigners will do? But I only a Griya-teacher (hass-ed service) have studied the volcanic-reason — to earn plenty of money. If you have urgent demand — you may or must come and talk about your problem.

Appointment first — and then can talk as this <sup>is</sup> republic-country — this is not the work of my home G.E.L. church.

Rajgaughur

Dated. 12-8-1957

yours Sincerely

Volcanic-reason-enquirer

Marshal Toppo

Village — Mission Compound

P.O. — Rajgaughur

Dist — Sundergarh



Raigaonpur  
Mission Compound  
12-8-59

President Tigga,

About my application you should not delay. I am not private servant you must come or may meet me. First the partition should not take place in your G.E.L. church (as one divinity still) and you should success to end of it. you failed what shall I do. I went only to look the dramatic-figure of the joint-board-session & word gathering to make your people understand during reason disclosing time - such as volcanic-reason (what, how, why). Ministry danger for the learned persons, - village-meetings hearing cases among the last class people - & whole of Adibaris volcanic quarrels in his area are full of quarrels. you will unable to progress till you not unify with real reason from me. you think of hessed, - collapsing of your societies, narrowness - barren environments. I am component person for this understanding or learning for you all also after appoint.

I have studied all these - not thinking of full policy of any a single - only goodwill purpose can merits of success. I am not attending your church only a three days a years, out side of church hall.

This is not a easy-task to study in service with lot official & field job - lot of responsibilities.

Best compliments for to you wishing you goodwill every day to solve your problem early very soon.

yours sincerely  
Marshal Toppo  
Village-Mission Compound  
P.O. - Raigaonpur  
Dist. Sundergarh



पोस्ट कार्ड

सोय का कार्ड जवान के लिए

केवल पता



The President  
Rw. J. J. P. Tigra M. A. B. D. S. T. M.  
G. E. L. C. Zueh, Ranchi.

P.O. Ranchi.

Bl Ranchi, Har.

S. E. Ry.

Rev. S. T. Skey, Nindih.  
To The Preside  
G. S. L. Church, in Chitrapur and  
Assam. Raneri  
3. 10. 58.

Dear Sir,  
With reference to your  
letter No. 1729-1757/58. dated the  
18th Sept. 58. Am much pleased  
to thank for the circulated  
recommendations of the Seminary  
Board for consideration and  
opinion of the members of the  
Church Council —  
votes for or against with or without  
comments — Hereby send  
to the office work is regard,  
for my "votes express A Majority"  
for the confirmed recommendation.

Yours sincerely —

S. T. Skey, Nindih.  
C. C. members, Orissa.

35

# UTKAL CHRISTIAN COUNCIL

**President :**

REV. A. C. KONDPAN  
MISSION COMPOUND  
P. O. JEYPORE, DIST. KORAPUT

**Vice President :**

REV. B. PRADHAN B.A.B.D.,  
MADHUSUDAN ROAD  
P. O. CUTTACK

**Treasurer**

MISS L. WASSER,  
KHARIAR, DIST. KALAHANDI

**Secretary, Public Relations :**

REV. J. K. MOHANTY, B.A.B.D.,  
MADHUSUDAN ROAD CUTTACK

**General Secretary**

MISS L. QUVY,  
P. O. SAMBALPUR, ORISSA.

**Deputy Secretary**

MISS I. D. JOHNSON,  
P. O. BALANGIR, ORISSA.

Dated March 17th 1960

Rev. J.J.P.Tiga,  
President, G.E.L.C.

Dear Mr Tiga,

The Executive Committee of the U.C.C. met in Cuttack on March 8th and 9th. Rev. A.E.D. Frederick was present at that meeting as the National Christian Council representative.

I informed the members of the action taken by the Rourkela Committee in proffering a joint request to the H.S.P.L. for two plots of land for the erection of Churches to be used by Christians, one for the C.I.P.B.C. and Syrian Church and the other for all the non-Episcopal Churches.

Much concern was expressed at the delay in acquiring land as there are many Christians in Rourkela who know of no place where they can meet for worship and who therefore, are being deprived of the spiritual nurture that they need.

Some of the members of the U.C.C. are of the opinion that one site and one only will be granted and that a request for a second site will lead to considerable delay or possibly the withholding of the offer of one site because of the problem of deciding to which Church or organisation that site should be given.

As a result of this discussion it was resolved:-  
"that we emphasise the urgency of a legally registered body representing the Churches in Rourkela taking advantage of the possible offer of one plot of land by the H.S.P.L. The possible offer of one plot should be accepted within three months, failing which the U.C.C. is prepared to act on behalf of all the denominations to form a trust to hold this property."

I should be grateful if you will let me know what progress has been made in your negotiations with the H.S.E.L. Have you any hope of them being brought to a successful conclusion in the near future?

I think you know that the President of the U.C.C., Rev. A.C. Kondpan, the Vice President, Rev. B. Padhan and the Secretary are the U.C.C. representatives on the Rourkela Committee.

With all good wishes,  
Yours sincerely,

CHURCH CHRISTIAN SOCIETY



36

St Augustine's Church Compound,  
P.O. Manoharpur,  
Singhbhum, Bihar.

To The President,  
Gossner Lutheran Church,  
Ranchi.

Feb 19th 1960.

My Dear Mr Tigga,

I have to request your kind co-Operation in a matter of grave importance, with which the christians of all denominations are concerned in the Manoharpur and Anandpur area.

There are a fair number of christians here who have come into the Church from the Lohar tribe. When they complained to the District Council that other christians, namely those who have come from among the Mundas and Oraons, do not eat with them and thus refuse them their christian fellowship, we had to do something to demonstrate that we do not in fact despise them in any way. After a great deal of deliberation on the part of the parish councils and the District Council we said that we would eat with them happily if they would invite us to an ordinary prem-bhoj. This they did and a fellowship meal was partaken of by a representative group of people.

All went well for some time and then trouble started from a certain quarter and has now assumed unhappy proportions. One section of the population including Christians of all denominations and non christians are ostracising those who have eaten with the Lohar Christians. Our people are most unhappy about this.

The point of our writing to you is to appeal to you for support and some sort of concerted action. We have heard of some Lutheran Pastors and Pracharaks who are openly advocating the segregation of the Lohar Christians and are taking sides with those who are observing chutachut. We would be glad if we could present a united front in doing away with this lack of christian charity.

Our Bishop endorses what we have written and I am sending him a copy of this letter. With all good wishes to you and your family,

Yours sincerely,

*B.S. Hayllar*

The Revd: B.S. Hayllar, Chairman, Manoharpur District Council,  
C.I.P.B.C.

REGISTERED

Posts and Telegraphs De

No. E/M-1/CR-PE DL.

To

The

Add.

Sunder



Only G. S. Only.

N. 7965

N. P. 20  
Despatcher,  
District Office,  
Sundargarh.

DISTRICT OFFICE, SUNDARGARH.

-X-X-X-X-

No. 7965 Gen

Dated, Sundargarh the 9th August, 1958.

From:-

The Deputy Collector In-Charge,  
English Office, Sundargarh.

To

✓  
The President,  
G.E.L.Church.  
Chotanagpur & Assam,  
P.O. Ranchi (Bihar).

Sub :- Grant of Marriage license.

Ref :- This office letter No.5580 dated  
3.6.58 and Memo No.7135 dated  
18.7.58.

-X-X-X-

Sir,

A reference is invited to this office  
letter cited above.

It is requested that the information  
called for therein may kindly be furnished to this  
office to take further action in the matter.

This may be treated as extremely urgent.

Yours faithfully,

*L. S. Chandra*  
8/8  
Deputy Collector In-Charge,  
English Office, Sundargarh.

*File*  
Nag. 8.8.

DISTRICT OFFICE SUNDARGARH

No. /Genl.,  
Dated, Sundargarh the July '58.

From

Shri Debendra Nath Mohanty. M.Sc. O.A.S.,  
Deputy Collector-in-charge,  
English Office, Sundargarh.

To

Revd. C.B. Aind,  
G.E.L. Church, Rajgangpur,,  
P.O. Rajgangpur.

Sub :- Grant of marriage license.

Ref :- Your letter No. 76/58 dated 9.7.58.

Sir,

I am to state that one Revd. Christochit Minz of Ratobirkera has raised objections towards grant of marriage license and the Government have ~~been~~ requested to furnish reports on the objection petition filed by Revd. Minz. The matter has been referred to the President of G.E.L. Church, Ranchi for a report. On receipt of his report Government will be moved to Grant marriage license.

Yours faithfully,

Sd/- D.N. Mohanty.  
Deputy Collector-in-charge,  
English Office, Sundargarh

Gram 17/7

Memo No. 7185 /Genl.,  
Dated, Sundargarh, the 18th July '58.

Copy forwarded to President, G.E.L. Church, Ranchi, P.O. Ranchi,. He is requested to furnish his report early.

*D. N. Mohanty*  
Deputy Collector-in-charge, 17/7/58  
English Office, Sundargarh

DISTRICT OFFICE SUNDARGARH

No. VI-2/58 5580 /Genl.,  
Dated, Sundargarh, the 3rd June '58.

From

Shri Mahesh Prasad Purohit, O.A.S.,  
Deputy Collector-in-charge,  
English Office, Sundargarh.

To

✓ The President,  
G.E.L. Church, Chotanagapur & Assam,  
P.O. Ranchi, Bihar.

Sub :- Grant of marriage licenses.

Sir,

I forward herewith a copy of letter dated 3.12.57 written by One Revd. C.C. Minj, Ilaka Chairman, G.E.L. Church, Ratobirkeara in Sundargarh district putting objection against grant of marriage licenses to three Ministers of religion mentioned in the letter. The letter is self explanatory. I would, request you to please furnish a detailed report on each point of the letter at a very early date to enable this office to take further action in the matter.

This may be treated as extremely urgent.

Yours faithfully,

*M. Prasad*  
2-6-58

Deputy Collector-in-charge,  
English Office, Sundargarh

*6/6/58*  
Oram 2/6.

*Circulated for perusal  
M. Prasad  
Resident  
7.6.58*

*1. Secretary, G.E.L. Church, Ranchi  
The enclosed letter doesn't seem to be authentic - it is signed by Rev. C.C. Minj  
2. Treasurer, G.E.L. Church  
Perused  
7-6-58*



To  
The Registrar,  
General Births, Deaths and Marriages,  
Orissa, Bhubaneswar.

Sir,

With due respect and humble submission I  
beg to ~~xxx~~ lay the following few line for your kind  
consideration and favourable action that,

A letter (No.1805/5F C.C. 12 dated 9th  
July, 1957) has been sent by N.E. Horo to your office. The  
subject of that letter is granted of marriage licenses  
of Rev. Samuel Bage, Rev. Naeman Samad and Rev. Patras Surin.

But I strongly object to stop their licenses  
on the circumstances given below :-

1. There is a dispute on the constitutional  
Amendment on the Administration of G.E.L. Church in Chota-  
nagpur and Assam and the Zonal System has been formed  
(North and South Zone). The above persons are sent by  
N.E. Horo in Orissa to propagate against the North Zone  
having their training within 15 days.

2. Second thing, these persons has been pos-  
ted in such a places where there are another pastors have  
been appointed previously., such as I am the pastor of G.E.  
L. Church at Ratobirkeara <sup>carrying my service from 7 years before and 2nd person X</sup> to propagate against me. Now  
by the leadership of Naeman Samad the dispute at Ratobir-  
kera is growing bad to worse day by day. I and the  
Members of North Zone stated all our grevances to S.P.  
Sundargarh, District Magistrate, Sundargarh and all officers  
under them. Mansukh Bara, Member of North Zone was assaulted  
by a Member of Naeman Samad's party. The case was on the  
law Court at Uditnagar. Now Mansukh Bara got degree and  
Naeman Samad's Party were <sup>finished</sup>.

3. All though there is dispute within G.E.L.  
Chirch. All the Members of different places like Ranchi  
Simdega and other places are having their church worship  
peacefully in one church on the different times But here  
at Ratobirkeara Naeman Samad of the opposition party  
locked up the chapel and did not allow us to enter in the  
church.

X namely Naeman  
Samad also posted  
at Ratobirkeara

4. Next thing, the above persons whom are sent to Orissa are members and Biharies and always trying to lead the people according to their own interest. N.E. Horo who says himself the Secy. of G.E.L. Church is also a Bihari and Munda by caste. <sup>He always trying to fill up all headquarters of Orissa</sup> to Bihari Pastors. I fear why he appoints all Biharies in Orissa like this? <sup>I cannot understand his aim.</sup> Under such circumstances I request your kind honour to be kind enough to stop their grant of licenses till there is no peace in the G.E.L. Church.

I beg to remain

Sir,

Yours faithfully,

Sd/-

Dated 3.12.57.

Chairman,  
G.E.L.C. Ratobirker, North Zone  
P.O. Ratobirker Dist, Sundargarh.

6/12/57  
46

- Copy to District Magistrate, Sundargarh.

\*\*\*

In L. G. S. Only.

7185

To

The President G. E. L.  
Church

P. O. Ranchi  
Dist

*Despatcher.*  
District Office  
Sundargarh.





Schedule LIII—For  
(Forms) 1129

ON INDIA GOV  
No.



DISTRICT OFFICE SUNDARGARH.

No. 3049. /Gen.

Dated Sundargarh, the 23<sup>rd</sup> Feb. '60.

From

Shri N.R. Raghav Rao, B.A.O.A.S.,  
Addl. District Magistrate,  
Sundargarh.

To

The President, G.E.L. Church, Ranchi.  
P.O. Ranchi.

Sub:- Grant of marriage license.

Ref:- This office letter No. 12251 dt. 23.9.59  
and No. 14310 dt. 14.11.59.

Sir,

A reference is invited to this office  
communications mentioned above on the subject.

For want of license of Rev. Eliazar Kiro, issue  
of licenses to the other pastors recommended by  
this office has been held up.

You are therefore requested to  
obtain the license of Rev. Kiro and send the  
same to this office without further delay.

Yours faithfully,

Minj 27/2,  
D.P. on 27/2.

  
Deputy Collector Incharge,  
English Office, Sundargarh.

— — — — —  
C. I. C. S. Only.

3049.

To

The President  
G. E. L. Church.

Ranchi.



Despatch  
District Office  
Sundergarh.



13.80

13.80

ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ. ਕਮਲ

Philippus de la Haye

Date 12/3/60

मेरे मन के भाति पिघारे जी-ई हल चारों के  
 यहाँ है मान्यता जैः जै वि. सिंगा। आप से प्रेमसहाय  
 जिसने का अनिष्टाप पछी है, कि मैं ने एक अहिंसे बोझ (काँ) दिया था पहले  
 उसका मैं कुछ उदाहर नहीं पाया। फिर भी एक माते में आप को देना हूँ।  
 कि आप से बहुत नाराज हो रहा छिनोद को बिगाड़ दिया, और अब  
 उसके साथ बर्ताना नहीं। इस वाले आप का विचार होता है, आप मुझे एक  
 शिक्षा का माते के दिखाव डे आनि का निहरी बांधिये। जोभी यह लोभविषम  
 नहीं पर माइती तो वे ही लिखिये। गटे लियाहित चाहे नलिनीर हो गया  
 गति को देख से लिखिये। नहीं तो जितने पड़ा पक्ष के मंग है वह नेथजीन  
 प्रविशने की बुझाने का प्रस्ताव डाल चुके हैं। मैं पड़ा का जेनेरल सेनेटरी हूँ।  
 सिनोद और पड़ा को सामिल करने का चेष्टा में लगा हूँ, पहले ए. बी. सिंह को  
 मेरे हूँ॥

नमस्ते वता देना चाहता हूँ कि अमरापुर  
 मिलिगी बहाल मंडली सेटलेजेसन बन्द  
 किया काही भी बन्द करेंगे। राजागपुर  
 इलाका में डहिजिरा, कपुरा, खराग  
 जवामुन्डा, गदीयाली, और पंथुरा बन्द  
 है, मालूम पड़ता है, जोडिहा सारा बन्द  
 करेगी। आ किया जाय, यदि आप भी  
 बन्द देते हैं, तो, तोली कोई तराज भी  
 बात नहीं है। पड़हा के भाई बहिन सब  
 उपाय करेंगे। इसलिसे निवेदन करना चाहता  
 हूँ। आप अपने आराधी का उत्तर दायें हैं।  
 Respected Friend J. J. P. T.

पोस्ट कार्ड

POST CARD

साथ का कार्ड जवाब के लिए  
THE ANSWER CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER

कुकुल नारायण  
ADDRESS ONLY



To  
 The President of E. C. Church  
 Ranchi / J. J. P. T. Rev.  
 P. O. Ranchi  
 Dist. Ranchi (Bihar)

12.  
The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

President:—Rev. J. Lakra, M.A., B.D., S.T.M.

G.E.L. CHURCH COMPOUND  
RANCHI BIHAR INDIA.

Ref No. 3865/54

Dated the 1st November, 1954.

Miss Ilse Martin,  
Mission Hospital,  
Nourangapur, Koraput Dist.,  
Orissa.

Dear Miss Martin,

Your letter dated 26-10-54, many

thanks.

Mrs Lakra and myself both read your letter and were glad to go through the contents. It is good that you enjoy your work there and we feel sure you will have greater joy to have your own hospital.

Now Rev. Borutta must have left for Amgaon, for the required money has come and we expect him to complete the bungalow within this month and we hope you to be at Amgaon, latest by the middle of December, so that you may be able to have your next Christmas at your own home. This is the order given to Mr. Borutta.

The Church Council is finding two women for you, one must be a trained nurse and the other you may have to train. Mrs. Lakra has been thinking of a very nice lady working in the Itki Sanatorium. May be her pay is too high.

Well, I am glad for what is being done at Nourangapur by way of making the Hospital an evangelising centre. In some other Mission Hospitals also this is done. But I am not quite satisfied with the result. No doubt, the Christian motive in the Mission Hospitals makes the service more sincere and wholehearted. In addition to what is being done at Nourangapur, it will need something more which at present I do not know. We shall both put our heads together for the solution. You must first settle down at Amgaon.

I am glad you are making a good progress in Oriya.

The Gosner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

-2-

Mission Field, 1845-Announcement 1919.

It is a pity that ~~Rav. Dungdung~~ Rev. Dungdung should be sick after qualifying himself so well for the Lord's work. I know him very well. Please say Yishusahay to him and to his dear people. May God grant him speedy recovery.

We had a very nice Reformation Day. I must end here for the present but when are those eggs coming from Simon Lugun, which he must 'prakash'.

Yours sincerely,

President,  
G. E. L. Church, Ranchi.

Your letter dated 26-10-54, many

Mrs. Lakra and myself both read your letter and were glad to go through the contents. It is good that you work there and we feel sure you will have greater joy to have your own hospital.

Now Rev. Borjita must have left for Amson, for the required money has come and we expect him to complete the building within this month and we hope you to be at Amson, latest by the middle of December, so that you may be able to have your next Christmas at your own home. This is the order given to Mr. Borjita.

The Church Council is finding two women for you, one must be a trained nurse and the other you may have to train. Mrs. Lakra has been thinking of a very nice lady working in the left Sanatorium. May be her pay is too high.

Well, I am glad for what is being done at Nourangpur by way of making the hospital an evangelising centre. In some other mission hospitals also this is done. But I am not dissatisfied with the result. No doubt, the Christian motive in the mission hospitals makes the service more sincere and wholehearted. In addition to what is being done at Nourangpur, it will need something more which at present I do not know. We shall both put our heads together for the solution. You must first settle down at Amson.

I am glad you are making a good progress in Orissa.

No 4042/54.

G.E.L. Church Compound,  
Ranchi Bihar India.

Dated Ranchi the 10th Nov'54.

To

Rev. Z. Khalkho,  
G.E.L. Church,  
Rajgangpur,  
(Orissa).

My dear Rev. Khalkho,

I note that the Cuttack meeting is  
fixed for the 19th November, 1954. We shall start from here  
on the 17th evening and stop at Kharagpur and catch the  
earliest train for Cuttack. You may catch us at Kharagpur  
or proceed straight to Cuttack.

Yishusahay.

Yours sincerely,

Sd/- J. Lakra,

President,  
G.E.L. Church Ranchi.

No. 4043/54.

✓ Copy to Rev. J. J. P. Tiga.



021550  
The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

President:—Rev. J. Lakra, M.A., B.D., S.T.M.,

G.E.L. CHURCH COMPOUND  
RANCHI BIHAR INDIA.

Ref No. 4098/59

Dated the 19th Nov. 1954.

Miss Ilse Martin,  
Mission Hospital,  
Nourangapur--Korapur Dt. Orissa.

Dear Miss Martin,

Many thanks for your kind letter dated  
12-11-54.

I am very sorry to learn of the death of  
Rev. Dungdung. He was a great pastor with a bright future.  
God may comfort all his dear ones.

I think your proposal for keeping Mrs. Dung-  
dung is a good one. Let us wait for the trained nurses. We  
shall be very much guided by you in these matters. Please  
write to the Joint Board expressing your wish. You need not  
bring one from Berhampore. Our own girl may be better.

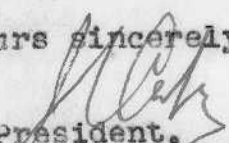
Now I have to inform you that you will have  
to have your Christmas at Nourangapore or Ranchi, for the  
Bungalow will not be ready in December. Mr. Borutta was here  
yesterday and told me that he could not get the materials  
and so the delay.

Any way, your bungalow will be ready early  
in 1955.

I am coming to Cuttack on the 22nd Nov.  
where there is a meeting. About 200 Christians from one  
Schaeffer Mission Unit like that Mission and have applied to  
us to join us. Schaeffer Mission is outside the N.C.C. and  
so there is possibility of our taking them. The meeting is  
for this matter. Yishusahay.

Kind regards.

Yours sincerely,

  
President,  
G.E.L. Church, Ranchi.

12. Orissa Synod.

66/53-

18th February, 5.

Miss Ilse Martin,  
Mission Hospital,  
Amgaon,  
P.O.-Barkot,  
Dist.-Sambalpur(~~Bamra~~).

Dear Miss Martin,

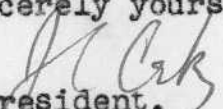
Many thanks for your kind Postcard dated 11th February, 1955.

Mrs. Lakra and I were in Surguja for about three weeks and 73 baptisms took place during my stay there. Though there is persecution, there is also progress by the power of God our Almighty Father.

There is some milk left and something of it would be given you, if Mr. Borutta could take in some dry tin. I am going to Chhindwara but Mrs. Lakra will take care of you. Yishusahay to you.

When is that big bungalow going to be dedicated when we shall have a big Barakhana and "Anda Pakao".

Sincerely yours.,

  
President,

G.E.L. Church, Ranchi

B.L.18/2/55.

Date 23.2.1953

मान्यवार प्रेसिडेंट साहिब जी. ई. एल. चर्च  
होशनागपुर और आसाम।  
वज़रिये सेक्रेटरी सी. सी. जी. ई. एल. चर्च  
कामाडह रॉचो।

महाशय,

आप को यहि-सद्य ।

मैं बहुत ही आफ़सोस तथा हताशा हो कर आप-  
को सादर जमाता हूँ कि, आर्थिक घटी के कारण  
उम बामडा मिशनफिल्ड के कर्मचारीगण बहुत दुःख  
उठा रहे हैं - एक ओर हम लोगों के वनख्वाह का  
ठिकाना नहीं है और दूसरा रहने का घर नहीं  
है। हम लोगों की बहुत ही आशा थी कि C.C.  
या सिनोद हम लोगों के खाने पीने वा रहने के  
बख़्त धर की चिन्ता करेगा किन्तु यह हमारी आशा  
अब जाती रही। मैंने धर के लिपे तथा वनख्वाह  
के लिपे सी. सी. को कई बार अजीब पेश किया  
र उसका जबाब भी कुछ न मिला। अब यह  
कार जिसमें मैं डेरा किया हूँ, ठिकेदार के हाथ  
माडे में दिया जा रहा है। इसका ख़बर मैंने  
सी. सी. तथा क्रिम्पैट साहिब को भी दिया है।  
मुझे बड़ा दुख है कि इसका फ़िक्र भी नहीं  
किया जाता है। मेरे लिपे यह अच्छा होगा  
कि मैं अपना धर लौट जाऊँ और वहाँ ही  
से मिशनफिल्ड बामरा काम देखूँ।

From Rev. J. Topno  
MISSION FIELD BAMRA

G. E. L. Church, Madhupur  
P. O. BAMRA  
DIST. SAMBALPUR, ORISSA

11

Date \_\_\_\_\_ 195

मैं यह समझ नहीं सकता हूँ कि क्यों ऐसा  
होता है? उपरोक्त बातें मैंने निराशता तथा  
हताश हो कर लिखी हैं। चूंकि १८५२ साल  
के पांच महिनो (जुलाई से नोवम्बर) का तनख्वाह  
बकाया मिलना है और फिर गत बरस १८५२  
के दो महिनो (नोवम्बर और दिसम्बर) का और भी  
३२ बरस गत दो महिनो गुजर रहे हैं तनख्वाह  
का पता ही नहीं। ऐसी हालत से हम लोगो  
की है। प्रचारकों को कैसे रखें? सच है  
आर्थिक विषय पर बात गति कठोरीसा के कामों  
में बहुत सहायता देती है। इन शर्तों  
हताश हो जाते हैं कि न तो सिनोद ही  
हम लोगो की चिन्ता करता है न तो नवोसी. सी।  
हम देखते हैं कि दूसरे सिनोद अपने मिशन  
फैल्ड के अधिकारियों के लिये बड़ी प्रिक्रम  
लागी हुई है।

आप से नियेदन है कि मेरा डेरा घर  
धरत फुल का कम खर्च से बनाया जाय अपित  
४०/५० रुपये तक का जिसके लिये आपको  
धन्यवाद ।

आप का विश्वास,  
Rev. J. Topno  
Madhupur  
23-2-53.

*Singh*

INLAND LETTER

NO ENCLOSURES ALLOWED



*P. Singh*

The Rev. J. Lakra, M.A., STM.,

G.E.L. Church Compound,

Ranchi,

Bihar,

India.

Third fold here

Second fold here

Sender's name and address:—

THE REV. ROBERT S. GIBERTY,  
U. L. C. MISSION,  
PARVATIPURAM,  
SRIKAKULAM DIST.,  
INDIA



INDIA S. CURITY PRESS, NASK ROAD.

to open cut here →



THE REV. ROBERT S. OBERLY,  
U. L. C. MISSION,  
PARVATIPURAM,  
SRIKAKULAM DIST.,  
INDIA

18 February, 1953.

Ref. No. 260/53.

The Rev. Joel Lakra, M.A., S.T.M.,  
G.E.L. Church Compound,  
Ranchi,  
Bihar.

Dear Pastor Lakra,

Thanks for your letter of the 14th.

Parvatipuram is on the line between  
Raipur and Vizianagram - 49 miles from Vizianagram.

19 50      8 33      a Raipur d      17 5      6 0

8 40      21 31      d Parvatipuram d. 3 27      16 33

6 17      19 13      d Vizianagram.a. 6 10      18 48

We are looking forward to your visit.

Please let us know when to expect you.

With best wishes,

Yours very sincerely,

Robert S. Oberly



**INLAND LETTER**

**NO ENCLOSURES ALLOWED**



To. Rev. J. Lakra. (President).

G.E.L. Church Compound.

P.O. Ranchi, BIHAR.

← Third fold here →

Second fold here →

Sender's name and address —

OKL

*[Handwritten signature]*  
22/7

27 JUL 58  
9 30 AM

INDIA SECURITY PRESS, NASIK ROAD

→ to open cut here

*The Positive*  
*11/29/53*

*35*

From:-Mr.Immamel Okil Nag.  
2nd.P.A.to the Deputy Minister,  
Supply & Agriculture.Orissa.CUTTACK.  
21.7.53.

To  
Rev.J.Lakra.Ranchi.

My dear Sir,

First of all I have the greatest joy to meet you to day through this letter, this day being my Birth-Day anniversary. I am much more happy to inform you to day that I have been appointed as the 2nd.P.A. just on my birth day. Here also I will get the same grade of pay i.e Rs150/- nearly including D.A. and other allowances.

That that day I left Ranchi and came to Birmitrapur and went to meet Nirmal in his village Bartoli. I met him and over your letter. He told that when I had taken so much trouble to come to him he must write something. Due to that day being evening he told that he will write the next day. Of course I had no trouble there as I had halted in the home of one of my related Mama. Next day again I went. Nirmal told that some man from Rajgangpur side had come and had told him something regarding me so he sent for that man and told me that after that man comes he would meet me in my Mama's house. I came back. He came with that man and he frankly uttered that he is unable to write anything for me as he had personally heard from Arthur Kuzur that I once denounced the Adibasis publicly. I told him that these things are down right false and Arthur due to his perverted motive is always throwing stones in the dark against me; And when I saw that he is not at a mood to write anything for me I told that I have found the papers where he had signed and sent to Cuttack. I asked whether he can prove that. I explained him that once I gave a lecture in the Church at Rajgangpur on Mathew-22. 15-21. where I showed him to have made the facts plain that how we the Adibasis were purely wrong in stopping Malgujari altogether and how bitter the consequence followed. I told him that their leadership was wrong. I more told him that they can get back their money if paid at exorbitant rate but they cannot reanimate those who suffered casualties. I told him that Arthur has taken that opportunity and has diverted him to sign. I told that I was not persuading him to recommend me but if he does not writes I will take steps to justify the truth of those papers and if any calamity falls on them they should not blame me later.... He understood the real mischief of Arthur Kuzur and told me that he had never heard any thing against me but only some days back he heard those from Arthur and after some days Arthur drafted something and got those typed and sent a boy name James Toppo requesting through him to sign over those papers. He then told he must withdraw those, and he wrote as follows:-

Sir, as I know to Babu Nag of Rajgangpur is a good boy, his character is good and he is quite fit for Govt. service. He is in our blood.  
On 29.6.53. I have sent a letter, to Cuttack, with sign to Cuttack is ignorant.  
Sd/N.Dang. 11.7.53. Bartoli. Raiboga.

at last he begged excuse of me for his fault. I also obtained there another recommendation from the President Gangpur Adibasi Mahasava that is P.S. Bage. and these Niral Horo, Christodham Bage, Yunas Bage all signed. It was also a strong one just as yours.

So I came to Cuttack with all those but as that Sub-Registrar case will be a bit late I took this appointment at the pleasure of the Minister. I will soon shift myself when the order for that post comes out. Due to my staunch fighting the file is taking round for consultation to all big persons. It went to the Advocate General, Adibasi Minister, Revenue Minister, -PTO

Rev. Commissioner, Legal Remembrancer and now it is with the Chief Minister. I have sent to most of them copies of all the testimonials brought. If I am proved a Backward Class member I must get the post. It is still kept vacant as my matter is pending. Of course the Govt. was trying to throw me out on the complaints made by Arthur Kizur. But those things are proved false and I think Arthur will be put to task by the Govt. sooner or later.

For Arthur I feel pity that being once my most intimate went so against me and at last did not even hesitate to divert a leader and get his sign. He is like that. Only due to jealousy he did. Their old history is dark. He is himself a man with communistic ideas, dis-respects church attendance rather initiates his young batch to avoid church attendance. He is a lover of cinema, best historians of the stars and actresses. He always with his superiority ~~complex~~ complex and these things led me to leave his friendship. Now he wants stipend from Mission. He should feel shame. Let him be great I do not mind for that.

I have completely bored you, please Inform mother and sisters and brothers that I was so pleased for their due cordiality. I will write you later when my that post comes out well.

With my best wishes and yishusahay to you and all.

Yours affectionately

*Chandrasekhar*



35

THE METHODIST CHURCH IN SOUTHERN ASIA

DELHI EPISCOPAL AREA

BISHOP J. WASHBURN TICKETT

12, BOULEVARD ROAD  
DELHI

*John. P. Washburn*  
*29/7/53*  
20 July 1953

The Rev. J. Lakra, President  
Gossner Evangelical Lutheran Church  
Ranchi, Bihar

My dear friend Lakra,

Seeing your name on a letter today gave me joy. I am glad to know that the student whose thesis you and I graded jointly is continuing his research at Leonard Theological College under Dr. Presler. In my judgment that should be a great experience for him and probably Dr. Presler will strongly urge that he pay particular attention to improving his work in the directions in which you and I pointed out his weaknesses.

It is most kind of you to refer to benefits supposed to have been derived by your church from my visits in years long passed. I have always believed that your church has wonderful possibilities for influencing all India for good. The expansion to which you refer in your letter is but the beginning. Much greater victories will be won in the coming years.

We meet some of your people rather frequently. Only yesterday I met a Mr. Tokno or Lokno, I am not quite clear about the name, at Muradnagar, a Government armaments factory in the Meerut District where I preached in the morning. Today I have had a letter from Jamedar Clerk Kachchhap whom I met at Patiala last Thursday. He was asking me to help him get two children into one of our boarding schools. In one of our schools we have had as a very effective and much esteemed teacher a Miss Tudu, though I am not sure whether she is from your church in Chhota Nagpur or from one of the Christian groups of Santal.

I am happy to know that the Government of Orissa has granted you 22½ acres of land for starting a hospital and a school. Your story of having 12 high schools now as against one after 100 years of German missionary work is indeed a thrilling story and I am delighted to know that the whole Bible has been translated into Uraon and is being translated into the Kharia language.

p.t.o.

THE METHODIST CHURCH IN SOUTHERN AFRICA  
DELHI EPISCOPAL AREA  
SINGAPORE

You will rejoice that we are having unprecedented numbers of conversions among educated Hindus. On Thursday last I baptized a Rajput and his son, the latter a college student, and was asked for baptism by a Sikh M.A. who is shortly proceeding to America for further study, by a Moslem Government official who assures me that 100,000 Moslems in northern India want to be Christians and by a Sikh political leader who wants to be received into the church and says he will give us 10,000 signatures a month for the next three years from people of his community who will wish to become Christians. Of course I do not accept boasts like that as meaning a great deal. Yesterday I baptized a Brahmin and his wife and daughter in the industrial community of Modinagar. A young Sikh family of four trained there and awaiting baptism was transferred to Bombay and baptized there this month. Another Hindu family has been transferred to Delhi and will likely be baptized here in a few weeks. A Sikh, B.A., B.T., was baptized here last Sunday and the pastor has 34 enquirers among educated Hindus under instruction now. Yet the enemies of Christ and His Church were never more active than they now are.

With best wishes, I remain,

Yours sincerely,

*J. Waskom Pickett*

J. Waskom Pickett

JWP/cg

Rev. J. Lakas.  
Lutheran Church  
Ranchi

35

Mission Road  
Cuttack. 1  
5<sup>th</sup> March '53

Dear Mr. Lakas,

I was very happy to know from your letter that you are coming as one of the delegates to the U.C.C. Meeting. Taking this opportunity I am writing this to request you to conduct a public meeting on the evening of 28<sup>th</sup> March in the local Church. The congregation will consist of the U.C.C. delegates and the local congregation. Your speech or address will be translated for the benefit of the Oriya speaking people. I do hope this will suit you and you will give a message that will uplift the individual as well as the Churches in Orissa.

Kindly drop me a line or two stating if this will



Will suit you.

After hearing from you  
definitely I shall  
prepare the full programme

With Christian greetings

Yours Sincerely

J. K. Mohanty

पोस्ट कार्ड

केवली पत्र



नाम Rev. J. Lakra M.A., B.D.,

पता Lutheran Church Compound

डाकखाना P.O. Ranchi

जिला Bist Bihar

35  
To - Mr. Immanuel Oril Nag  
Tatanagar. 5. 7. 13.

To Rev. J. Laksh. Ranchi.

My dear Sir,

From Cuttack I have written you a letter. Perhaps you have received it. The things written there are correct to some extent - but now I have known the real thing behind the trouble. The minister who took me there took a great interest upon me and he went to the office to know the troubles clearly. The minister then advised me to clear out the matters and helped me also with some expenses.

I left Cuttack to meet you. Due to some necessity - I got down here at Tatanagar. From here I will leave for home Raigarh and from Raigarh I have decided to come to you within a week. If you

have not written to any authorities  
concerned regarding me, please  
wait to understand the real things  
behind. Due to shortage of money  
I am going home.

With best wishes.

Yours sincerely  
H. H. H. H. H.  
— s/l.

352  
No. 1468/1061/53 Dated 17/10/53.

To The Rev. J. J. P. Tigga ✓  
President GEL Church  
Rancho Bihar.

From.

Shemron  
GEL Church Purnapani  
Bihar.

Reg. Collection Sign of Christian people  
in connection for the Church - Rancho

Respected Sir,

According to the O J C No 110  
there is very good points and Art 26, and  
H.C(P) Ltd G M's letter, we have strong  
hopes to be success in the case.

So kindly don't make any  
weak points in connection to GEL Church  
Purnapani.

For this reason we stopped  
to take the signature freely. Now you  
have only two main works to do some thing  
① that you have to pay the Advocate  
fees urgently.

② Try to do the fencing immediately  
pto

The Grave of Purnapani a/c  
the religious rites as it is passed  
more than four years.

If ~~we~~ success in this case  
then it shows the <sup>book</sup> Purnapani of Adibasi  
and it will be the usefull to  
93 villagers in Notified area.  
and we will get as many ~~that~~  
Churches in several sectors  
as we want. Excuse me

Thanking You

Yours faithfully

S. Hemram

17/11/58.

C/

To Rev - Aind

GEL Church Rajgangpur

for necessary action.



To

35

Birmitrapur  
8-2-60

The president G. E. L. Church Ranchi.  
Sir,

I request you to let me know that may I get town allowance or not as I know the other pastors who are in such a area, get this thing. I think that automatically I have a right to have it. But I myself and secretly do not want to do so, but every thing should be done openly, frankly and with justice in the church.

I therefore, with request asking you for permission of receiving the town allowance.

I have already got the C.C. resolution and

I have a wish to try my  
best to stop the wrong  
partha movement if all  
the elected members  
help me for the same.

Rest is O.K. and hope  
you all to be the same.

Sincerely yours

Rev. R. Singh

35  
पोस्ट कार्ड  
POST CARD

केवल पता  
ADDRESS ONLY



The President of the Church

Ranch

P.O. Ranchi

Ranchi St.

Bihar.



and address

New stamp of  
office of posting

On Postal Service



Rev. J. J. P. Lige, President,  
G. E. L. Church, Ranchi,  
Bihar



R. P. 54

Acknowledgement

35

(To be returned to office of posting for delivery to sender.)

RECEIVED a registered

No. —

addressed to (name)

Shri R. P. Singh Mes.  
By Collector, In charge, English office Sundargarh,  
Orissa

† Insured for Rs. —

† Weighing (in words) —

toles  
rates

Signature of addressee

Date of delivery

17/12/

1956

\* Write here "letter," "post-card," "packet," or "parcel" as the case may be preceded by the word "insured" if the article is insured.

† To be filled up only in the case of insured articles and to be scored out in the case of other articles.

Dashbandhu—PC/318/58 CMB-28.12.53. (4317/OP-318 P & T—15.7.54—400,000,000

No. G.E.L/49/59

35

Dated the 16<sup>th</sup> Sept. 59

From:- C. H. M. Haro  
Secretary  
G. E. L. Church  
Birmitrapur.

To Rev. J. J. P. Tigga  
President G. E. L. Church  
Chotanagpur & Assam.



Dear Sir, I understand that you reached Ranchi safely and could go for your new Programme. May I request you to reply me in this connection. We all are well here hoping you to be not otherwise.

P. T. D.



Yishusahay.

Yours faithfully

G. B. Rai  
16/9  
Secretary

पोस्ट कार्ड  
18.9.57  
8 30 AM  
केवल पता  
RANCHI



Rev. J. J. P. Tigga  
President G. E. L. Church  
Chotanagpur & Assam.

At & P. O. **RANCHI**

S. E. R.



ILSE MARTIN  
G. E. L. CHURCH HOSPITAL  
AMBAON P. O., BARKOT  
VIA DEOGARH DT. SAMBALPUR  
ORISSA, INDIA.

19.12.58

Dear Mr. Tigar!

I am so sorry I didn't manage to write to you earlier and thank you for all your help when I was in Ranchi last.

With the departure of Dr. Birchoff already on 6.10. I was quite alone again with all the work and just couldn't get down to writing.

I hope, you can forgive me! Today I want to wish you and your family a very blessed Christmas and a peaceful New Year. May God be your guide in all matters concerning the Church.

"Jishu Sahay"!  
Yours sincerely  
The Martin

*Onssa* 35  
DISTRICT OFFICE: SUNDARGARH.

No. 10685 ~~Gen~~ *Gen*.

Dated Sundargarh, the *8th* October, 1958.

From

Sri D. N. Mohanty, M. Sc., O. A. S.,  
Deputy Collector In-charge,  
English Office, Sundargarh.

To

The President G. E. L. Church,  
Chotanagpur & Assam,  
P. O. Ranchi, Bihar.

Sub :- Grant of marriage License.

Ref :- This office letter No. 5580,  
dated 3-6-58, memo No. 7185,  
dated 18-7-58 & 7965, dated  
9-8-58.

Sir,

The information called for in the letter  
cited above may kindly be furnished to this office at  
an early date.

Top priority should be given in this matter.

Yours faithfully,

*D. N. Mohanty*

Deputy Collector In-charge,  
Sundargarh. *87X*

*38*  
Mohanty/8-10.

# अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रहिये



Rev. J. T i g a , President

G.E.L.Church Compound

R a n c h i / Bihar

← तीसरा मोड़ →

भेजने वाले का नाम और पता :-

**Jise Martin**

Ambgaon P.O. Barkot

via Deogarh Dist. Sambalpur

Orissa - India

12-11-54

830AM

RAIPUR

← पत्रों को इस ओर बाँधिये →

Ambgaon, 8.11.59

Mr. J. T i g a , President  
of G.E.L.Church  
R a n c h i / Bihar

35

Dear Mr. Tiga,

Just a few lines to let you know that the planned visit of the Governor of Orissa to our Area and our Hospital has been cancelled.

I am sorry I didn't meet you when I was in Ranchi.

Mr. Horo, Secretary, mentioned that you might be coming to Ambgaon on the 26.11.59 the proposed date of the visit, to see the Governor too, therefore I like to inform you in time that he changed his mind.

I wrote to Rev. Kloss, thinking, that you might not be in Ranchi, that the Government - Home office - wants to know whether we have applied for setting up a training school for which we want the two nurses from Germany. As that has not been done i.e. and we are not even registered as a Hospital yet, I suggested to write a letter to them mentioning that the training school is planned but would not be started before two years or so, as the Doctor and the nurses, coming for it, have to learn the language first. As the Hospital appears to them now, we shall never get the permission to set up a Training school. Their requirements and standards for such a school are very high nowadays.

I hope everything turns out alright.

I wish you Gods blessing in all your work and remain with

"Jishu Sahay"

Yours *The Minister*

DISTRICT OFFICE: SUNDARGARH.

No. \_\_\_\_\_/Genl.

Dated Sundargarh, the

Sept., 1959.

From

Shri K.M. Pattnaik, O.A.S.,  
Addl. District Magistrate,  
Sundargarh.

To

Under Secretary,  
Board of Revenue,  
Cuttack.

Sub:

Grant of marriage licence.

Ref:

Your letter No. 1219/Regn. dated  
12-9-59.

Sir,

I am to say that Rev. Christochit Minj  
who is still serving in Sundargarh District is  
at Ratobirkera.

Revd. Eliayar Kiro who was transferred  
from Sundargarh district is being asked to surrender  
his license through the G.E.L. Church to this  
office for revocation by Government.

Yours faithfully,

Sd/-

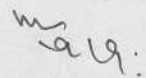
Addl. District Magistrate,  
Sundargarh.

J.P. 19.9.

D.P. on 18.9.

Memo No. 12251/Genl dated, the 23rd Sept., 1959.

Copy forwarded to president G.E.L. Church,  
Ranchi, P.O. Ranchi. He is requested to direct  
Revd. Eliayar Kiro who was granted marriage license  
for Sundargarh district to surrender his license  
to this office immediately.


Addl. District Magistrate,  
Sundargarh.




# अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न लिखिये



To  
 The President,  
 The Head Quarter Congregation  
 G.E.L. Church Compd Ranchi,  
 P.O. Ranchi,  
 Dist. Jharkhand.  
 Jharkhand.

भेजने वाले का नाम और पता :-  
 Sri. Amus And, Catechist,  
 G.E.L. Church Hospital Angara,  
 P.O. Barkot, Nid Deogard,  
 Dist. Sambalpur  
 (Jharkhand)  
 21.10.58



35 G. E. L. Ch. Compound Singpur  
18-10-59.

2/0

The President H. D. Quas. Congregation  
G. E. L. Church Compound Ranchi.

रांची हेड क्वार्टर के माननीय मंडली पंचों की  
आभगांव मंडली पंचों की ओर से योशुसहाय ।

ता. ६-८-५८ की आभगांव के मंडली पंच  
आभगांव (कुम्भारगड़िया) की एक युवति एलानी  
कन्डुलना को जांच करने पर वह गर्भवती  
पायी गयी और उसके कहने से उस समय

वः मास का बतलायी । हम लोग कुतुब  
सभा में प्रमाणित होगा कि वह सच में  
किसका है कहने चुप थी पर अब तक  
कुटुम्बी की बैठकी नहीं हुई है । क्योंकि  
लड़की अपने को ईश्वर और मंडली के  
सामने अपराधी मान लेने के कारण  
मंडली पंचों की शिफारिश पर Rev. H.  
Samad ने ता. 20-८-५८ को उसकी  
छोटी सजा कायम कर उसी दिन कुलपाल  
गिर्ज में उसकी छोटी सजा पुनार कर

दिये और बाद उनकी अनुमति से  
आभगांव में ता. २६-८-५८ को  
पुनार हुआ है ।

एलानी कन्डुलना मंडली पंचों के  
सामने काएडोदात या बूब के रकटा को  
दोषीदार बतलाती है । इसलिये,  
हमारी आशा है, कि आप लोग  
काएडोदात बाबू को दरया फट कर  
उसकी पुष्टिये कि एलानी कन्डुलना  
को बात कहते तब सच ठहरती है ।  
यदि वह अपने को दोषीदार बतावे  
तो आप लोग मंडली दंड व्यवस्था  
अनुसार उसपर छोटी सजा कायम  
कर दीजिये और यदि वह अपने  
को निर्दोषी बनावे तो हम पंचगण  
को आशीर्वाद है कि आप लोग कृपाया

सुसमय पर उसके विवेक अनुसार  
उसके अपराधी या निर्दोषता का  
खबर जानती के लिये हम लोगों को  
दे । इसके कारण आप लोगों का  
धन्यवाद ।

आमगांव मंडली पंचों की सही:-

१. हविलती की आमगांव ।

२. रेजुव लकड़ा आमगांव

३ - ठेक सूही प्रसिद्ध प्रकाश

मिज, आमगांव  
(मु. कारगडिया)

ता. १२-१०-५६ ई.

४. X. Ming R.N.R.C.

५. Matias Tapas  
Secretary

F. & F. Church Ambgaon

६. Amur Dugal 18/10/59

Acting President  
F. & F. Church Ambgaon - 18-10-59.

मे. अपणा दोस्त  
स्व. का. म. ल. जि.  
F. & F. Church  
18-10-59.

Notice 35

Urgently

आमगांव में कुटुम्ब समाजी बैठकी ता. ११-११-५८ ई. का Item  
No. 5 का मन्तव्य अनुसार:

इसके द्वारा Comd. Yakub Khatkhata, लुधेरान कम्पौण्डरांची  
को यह नोटिस दिया जाता है कि <sup>आप</sup> ~~अपने~~ यथाशीघ्र १ला दिसम्बर  
१८५८ ई. के पहले आप वृत्ताया आमगांव में हाजिर हईये क्योंकि  
सलानी कण्डुलना का इजहार है, जो लड़की (बच्ची) उससे ता 26 वां  
शेक्टोबर '५८ को उत्पन्न हुई है उसका कारना, वह आपको बताती  
है, और कुटुम्ब पंच भी आपके ऊपर सन्देह करती है। सो आज्ञा है  
कि आप इस नोटिस को पाते ही कौरन आमगांव आके कुटुम्ब  
पंचों के सामने सलानी कण्डुलना की उपस्थिति में इस बात को साफ  
कर दीजिये।

आपका विश्वस्त,

Eate. Amun Aind

Acting Secretary.

(Through Rev. J. G. P. Jiga,  
President,

Lat. Autonomous Church Ranchi 12th Nov. 1958.

to Comd. Y. Khatkhata Ranchi)



८

The President  
G. E. L. Church  
Ranchi  
Ranchi  
Bihar

50/59.

35

Kajimath.  
14-9-59.

20

The President  
G. E. L. Church, Ranchi.

महोदय,

आप को इजाजत पत्रों ता. 30.7.59 और  
No. 1220/59 से अनुसार पुराना पत्नी मण्डली के माहों  
ते आपने नया गिरजा घर के लिये भरीमही मिशन  
गंगल से सात घरों के लिये और दो पट्टी के लिये  
साल गाढ़ काट लिया है। इससे जानती आप को  
देता हूँ।

आप को विवरण  
Rev. N. K. Ullas

Urgently

G. E. L. Church Angam  
12-11-1959

70

The Rev. J. J. P. Tige, President,  
G. E. L. Church, Ranchi.

महामान्यवर प्रेसिडेंट साहेब को यशु सहाय !

आभगांव में कुटुम्ब समाजी बैठकी ता. ११-११-५८ ई. का रिजल्ट-५  
कुटुम्ब पंचों का काराडीदात याकूब केरकेरा के बारे में मतब्य ।

" उपस्थित कुटुम्ब लोगोंने एलानी कन्डुलना को इजहार किया । उसका  
इजहार अनुसार याकूब काराडीदात कसूरवार ठहरता है । इसलिये कुटुम्ब  
पंचों को उनके ऊपर पूरा सन्देह है सो उन्होंने यह संकल्प किया : कि  
याकूब केरकेरा को आज तारीख से १ला दिसम्बर (१८५८) तक, जहाँ  
तक हो सके बहुत जल्दी आभगांव आने का नोटिस दिया जाय जिससे  
उसके बारे की सब बात सफाई हो जावे । फिर उसको जनाया जाय कि एलानी  
कन्डुलना से ता. २६वीं अक्टोबर (१८५८) को एक लड़की पैदा हो गई  
है जो उसके बताये अनुसार काराडीदात बाबुका है । "

कुटुम्ब पंचों की सही :—

- |                           |                            |
|---------------------------|----------------------------|
| (१) Sd मतियस तोपनी        | (१२) ठेग सही दाउर मिज      |
| (२) " सनातन तिकी          | (१३) " " अमृत लकड़ा        |
| (३) " लूथर मिज            | (१४) " " योहन मिज          |
| (४) " वेल्थेम तिकी        | (१५) " " मसीह प्रकाश मिज   |
| (५) " प्रभुदयाल मिज       | (१६) " " लुकेस लकड़ा       |
| (६) " हबिल तिकी           | (१७) " " सुदर्शन मिज       |
| (७) " निरोज कुंजर         | (१८) " " पतरस खलखो         |
| (८) " अलाविनुस लकड़ा      | (१९) " " फनसल मिज          |
| (९) " मनसिद बुद्ध         |                            |
| (१०) ठेग सही दिलवर तिग्गा |                            |
| (११) " " शिमान खारवा      |                            |
| (Sd) अमरुस आइन्द          | (Sd) मूर्कस तिकी, सभापति । |
| सेक्रेटरी                 | ता. ११-११-५८ ई.            |
| ता. ११-११-५८ ई.           | ता. ११-११-५८ ई.            |

उपरोक्त संकल्प अनुसार प्रेमान प्रेसिडेंट साहेब से हमारी अर्ज है कि  
यथाशीघ्र Com. Yakub Kerketta को अपने ऊपर की बातों का सफाई  
के लिये अपने काम से छुटी देकर आभगांव भेजने की कृपा करें ।

आपका विश्वस्त,

Amey and  
Acting Secretary 11-11-59.



Camp Jharanguda  
The 15<sup>th</sup> Nov. 1959

Rev. J. Surin  
L. E. Church  
Jharanguda

Dear Rev Surin,

In reply to the application of the Jharanguda brethren for money to construct a Church building I have to say that the same will be placed before the Bishop's Board for consideration & order. In the mean time I would urge that you should send an estimate for the construction and a proposal as to where and how you want to build the Church. Please show also how the entire fund for this purpose is expected to be raised. I shall recommend that you get at least Rs 2,500/- from the Bishop's Bd.

Yours sincerely  
J. B. Jha  
President

ON INDIA GOVERNMENT SERVICE  
NATIONAL ECONOMY SLIP

Sch. III—F. 151.  
GCP (Form) 179&649—78, 153—23.8.1958—43

ଏହି ଚିଠାରେ ଅଫିସରଙ୍କ ଲିଖାୟା ବା  
ଅନ୍ୟାନ୍ୟ କିଛି ଲିଖାୟା ଖୋଲିଲେ ତହିଁରେ ଆଉ କି  
କିଛି ଲିଖାୟା ଲିଖାୟା ଖୁଲାଇବା କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ ନୁହେଁ  
12251.



To the president  
G. E. L. Church.  
Ranchi

Despatcher.  
District Office,  
Sundargarh.

E E 3

ON INDIA GOVERNMENT SERVICE

LYNUS—3 MF/Sty.



Ref.No. 1500-1519/59.

G.E.L.Church Compound,  
Ranchi.

The 23rd Sept.1959.

ORDINATION EXAMINATION  
SATURDAY THE 26TH SEPT.1959.

Place: Christ Church  
Ranchi.

Time: At 8 A.M.

|                           |                      |
|---------------------------|----------------------|
| Old Testament.....        | Rev. J. A. Kujur.    |
| New Testament.....        | Rev. Prof. S. Surin. |
| Theology (Dogmatics)..... | President.           |
| Greek.....                | Rev. H. Kloss.       |
| Pastorology.....          | Rev. Santosh Surin.  |
| Church History.....       | Rev. Anus Bara.      |
| Comperative Religion..... | Rev. Dr. M. Bage.    |

Dear friends,

Please see the list above and get ready for the same. The Text for Examination has not been assigned. Therefore you are all requested to put general questions for Examination. If you decide any special subject or lessons and you want to inform the candidates, you can do so latest by the evening of the 24th inst. through the undersigned.

Candidates for ordination:

1. Cand. Asian Kandulna.
2. " Martin Tete.
3. " Silas Kujur.
4. " Prabhucharan Minz.
5. " Theodore Dungdung.

No. 1520-1524/59.

Copy to all the candidates  
for information.

  
Secretary,  
Ministerium, Camp Ranchi.  
C/O The President,  
G.E.L. Church, Ranchi.

from. yuasangh  
At. po. Criticiser  
Ratoliwara  
via. Pampora  
Dt. 5. 11. 79

35 राधे बिरकर

ता. 90-92-25

मान्यवर प्रेसिडेंट (J. J. P. Tigga)

G. G. R. Church

Ranahi

9 मैं खूब नास्तिक हूँ। मेरे कामि कामि नास्तिक  
ही जाता हूँ। अर्थात् मेरा काम असुखको सुख  
प्रसार करना। आप जिसकी पाप कहते हैं, मैं  
उसको पुरुष प्रमान करता हूँ। और जैसा डक्टर  
मरटिन लुथर ने आपने कॅथोलिसम में लिखे हैं  
कि "हमारे पुराने आदम जो हम में है" उसको मैं  
निर्मूल करने को नया बनाने वाला हूँ। मैं ज्यादा  
पढ़े लिखे आदमी नहीं हूँ। मेरा आदर उसका  
प्रसार है।

आप जी. डी. एल चर्च का प्रेसिडेंट हैं।  
लेकिन आप मिसन के अन्दर थाने सारा कलिया  
में प्रेमपूर्ण समाचारों को फैलाने का कल्पना नहीं  
रखते हैं। जब तक लुथेरन मिसन को अंधा  
बना के रखे हैं। North जोन का प्रेसिडेंट ने  
आपने Central के अन्दर खूब पत्र प्रकाशन कर  
के सारा समाचार आपने और अन्दर में फैलाने  
का प्रबन्ध करके खूब पत्र से सारा North  
जोनों सब खबर बात कर लेता है। आप के  
Central में लेकिन कोई प्रकार का खबर फैलता  
नहीं कि इच्छा करने वाला खबर दे नहीं  
सकता है। जिससे सारा जनता मुँह बने गये हैं।  
लेकिन आपने घर में सा प्रबन्ध करना बंद  
फनो दूसरा घर के लोगों से चतुर को उंच  
रहे।



69  
पोस्ट कार्ड

15-12-11  
11 30AM  
जवाबी  
केवल पता

No.

J. J. P. Tigga President

G. L. Church  
Mission Compound

P. O. RANCHI

St. Ranchi

होना है। जिसको हम जानते हैं कि वह एक सफल विचारों  
के लिए है। जिससे आपका पता निचे उपर है। इसको  
सर्वप्रकार से जोड़ें। दूर करने नहीं करते। नाम  
करने वाला नाम करते रहे। जो जानने वाला  
होना है। मैं हूँ। लोकमन से एक केवल से यह बात  
तारफरसि है। जिससे प्रेसिडेंट जी आपका  
Under Consideration के अन्दर रहे। न हीना रहे।  
मुद्रापत्र रहने पर होगा है होता रहे। जो 'इससे'  
यों किसी एक साप्ताहिक पत्र का प्रकाशन शुरू  
कर दिया है। नाम दोनों तरफ ही जा रहा।  
यदि वह एक के नाम नहीं चलेंगे। मैं प्रत्येक के लिए  
जो दो दिनों का अपना नाम का लेना और मत देते और  
दोनों ओर से उपाय। सामान्यतः नाम दिया जा रहा।  
सब जनता को बोलने का एक दिया जा रहा है।  
सब में ही एक



35

3rd Bihar Regt.

Date 11 Nov. 56

महामान्यवर पाकी साहब

चीबुसहाम।

निवेदन यह है कि सुबेदार Anand

Masih Tabno Will Karimati

P.O. Lachraganah Dist. Ramchi.

जो कि 12 वर्ष से सरकार की सेवा में  
 रहे वे अभी तक 3rd Bn. the Bihar  
 Regt में नौकरी करते रहे। इसपर  
 पिता की खुशी हुई कि वह इनको अपने  
 पास बुला लिया। वे नागा हिल के  
 मन्दिर में पूरी वृद्धता से काम लिये  
 और उनका नाम बहुत ही सहाया  
 गया है। आज के वीर हमारे सच  
 से पूछा हो गया। निवेदन है कि  
 आप इसके आत्मा की शांति के लिए  
 अपने मंडली में प्रार्थना कीजिये  
 और उनका नाम अपने घर के में  
 भी करने का आग्रह कीजियेगा।

RTO

उनकी मुल्य 6 मय 58 सुबह 4 बजे  
हुई। इसके अतिरिक्त आप से निवेदन  
है कि हमारे बुधवार कलीशा केलिये  
भी जो कि इकार अभी मौजूद है  
अभी तक आपने काम पर डे है। उनके  
लिए भी अभी अभी मंडली में प्राप्ति  
की जाए।

आप का विश्वास

Mrs A.M. Topno

C/o Royan Barla

3rd Bikan

DISTRICT OFFICE TUNDARGARH.

No. 14310. /Gen.

Dated Tundargarh, the 14<sup>th</sup> Nov. '59.

From

Shri K.M. Pattnaik, O.A.S.,  
Addl. District Magistrate,  
Tundargarh.

To

The President G.E.L. Church Ranchi,  
P.O. Ranchi, Dist. Ranchi.

Sub:-

Grant of marriage license.

Ref:-

This office memo No. 12251  
dated 23.9.59.

Sir,

I am to invite your attention to this  
office letter mentioned above and to request that  
action taken thereon may please be intimated to  
this office.

Yours faithfully,

*Shri K.M. Pattnaik*

*6/10/11*  
Minj 13/11.  
D.P. on 12/11.

Addl. District Magistrate,  
Tundargarh.

Russia

LUTHERAN THEOLOGICAL COLLEGE  
RANCHI

PRINCIPAL:

REV. J.J.P. TIGA M.A. | B.D. | M.S.T.

35

Ref: .....

dated 13-11 1954

Dear "ev. Khalkho,

Thank you for your Post card of the 11th. inst. I am afraid you have read my letters with a prejudiced mind and hence you have not understood them. Please do not begin unnecessary quarrels.

With all good wishes.

Yours sincerely,

J.J.P. TIGA

*J.J.P. TIGA*  
13/11

35

Orissa

Rev. J. J. P. Tigga  
G. L. L. Church  
Ranchi

Sir,

I hasten to bring to your kind notice the following fact for necessary action, at an early date.

Govt. of Orissa has taken up the management of the Jharsuguda High School from 1st. July, 1958. The School-Committee is dissolved. moreover, the school will shift to its new building very soon i.e. after H Puja vacation.

Govt. of Orissa will be responsible for payment of rent from 1st. July, 1958. But for the rent of previous months the Committee is responsible. But it is now dissolved.

So demand notice or pleader notice may kindly be atonce issued to the Secretary Dr. C.V. Lankey, M Jharsuguda High School for the clearance. of arrear-rent upto July, 1958. It is not paid, then the only way is to file suit in the Court, in the name of Secretary.

I hope the Committee has no money. So prompt action may kindly be taken, as I am a member of Gosner Evensical Lutheran Church.

Thanking you.



Yours faithfully,

From C. S. K. Etker  
Ranchi Road  
PO Jharsuguda  
Dist. Sambalpur

Copy to Rev. J. Lakshmi (Ranchi) Rev. L. Khalkha  
Ranchi, Mrs. P. D. Kandulna (Jharsuguda)



Village + P.O. Kardaga,  
Birmittapur Parish  
Date 7.10.1956.

श्रीमान

President G.E.L. Church Ranchi को

हम वडिंग मंडली, Birmittapur Parish के पंच, प्रचीन और  
प्रचारक के भोग से भग्न प्रेमसहाय ।

आगे हम आप के सवाल का जबाब दे रहे हैं ।

(1) हम हमारे पंच कोसिल के अधिन काम करना चाहते हैं।

(2) हम हमारे असंख्य महासभा के अधिन रहना चाहते हैं।

आप के सेवक ।

प्रचारक + प्रचीन 7/10/56.

Parish Panch, Patas Kopno  
Kardaga.

"

"

मानन्द ससीह डांग करेगा ।

CAND. CH. H. TUTI

35

RANGAMATIA

5-10-56

VILL. RANGAMATIA

P. O. BARIPADA

DIST MAYURBHANZ ORISSA.

Dear sir,

कल मैं आप के नाम पर एक चिट्ठी लिख कर  
दूसरों के हाथ पोस्ट ऑफिस में डालने के लिये भेजा  
था। परन्तु डालने वाला रास्ता में कहीं गिरा दिया। आज  
मैं फिर से लिख कर भेज रहा हूँ। चिट्ठी लिखने का  
अभिप्राय यह है कि मेरा पद अभिषेक के विषय में  
Rev. H. Borutta से पूछा था। उन्होंने मुझे बताया  
कि इसी महीने के २८ ता० को होगा। उन्होंने मुझे यह  
भी कहा कि आप प्रेसिडेंट से पत्र द्वारा पूछ लीजिये  
जिसमें कोई बात छिपी हुई न रहे। समय पर  
तालफ और खर्चा यदि तैयार हो जाय। मेरा आप  
से विशेष अनुरोध है कि आप के द्वारा इस के विषय मुझ  
को बहुत जल्द समाचार मिले। इसके विषय में एक बात  
आप से कहना चाहता हूँ कि यदि बन पड़े तो आप  
मेरा Ordination Ranchi में ठहरा लिये। गाँव में सब  
से छोटा मेरा एक भाई है। मेरे पूरे परिवार की इच्छा यह

है कि मेरा Ordination रॉन्ची में हो तो उसी समय उसका  
व्यतिरिक्त हो जाय। दूसरी बात यह कि मेरा परिवार  
मेरा Ordination देखने चाहती है। अन्त में मेरा कहना है  
कि आप जहाँ ठहराये गे, उचित समय में जा कर मैं  
Ordination लेने के लिये तैयार हूँ। मैं आप की  
चिन्ता की आशा <sup>में</sup> रहूँगा। आप को मेरा धार प्रीतिपूर्ण

आप का आशाकारी चेलो  
Cand. Ch. H. Tuti

35  
*Onasa Singh*  
Shri Ranendra Pratap Singh Deo, B.L.,  
Deputy Collector, -in-charge,  
English Office, Sundargarh

SUNDARGARH  
The 12<sup>th</sup> April, 57.

D.O. No. 3573.

Dear Revd. *Tigga,*

Please refer to this office letter  
No. 2011 dated 22.2.1957 in connection with grant of  
marriage license to Revd. C.B. Aind, Jumas Surin and  
Stephen Dung dung. For want of the particulars called for  
in this office letter referred to above, there is much  
delay in issue of licenses. I would, therefore, request you  
to kindly furnish the information as early as possible  
so that Government may be moved to take early action in the  
matter.

Yours *Vmuly*

*12/4/57*  
( R.P. Singh Deo. )

Shri Revd. J.J.P. Tigga, M.A.B.D.,  
President, G.E.L. Church  
P.O. & Ranchi. Ranchi..

DISTRICT OFFICE SUNDARGARH

NO. 12641 / 20.11.56.

From

Shri R.P. Singh Deo, B.A.B.L.,  
Deputy Collector, Incharge  
English Office, Sundargarh.

To

The President,  
G.E.L. Church in  
Chotanagpur & Assam.  
P.O. Ranchi,  
Dist. Ranchi.

Sub:- Suspension of Minister.

Ref:- Your letter No. 4093 dated 15.9.56

Sir,

In your above letter it has been intimated that consequent on the suspension of Zakariah Khalkho of Rajgangpur and Sharan Puri of Ghoghar from their works, Revd. C.B. Aind and Revd. Stephan Dungdung have been posted to those places as substitutes. On receipt of suspension orders of the former ~~xxx~~ two persons Government has been intimated to cancel their licenses of marriages. Now another letter from a person designated as president North Zone G.E.L. church with a copy of the scheme of administration of the G.E.L. church has been received in this office. It has been stated therein that Revd. Z. Khalkho of Rajgangpur continues to be the minister of G.E.L. churches of North Zone in Orissa and he still continues to be the registrar of Birth, marriages and deaths of Orissa.

In view of the circumstances stated above there is confusion as to who are the actual administrators of this G.E.L. church. It would be appreciated if a detailed ~~xxx~~ information of your church administration be furnished to this office, for information of the District Magistrate. A copy of letter No. 51/56 dated 29.9.56 from President North Zone, G.E.L. Church, mentioned above is enclosed for your reference.

An early reply is requested.

Yours faithfully,

*Chakraborty*  
By Collector Incharge  
English Office, Sundargarh.



President  
Copy of letter No. 51/56 from the Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam, North Zone to the Dy. Commissioner Sundargarh Orissa.

--

With reference to Rev. J.J.P.Tiga's letter No. 4093/56 dated 15th Sept. 1956, addressed to you a copy of which was forwarded to Rev. Z.Khalkho of Rajgangpur, I have the honour to let you know that the Council of the North Zone of the G.E. L.Church continues the religious services of Rev. Z.Khalkho of Rajgangpur as Minister of religion of the North Zone of the G.E.L. Church in Orissa. Consequently, he still continues to be the Registrar of Birth, Marriages and Deaths of Orissa for which he already holds the License.

Rev. Sharan Purty of Ghoghor has been transferred to Rarchi District.

----



DISTRICT OFFICE, SUNDARGARH.

NO. VI-A-2/53-

From

Sri S.K. Bagchi, B.L.,  
Dy. Collector in Charge,  
English Office, Sundargarh.

To

Rev. Sharan Purty,  
Rajgangpur, P.O. Rajgangpur.

Dated Sundargarh, the October '53.

Sub: Grant of license under sec: 6 and 9 of the Indian  
Christian marriage Act 1872.

Sir,

A copy of the license granted by the Governor of  
Orissa u/s 6 and 9 of the India Christian Marriage Act  
1872, is forwarded herewith in original, the receipt of  
which may please be acknowledged.

Yours faithfully,  
sd/-S.K. Bagchi.  
28.9.53.

Dy. Collector in charge,  
English Office, Sundargarh.

Memo No 9679.

Dated Sundargarh, the 2nd Oct, 1953.

Copy forwarded to Secretary, G. E. L. Church, Ranchi,  
for information with reference to his letter No. 1227/53  
dt. 25.9.53.

sd/-S.K. Bagchi.  
Dy. Collector in charge  
English Office, Sundargarh.

-----  
Certified to be true copy.

*[Signature]*  
Secretary,  
G. E. L. Church, Ranchi.

o/e

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

Ref. No. 1208/57

G.E.L.Church Compound,  
Ranchi.

The 16th May, 1957.

From  
Rev.J.J.P.Tiga,M.A.,B.D.,S.T.M.

To,  
Shri Ranendra Pratap Singh Deo,B.L.,  
Deputy Collector,-in-charge,  
English Office, Sundargarh.

Dear Sir,

With reference to your D.O.No.3573 dated the  
12th April,1957, I have the pleasure of sending the following  
available documents for your perusal and the needful:-

- (1) Copy of letter from Sri S.A.Bagchi B.L.,Dy.Collector in  
Charge,English Office,Sundargarh,No.VI-A-2/53 dated  
Sundargarh, the October'53.
- (2) Copy of letter from Secretary G.E.L.Church dated 24.10.1949.

I shall be very thankful to you if you will be kind enough  
to expedite granting of licenses prayed for in my letter No.4196/56  
dated 5-10-1956.

With due respect,

Yours faithfully,

*J. J. P. Tiga*  
President,  
G.E.L.Church, Ranchi.

*N. 1210/57*  
*Copy to Secretary,*  
*G. E. L. Church*  
*17/5*

True copy.

DISTRICT OFFICE, SUNDARGARH.

No. VI-A-2/53.

From

Sri. S. A. Bagchi, B.L.,  
Dy. Collector in Charge,  
English Office, Sundargarn.

To

Rev. Sharan Purty,  
Rajgangpur, P.O. Rajgangpur.

Dated Sundargarn, the October '53.

Subject:- Grant of license under sec: 6 and 9 of the Indian  
Christian marriage Act 1872.

Sir,

A copy of the license granted by the Governor of Orissa u/s  
6 and 9 of the India Christian Marriage Act 1872, is forwarded here-  
with in original, the receipt of which may please be acknowledged.

Yours faithfully,

Sd/- S.K. Bagchi.

28.9.53.

Dy. Collector in charge,  
English Office, Sundargarn.

Memo No. 9679.

Dated Sundargarn, the 2nd Oct. 1953.

Copy forwarded to Secretary, G. E. L. Church, Ranchi for information  
with reference to his letter No. 1227/53 dt. 25.9.53.

Sd/- S.K. Bagchi.

Dy. Collector in charge  
English Office, Sundargarn.

P.T.O.

DISTRICT OFFICE, SUNDARBAN.

TYPE COPY.

No. VI-A-2/53.

Certified to be true copy.

Sd/- N.E.Horo,

Secretary, 25/4.

G.E.L.Church, Ranchi.

Dated Sundarban, the 25th October '53.

Subject:- Grant of license under sec. 6 and 9 of the Indian Christian Marriage Act 1872.

A copy of the license granted by the Government of Orissa under 6 and 9 of the Indian Christian Marriage Act 1872, is forwarded herewith in original. The receipt of which may please be acknowledged.

Yours faithfully,  
Sd/- S.K.Begum.  
28.8.53.  
By Collector in charge,  
English Office, Sundarban.

Dated Sundarban, the 2nd Oct. 1953.  
Copy forwarded to Secretary, G.E.L.Church, Ranchi for information with reference to his letter no. 1227/53 dt. 25.8.53.  
Sd/- S.K.Begum.  
By Collector in charge,  
English Office, Sundarban.

P.T.O.



True copy.

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

No. 1476/49/F-12.

Ranchi, the 24th October, 1949.

To

The Registrar General of Birth & Deaths  
& Marriage, Orissa, Secretariat.  
Cuttack.

Sub:- Grant of license under section 6 and 9 of the India Christian marriage Act (Act XV of 1872) to seven ministers of Religion named below of the Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam for the territories under the administration of the Government of Orissa.

Sir,

I have the honour to report to you that there are ten ministers of Religion of the Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam shepherding about forty thousand Gossner Lutheran Christians within the Province of Orissa.

2. Therefore I have the honour to request to you to kindly arrange marriage License under section 6 and 9 of the Indian Christian Marriage Act (Act XV of 1872) for seven Ministers of Religion named below belonging to the Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam registered under Societies Registration Act, of 1860 section 21.

3. The seven licenses will be required for the whole of the territories under the administration of the Government of Orissa.

4. It is also respectfully requested that the said Ministers of Religion may also be appointed to function as Registrars of Births and Deaths under Act VI of 1886 within the Province of Orissa.

Yours faithfully,

Sd/- C.D. Sirka,  
Secretary,  
G.E.L. Church, Ranchi.

Names and addresses of seven Ministers of Religion:-

1. Rev. Zakariah Khalkho, stationed at Rajgangpur, P.O. Rajgangpur, District, Sundargarh at present holds license for Sundargarh district only.
2. Rev. Christ Biloken Ekka stationed at Rato Birkera, P.O. Panposh, District Sundargarh at present holds license for the district of Sundargarh only.
3. Rev. Suleman Bage stationed at Karimati, P.O. Bisra, District Sundargarh, at present holding license for Sundargarh district only.
4. Rev. Julius Surin stationed at Runga P.O. Barseon, District Sundargarh holds license for Sundargarh District only.
5. Rev. Christopal Kandulna stationed at Ghoghor, P.O. Birmitrapur, District Sundargarh, at present holds license for Sundargarh district only.
6. Rev. Christ Halan Kerketta, stationed at Loarom, P.O. Bisra, District Sundargarh, at present holds license for Sundargarh District only.
7. Rev. Prem Dan Silas Bage stationed at Jharsuguda, P.O. Jharsuguda, District Sambalpur at present holds no license.

-----  
Certified to be true copy.

Sd/- N.E. Horo, 25/4.

Secretary,  
G.E.L. Church, Ranchi.

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

To  
Sender's name }  
and address }

Rev. J. J. P. Tiga Resident  
G. E. Church,  
Ravelin





35  
R. P.-54

# Acknowledgment

(To be returned to office of posting for delivery to sender)

RECEIVED a registered

letter

No.

addressed to (name)

The Secretary Home Dept.

Couch of Omaha, P.O. Bureau, wa/omaha

†Insured for Rs.

Signature of addressee

Hawishu

Date of delivery

16/1

195

\*Write here "letter," "postcard," "packet," or "parcel," as the case may be, preceded by the word "insured" if the article is insured.

†To be filled up only in the case of insured articles, and to be scored out in the case of other articles.

8.6.59

Doney (Kaidega Maundli)  
Prorubapur

1. Elias Bage — Doneya + Leader — Excom.
2. Yusaph Bage (former chairman) — Excom.
3. Christham Badui
4. Babulnabey Badui
5. Maumant Badui
6. Jaymant Badui
7. Rawal Badui
8. Cyril " —
9. Patras Kaundulua
10. Ymas Dang
11. Nicodim "
12. Marku " —
13. Mauidh Topuo <sup>village</sup> Tersa — Leader
14. Patras Kaundulua "
15. Anandmanik Badui
16. Ratil Dang
17. Patras Badui

4/6/1958

Leader

Excom  
9246 to 415  
Ratil

18 Joshua Burh

19 Paulus Burh

20 Pablusabay Tjms

21 Joel Tjms

22 Joel Tjms II

23 Jwan Marik Tjms

24 Anus Tjms - *Pakamtohy*

25 Philip Surin

26 Jaymarik Surin

27 Paulus Tjms

28 Obed Tjms

29 Maumanik Kaidulua

30 Bahawanu Badui

31 Jua Kera Badui

32 Christochit Badui

33

Excom  
(2 wives)

Excom  
(2 wives)

Excom  
(2 wives)

Excom  
(2 wives)

Excom  
(2 wives)

Excom  
(2 wives)

Excom  
(2 wives)

Excom  
(2 wives)

Excom  
(2 wives)

Excom  
(2 wives)

leader

Came to Doneya with previous information to the leaders. On arrival all the information was given. They appointed the place for meeting - Sat and waited - got the information that they were eating <sup>later on heard that they were drinking</sup> beer (hauriya). Since we did not have any more money, Dany went to meet + talk with them in their own house. They came at 12:30 pm - about 40 of them with one Teli by name Badham who appears to be their local leader. They offered him a machiya - some women also came.



Edwards

1. थोड़ी प्रीति देने में असमर्थ।

मंडली बिगड़ गयी। 2. कबू का कगड़ा। Markas Kandulना <sup>और</sup> Padas गिफ्त  
से बीच कबू का कगड़ा। मरणा होने से आदमी गाड़ने में रुकित  
चूँकि लोपको मेरे हलके में अपना कपिलार जमाया।  
कबू में Kinto <sup>Kandulna</sup> का नाती पूर्व पश्चिम करके लोपा गया।

खिस्तान न रहने का बिचार करके कबू भी उबर फुलट कर दिया। अंसारी  
दस्तुर से मोताबिर पल्लव राडा। दाया भितरा गया। जिवने मरे  
ऊरें नाम से निशाना रहे। टुडिया-दारु भी पिये। खान पीना भी टुका।

Jammubia

Many of the members have come under  
the influence of the seducers. They come to the  
Church but they do not give any subscription  
They oppose all sorts of Church collections or  
taxations. Mr N. Samuel + I spoke to them in the  
Church also those in good standing —  
Mr C. D. Silva also spoke a few words —

9.6.59 Katojhar - Bachanali reported that those who have become heathen cannot be met as they all are working in the Korkotnassa mines (connected with Tata Steel Plant) - About a dozen members have gone back to heathenism. They have become worshippers of Sirma Singh Bong.

Purnapuri (Karamattidalea) -

Hada service from 1:30 - 2:30 pm -

Text Mt 16<sup>24</sup> - end SB 165

Updesh - President Tige, Sri Merdin Samad, + Mr. Bhugya -

A number of those bent upon changing religion with their leader Habil Swire attended the meeting.



Effect of Anko-Sanko Fianip  
Opponents of Malgijai vs Those who are  
willing to pay + pay

Broks belong to Jhakhand  
Partly

Thus the congregations are also divided. Those who have stopped paying malgijai have also stopped the church dues. Those who pay are loyal to the church as also to the Govt and they are nicknamed "Congress Adibasis". The opponents have developed the doctrine - unless we become non-Christians we cannot have Jhakhand + Khuntkatti. According to them Christianity + the Church workers have spoiled their rights + claims.

At the root of this receding movement there is political interest.

35  
Rev. J. J. P. Tiga M.A., B.D., STM.

PRESIDENT, LUTHERAN CHURCH  
RANCHI.

No. 4192/56.

The 27th Sept. 56.

To

Rev. C. P. John Toppo,  
Parish Chairman,  
G. E. L. Church, Arangai.  
P.O. - Ghaghra.  
Dist. - Ranchi.

Dear Rev. Toppo,

Received your letter of  
22/9/56, on 26th Sept. 56. I am to  
inform you that the President is away  
to Madras for meeting, and he is not  
expected to return before 1st week of  
October, moreover the Asst. President  
is here ~~mix~~ but he cannot go to your  
place owing to certain work at Ranchi.

Yishusahay to you all.

Yours sincerely

*D. Toppo.*

for Asst. to Pres  
& Acting Secretary  
G. E. L. Church, Ranch

*Orissa* 35  
**The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam**

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

REV. J.P. TIGA, M.A., B.D., S.T.M.  
President



G.E.L. CHURCH COMPOUND  
RANCHI, BIHAR (INDIA)

Ref. No. 1944/58

Dated the 9th. Nov. 1958

To,

The Director of Public Instruction,  
Orissa, Cuttack.

**Subject :** Permission for the test examination  
for the High School Certificate Examination.

Dear Sir,

With reference to your letter No. 28732 dated the 1st. October, 1958 addressed to the Headmaster-in-charge, Lutheran School, Rajganagpur, Sundargarh referred to me for my consideration and necessary action, I beg to say that we are prepared to abide by all the rules of the Education Department of the Government of Orissa. If we have violated any of the rules we express regret for the same and pray that you would most kindly excuse us.

I most respectfully and earnestly pray that you would kindly give permission to the Headmaster, Marwari High School, Cuttack or Headmaster, B.S. High School, Sundargarh to test our students of the Rajganagpur Proposed Lutheran School for the High School Certificate Examination this year.

Rule 2 of Chapter X of the regulations for the Board of Secondary Education, Orissa has been noted for our future guidance.

For this act of your kindness we shall remain ever grateful to you.

Yours Faithfully,

Copy to:  
Headmaster-in-charge,  
Lutheran School, Rajganagpur.





महाशयवर President J. P. Tigga - Ranchi.

C.E.L. Church Chhotanagpur and Assam.

महाशय, आप की हम Rato Birkera के माहली पंच को सफल  
मार्गदर्शक की ओर से सदा यश सदाय होवे।  
महाशय, लिखने का कारण है कि हमारे Rato Birkera माहली में  
त. ६-६-५६ से उत्तरी जोन का उत्पत्ति हुई है निम्न लिखित  
पदवी की वरत - Lakariyah Khalkho. Bilokan Eeka. Christo-  
Chit minz. Jharanpurtay. Eliyajar Kero. और हमारे  
Lorakudor Heka के पुचारक गठन थे। १६-६-५६ को जब जोन से  
बाल विवाद हुई। अगले त. १६-६-५६ Rajganpur में आप का समा  
बैठ था। Rajganpur की समा की वद हम लोगों का पदवी को  
उत्तरी जोन के महाशय लोग हमारे माहली को फिर से उत्तरी जोन में  
शामिल करने की की विचार किया पर वे असफल हुए।

बाद में त. ३-१०-५६ को फिर भी North Zone का काम जारी  
रुका हुआ। जिसमें निम्न लिखित महाशय वरत हमारे २ वलाका से धरि  
थे। Theodor Panna (Ranchi) ~~the~~ Theophil minz - Ranchi.  
Bilaur Tigga. Parthanpali. Bilokan Eeka. Nuh Karkha  
Christo Chit minz. Lakariyah Khalkho. और Lorakudor  
Heka के अंग पुचारक लोग थे। इसी वरत में Police में  
हाजिर थे। इस वरत में भी जब बाल विवाद हुई पर वे अ-  
सफल हुए। Lakariyah Khalkho पदवी के सम्मानने पर  
हमारे माहली ३२ १३ घर सागरवा North Zone में चले गये  
हैं। और वर्तमान ६६ घर गोलसना पुलिस के अधिन में हैं।  
इसके बाद अब Khalkho पदवी वरतार लगे बिरेकेरा आना  
जाना करता है। North Zone पदवी का गिर्जा पहले प्रीतम मही  
एलरके, जलका देला उसके घर में होता था। जलकी पदवी उस  
गिर्जा की हमारे C.E.L. Mission Compound में जाने C.C. minz  
पदवी के ~~कारण~~ कारण में लाया है। अभी फिर चौड़ी लिख कर  
आजी करता है, कि हम लोगों को गिर्जा घर में North Zone  
गिर्जा करने के लिये समय मिले। वे लिखते हैं कि कने को जगहों  
में समय बदल कर गिर्जा हो रही है। जैसे - Ranchi. gharmul  
Kireega. Thelepu etc. और भी बिने जगहों में होते हैं। हम लोग  
इन बातों की आप की द्वाया जानना चाहते हैं। कि इसमें उरवभूषण  
का गिर्जा अलग २ होता है, पर नहीं। हम लोग हमारे माहली के  
पुचारक Sudaman Lakra को North Zone में शामिल होने के  
बदला निकाल दिये और पुचारक उस भी लाली करने के लिये उसको  
Notice दिये थे। पर L. Khalkho के चलते पर लाली नहीं हुआ।  
हम लोग C.C. minz पदवी की भी North Zone जाने के कारण गिर्जा  
आपाना से लेके दिये हैं।

वर्तमान गोलमाल के कारण Rato Binkar में Police  
बरा बरा फहरा करते हैं।

आप L. Kharkho कहते हैं कि अगर गिर्जा घर में  
अगर नहीं देने हों हम Police द्वारा गिर्जा घर को  
जब्त कर देंगे।

महोदय, क्या करके इन सब झगड़ों को देखने  
और खोला करने के लिये जुयत करें। या हमारे  
मालगी में आ करके सब बातों को देखिये।

पानों की अनुमति से

Respectfully,

(A. A. Lalley)



सही बिरुदा मण्डली पंचों की मर्कियों की  
सही:-

- 1, Mr Joseph Oka
- 2, याका का मण्डल।
- 3, रसराज खान खो
- 4, Kuril Lakra B.
- 5, मुमुदा का मण्डल।
- 6, धर्मपुत्र मिंठा
- 7, नीचा निरुल
- 8, इसाह का होरा
- 9, निओदीन कुजुर
- 10, टेप सही बिमोन लका
- 11, टेप सही मबिस्त खडसो
- 12, William Aind
- 13, मनिवाह
- 14, कल्लुन का मुवाडे
- 15, शालन लका। पत्रक 2।
- 16, दानिएल कुजुर
- 17, टेप सही मसीह चरमा खेसा
- 18, यमदीन कीदी
- 19, मुनीयान मजाप
- 20, Jerusalem Nathan Spono
- 21, याकरु कुजुर मण्डल।
- 22, टेप सही मलीदत कुजुर
- 23, मनेहाद मण्डल।



35

**The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam**

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

President:—Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M.

G. E. L. CHURCH COMPOUND  
RANCHI, BIHAR (INDIA)

Ref. No. 4196/56

*Orissa*

Dated the 5th October, 1956.

To

The District Magistrate,  
Sundargarh District,  
Sundargarh.

Subject:— Grant of marriage licenses u/s 6 & 9 of the I.C.M Act XV of 1872 for three Ministers of Religion of the Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

Sir,

I have the honour to request you to kindly arrange for granting Marriage licenses u/s 6 & 9 of the I.C.M. Act XV of 1872, for the following three Ministers of Religion of the Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam transferred and posted to Rajgangpur, Ghoghor and Loarom in Sundargarh district in Orissa.

- (1) Rev. Christ Bijoy Aind, transferred to Rajgangpur in place of Rev. Z. Khalkho.
- (2) Rev. Stiphan Dungdung, transferred to Ghoghor (Dist. Sundargarh) in place of Rev. Sharan Purty.
- (3) Rev. Junas Surin, transferred to Loarom (Dist. Sundargarh) in place of Rev. Junas Dang retired.

The licenses for the above mentioned Ministers of Religion will be required for the Sundargarh district only under your administration within the district in Orissa.

It is also requested that the said Ministers of Religion may also be appointed to function as Registrars of Births and Deaths within the District of Sundargarh only in Orissa.

Yours faithfully,  
sd/- J.J.P. Tiga.

President & Acting Secretary,  
G. E. L. Church, Ranchi.

Bh. Lakra. 5/10/56.

Memo No. 4197-4199/56, dt. 6th October, 1956.

Copy forwarded to Rev. C. B. Aind, Rajgangpur, (2) Rev. Stiphan Dungdung, Ghoghor and (3) Rev. Junas Suring Loarom for information.

*sd/- J.J.P. Tiga*

G.E.L. CHURCH CHHOTANAGPUR & ASSAM  
ORISSA SYNOD

President:—REV. C. B. AIND

Secretary:—CAND. TH. DUNGUNG.

Treasurer:—SHRI P. D. NAG.

35  
RAJGANGPUR

No. 109/57

Dated 20-8-57

To, The President, G.E.L. Church, Ranchi.

Sir,

It is to tell you that the Orissa Cement-Ltd. is going on its demarcation work. It is not known how much our land is being taken. In spite of our terms of agreement of 5 to 6 acres, I fear some more land is being acquired. Hence I think that yourself and Mr. Kandulua should come before being ready to sign the sale deed. Due to the proposed public road about 30 ft width is being taken all throughout our compound. I had asked Mr. Dutt about his final plan when he stated that it is not yet finalised. Hence please appoint your valuable time with Mr. Candulua and come down to Rajgangpur once.

Yours faithfully  
C. B. Aind

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

President:—Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M.,

G. E. L. CHURCH COMPOUND  
RANCHI, BIHAR (INDIA)

Ref. No ...4612/56...

Dated the 14th... Decem....1956

Sri R.P. Singh Deo B.A; B.L.  
Deputy Collector, In Charge,  
English Office, Sundargarh.

Subject : Suspension of Minister

Ref: Your letter No. 12641 / 20.11.56

Sir,

I thank you very much for your letter under reference. I am sorry I could not write to you earlier as I had been extremely busy.

I have to inform you that the following were elected officers of the Gossner Evangelical Lutheran Church at the last meeting of the Mahasabha of the Church held in October, 1955:

1. Rev. J.J.P.Tiga M.A; B.D; S.T.M ., President  
G.E.L.Church, Ranchi .....
2. Mr. N.E.Horo B.A., Secretary  
G.E.L.Church, Ranchi, xxxxxxxx...
3. Mr. C.M.Horo, Treasurer.  
G.E.L.Church, Ranchi .....

These are the Executive Officers. There is a Church Council under the Mahasabha which is its Executive body. There are in all 31 members of this Church Council. As said above the three officers are appointed by the Mahasabha and the rest are elected by the various constituencies which exist in the five states of Assam, Bengal, Bihar, Orissa and Madhya Pradesh.

An illegal movement started by one Rev. J.Toppo was censured by the full Church Council which met from 5th. to 7th. of September,

35-  
Anand Singhजी एल. बिबिरेकर  
ता. १६/१/२७

मन्मथार प्रेन्सीडेंट जी.ई. एल. चंच रांची

आप को हम बि बिबिरेकर मंडली के  
कुड़क माइये के चोर से-प्रेम पीछे सहाय।

आगे आप यह जनति रीफा: दीजति है

कि उतरी जेन के कुड़क माई, हमो को  
यह करवाई करत है। जि जेन के बेटो  
और कुड़क देन लेन हमो के सो नही करे  
है (आधी) कार बार बितानुल बंद कर दीये

है। और उन सब (आधी) उतरी जेन वले  
पेसला कर दीये है। जि जो नही मनेगे तो  
पुरखनी के पुरखानी के पेसला कोताविन  
करवाई कर पराह किया जयगा। आईस नोटीस  
बुला दिये है। इस नोटीस में चुल प्रति माफ करेगे

लि: रेपु बलका / प्रिम मसीट रफलरगा

इलि यजार खे सेल्लोरी सुलेमान लमडा।

बिमाल तिगा

सेन दिये है

No 100/59

35

Rajgangpur.

21-8-59

From: The Rev. C. B. Patel.

To, The president,  
J. E. P. Church, Ranchi.

Sir,

May I please know from you whether  
our Cuttack programme on the 30<sup>th</sup> inst.  
is alright? Mr. Khalkho was saying that  
he will be unable to accompany us  
as they have fixed their jubilee  
day on the 2<sup>nd</sup> Sept. 59 at Rajgangpur.

One thing I let  
you know that the  
police inquiry  
is going on about  
the Zarekudar church.  
I do not know why.

The other thing is that  
Dr. Penske was saying  
that our church ought  
to approach the H.S.L.  
along with the Anglican  
Bishops for the church  
land for final settlement.  
Yours faithfully  
C.H.A.



The  
president  
G. E. R. Church  
Ranchi

the



Tharsuguda  
30. 11-59.

To The President,  
G.E.L. Church Rancu,

Dear Sir,

I am glad to inform you that as per your instructions for new Church Bldg. at Tharsuguda, various arrangements are being made to raise funds for this purpose. The local Christian members have agreed to donate other than subscription. We propose to start Collection from Jan '60, so that physical works can be started from March - April '60. I have determined to complete the building before 25th Dec '60. Provided the funds permit.

We also expect donation & Subscription from local non-Christian. For this purpose I require

a copy of the Donation  
receipt obtained from  
Dr. C. V. Lankey. I shall  
be thankful if you please  
send me the true copy at  
your earliest convenience.

Necessary estimate & Plan  
~~with~~ for the building will be  
sent to you very shortly.

I have not received  
M.O. of Rs 15/- as yet.

Yours sincerely  
Samuel Henry  
Assist: Engineer Office  
S.E. Ry. Tharagada.

पोस्ट कार्ड



Rev. J. J. P. Tigga  
President.

G. E. L. Church Ranchi

P. O. Ranchi.

Rev. J. J. P. Figa  
President

G. E. L. Church  
Ranch

To. The President  
G. E. C. Church, Panaji.

G. E. C. Church  
Mandap.  
3/1/59

महोदय, आप को धन्यवाद।

आप को यह जानकारी देना है कि Mr. Mr. Marinho  
School में joining किया, तीन दिन स्कूल में रहे  
और अपना सामान लाने के खर्चा ले फिर  
ता० 22-11-58 को रॉन्ची लौटे। परन्तु वहां जाने  
पर उन्होंने ने कल ता० 2-12-58 को स्कूल से  
resignation दे दिया यह कल के कि देत दिया  
बहुत विचार है सो इतना दूर में नहीं रह सकते हैं।  
सो अब हम लोग क्या करेंगे। यह  
बात मैं किसी को नहीं बताये हैं।

वो भाव ही फिर उनसे  
वातचित कीजिये भन्वा  
भन्वा उपाय कीजिये।

मैं तो नहीं समझ सका  
हूँ कि वेचर हमारे लुख  
के लिये क्या उच्छा है।  
मैं तो ईसा ही में लुख  
को सौंप दिया हूँ।

अन्तर्गत !

भाव का विवरण  
Rev. C. H. Tinker  
21/12/59

34  
पोस्ट कार्ड

केवल पता  
3 DEC.  
1959



To  
The President

Rev. J. J. P. Tunga

G. E. L. Church Compound

Ranchi

Bihar.

35

Local  
8/8/59

Dear Mr. Tiza

As to your query regarding the Jharsuguda Lease, I am afraid the lease was given long before my time, and I do not know anything about it.

Also I do not know of any document which can help us in the matter.

Yours truly

J. C. L. K. S.



35

✓  
1260/59

10th. August 9

The Secretary,  
Orissa Cement Limited,  
Rajgangpur.

Dear Sir,

I beg hereby to authorise Rev. C.B. Aind, President of the Orissa Synod of the G.E.L. Church to receive Rs. 1,000/- (Rupees One thousand) only for the Lutheran School, Rajgangpur for the year 1959.

✓  
memo No. 1261/59

Copy to Rev. C.B. Aind,  
President, Orissa Synod,  
G.E.L. Church, Rajgangpur.

Yours Faithfully,





Karimatti

31. 3-59

To The President

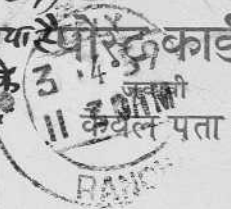
G. E. L. Church Chotanag-  
pur & Assam Ranchi

प्रदेशाय

आप को हम भानाय  
लड़कों की ओर से धन्यवाद। हम  
लोग जितने बच गये हैं संकुशल हैं  
पर आप को जनाते हैं कि हम  
लोगों का प्यारा पिता Rev. Daniel  
Horo Karimatti को ईश्वर ने  
27. 3. 59. 4 बजे <sup>शाम</sup> भला सुक्रवार  
के दिन अपने पास बुला लिया।  
उनका कोई खाल ज़िम्मेरी अखरी  
समय में नहीं था। केवल बहुत  
थक गये थे। अखरी समय तक  
उनका होश था और ईश्वर से  
प्रार्थना के साथ ही हम लोगों से  
विदा हो गये।

आगे हम लोगों का अरजी  
है कि उनका जो कुछ पावना है  
देने की कृपा करेंगे।

ओक्टोबर सतावन (October 57)  
 से ईयर पिता का पेन्सन बकाया है पोस्टकार्ड  
 काप का गोबिन्दपुर इलाके 3 4  
 में रहते समय ही से हम लोग  
 की मदद लिये हैं अभी तक  
 पाद करते हैं। अभी भी  
 हम लोग भाशा करते हैं  
 कि हम नि सहाय लड़कों  
 की मदद करेंगे।



To  
 The President  
 G. E. L. Church, Chota  
 - Nagpur & Assam  
Ranchi

आप-का बिबल  
 Emau Hono. Karimalli.

Copy forwarded to Rev. C. B. Fitch, President,  
Anson Synod for information and  
the needful.

Respectfully

455-57/59.

- c.c. to
- 1) Secretary. Manual  
Property Board
  - 2) Secretary, G. S. Church
  - 3) Treasurer, G. S. Church

President,  
G. S. Church

# Orissa Cement Limited

(INCORPORATED IN INDIA, MEMBERS' LIABILITY LIMITED)

RAJGANGPUR  
(ORISSA STATE)

Ref: No. RP: SEC: 48-115/9205

April 16, 1959.

The President,  
G. E. L. Church,  
G. E. L. Church Compound,  
RANCHI.

Dear Sir,

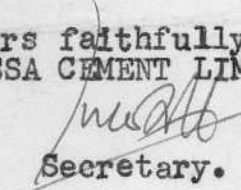
Re: Lutheran School, Rajgangpur.

Kindly refer to your letter No. 75/59 of the 1st February, 1959 on the above subject.

In this connection I am directed to say that the Management regret their inability to comply with your request for maintenance of the school building constructed by the Company for a period of about two years.

As regards water supply to the school premises, the matter has been duly considered and I am directed to say that the Management would be pleased to reimburse half the expenses in case the G;E.L. Church authorities sink a well at their own expenses in the school premises for water supply instead of arranging water supply through pipelines, from our factory.

Yours faithfully,  
For ORISSA CEMENT LIMITED,

  
Secretary.

D:K.3.

35

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM  
RANCHI.

\*\*\*\*\*

No. 576 /59-CC-100.

Gossner Compound  
Ranchi,  
The 23rd. July, '59.

Rev. Silas Horo,  
President Assam Synod,  
G.E.L. Church Tezpur, Dist. Darrang,  
A S S A M.

Bisay:- Assam men Rajyabridhikari.

Mahasay,

Ap ke dinank 31:5:1959 ke patr ki pratilipi mujhe mili hai jo President Tigga ko uprokt bisay par likha gaya hai. Dhaneyabad.

Maine abhi hal men Rev. J.D. Asirvadam se Assam Boarder Mission ke bare puchpach ki. Unhonne batlaya ki LNMS sirf N.E.F.A. men rajya-bridhi karj ke liye jimmewar hogi. Agar ap logon ne NEFA men karmchari bheja hai to LNMS se arthik madad ke hakdar honge anyatha nahi. Phir General Area men Assam ke Adibsiyon ke bich kam karne aur use sambhalne ka pura bhar Assam Synod ko hoga (LNMS se NEFA men kahan kahan aur kaise karj karna chahiye adi bisaiyon ka.....). Bistar-purbak Reoprt prapt karne ke liye LNMS ne President Tiga ko Assam jane ki arji ki hai. Unhi ke report ki asa men LNMS hai.

Ap logon ki chithi patri se malum hua hai ki kam Baliapara Frontier तथा Mikir Hills men ho raha hai jahan hamari chit-phut mandliyan hain. LNMS ka kahna hai ki Gossner kalisa ke un chetron men jahan wah kam karti hai rajyabridhi ka pura bhar Gossner Kalissa ka hai aur yah sach bat hai. LNMS to wahan kam karegi jahan ab tak koi kalissa kam nahi ki hai. Isliye LNMS ne NEFA men karj karne ka phaisla kiya hai. Chunki Gossner kalisa Assam ki ek kalisa hai isliye usi ke jariye Assam Boarder ka karj hoga.

Atah ap se niwedan hai ki detail men ap batawen ki kam NEFA men hota hai ya General area men. Jahan tak mera impression hai ki abhi ap ke ho rahe kam ke liye LNMS arthik madad nahi degi agar wah NEFA men nahi hai to. Is prakar abhi ke karj ke liye alag prabandh karna hoga jiske liye kripaya Evangelistic Work ke Director se suchit karen.

KO

Ap ka Biswast,

W. J. P. Tigga  
23/7  
Secretary,  
G.E.L. Church, Ranchi.

Pratilipi:- 1. Rev. J.J.P. Tiga, Chairman Assam Boarder Committee.  
2. Director Evangelistic Board,  
3. Treasurer, G.E.L. Church, Ranchi  
ko suchnarth presit.

-----



Rev. L. D. P. Tiza  
Chairman: E.  
Ranch

1998

TRUE COPY 35

THE CHHATTISGARH & ORISSA CHURCH COUNCIL  
OF THE UNITED CHURCH  
OF  
NORTHERN INDIA.

Moderator:  
Rev. OBED. H. WANY, G.Th.

P.O. BHATAPARA, S.E. Rly.,  
RAIPUR, M.P.

Dated, March 16, 1959.

To

Mr. Qumaresh Santra,  
General Secretary,  
The United Church, Rourkela,  
SUNDERGARH.

Dear Brother Santra,

We are very glad to have received all your correspondence from our Executive Secretary of the U.C.N.I., Dr. Yohan Masih regarding your desire to join the U.C.N.I. The Executive Committee of the same has decided that our church council should take steps to take your church since we are closer to you than any church council of the U.C.N.I. and that your location is geographically within the bounds of our church council. All the correspondence was sent to me by Dr. Yohan Masih and I placed your request and the direction of the head quarter before ~~our~~ our Executive Committee of the Church Council on March 9. It was decided that the Moderator should go and acquaint himself with the situations and ~~people~~ and make you all acquainted with our ~~church~~ Constitution and our working etc. and then report to the Executive Committee for further action.

Hence I wish to inform you that I shall be leaving from my head quarter Bhatapara on April 2, by morning passenger which probably reaches there in the evening. I would like to meet your session or committee there on 3rd any time you fix and shall meet the congregation on 5th. It may be that there will be one more member from my Executive Committee and a missionary also. Kindly arrange to meet me at the station and also kindly arrange to our stay there. Please let me know if these dates are suitable. We are praying for you all and ~~will~~ we shall see each other and see how best we can achieve our goal.

With kind regards & prayers for you all.

Yours sincerely,

Sd/- Illegible.

I am on tour at present  
visiting one of my churches  
in Orissa but will be back ~~again~~ home on the 20th

35

# THE UNITED CHURCH

## ROURKELA

Ref No. UC / 31 / 59

Rourkela / Orissa

March 29, 1959.

Rev. J. J. P. Tiza  
G.E.U. Church Compound,  
Ranchi. (Bihar).

Dear Rev. Tiza,

I trust, you might have received my letter prior to this regarding 'Delegates to the Industrial Evangelism Conference'.

In this connexion, the decision made by the members of United Church in their meeting held on 27.3.59, as follows:-

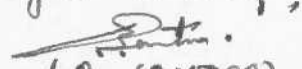
"It was resolved that, the decision of the Informal meeting of Church & U.C.C. representatives at Rourkela, in delegating Candidate Ming & Mr. Q. Santra to I.E. Conference to be held at Rajpur on 27th - 29th April '59 be honoured. The Church however regretfully express that it is not possible for her to bear the journey expenses of Mr. Santra. Mr. Santra volunteered to share 50% of his journey expenses (1st. class fare from Rourkela to Rajpur via Calcutta). It was thought desirable to acquaint with the arrangements made at Rajpur for the delegates & that reference be made to Dr. Bhatly to intimate us about the boarding & lodging arrangements of delegates. Mr. Santra, Gen. Secy of U.C. is requested to communicate Dr. Bhatly in the matter immediately."

As per Miss Amy's wish, we shall be only too pleased to send our comments on the findings of meeting, on the 6th of April '59 after thoroughly discussing in our forthcoming meeting which will be held on the 5th April '59, after church service.

For your information, I am enclosing a copy of letter received from Rev. O. H. Wang, which will speak for itself.

Must close it now, but we are grateful to you! Cand. Ming who was kind enough to conduct Good-Friday service in one of our members residence.

With kind regards.

Yrs sincerely,  
  
(Q. SANTRA).

35

Birmikapur

D. 23/5/59

श्रीमान, पेरिस इंटर आप को भी मुसहाय  
इन दिनों में हम लोग पुरा आच्छा हो रहे  
कुछ दिन पहले हम लोग सब को ई बिमार  
में चे आभी एक लडका पुरा तोर से  
आच्छा नहीं हुआ है। उमेद राखते हैं  
कि आप लोग आच्छे हो लेंगे।

आप का चिठी मिला और मालूम  
हुआ कि आप लोग आप रहे हैं।

आप को जनाता हूँ आप जी। आपता ई कि  
जिस एतवार को आप यहाँ रहेंगे।

उस रोज पबित्र सक्रामेंट भी छहराते हैं  
और सक्रामेंट का काम आप ही के जिमें  
में रहेगा- मैं भी B. Singh को लिखता हूँ  
कि आप दोनों उस रोज का काम बजाईये  
माडली भी यही चाहत है रोज रुपाया  
गहरा किया जाये आप लोग अपना  
यहाँ पहुँचने का समय देने का महान  
कृपा करेंगे।



प्रेसिडेन्ट सहाय आप को पानेना पूर्वक  
आज आता है कि यदि सुकेंगे तो  
ही साक्षी बारी १२ टिन्की केटे खिस्म  
ही मुन्डा केटे खिस्म २ मुन्डा कुंरंग पु या  
लेते आने का लुपा करेंगे  
प्रेम से

आप का आशीर्वाद

Rev. P. Surin  
23/6/59

Grams : "ROCKCEMENT" Rajgangpur  
Phone : Rajgangpur P. C. O. Ex : 1

# Orissa Cement Limited

(INCORPORATED IN INDIA, MEMBERS' LIABILITY LIMITED)

RAJGANGPUR  
(ORISSA STATE)

Ref: No. RGP: SEC: 41-28/4495

April 6, 1957.  
8

Dear Mr. Tigga,

Re: Mission compound land for Exchange  
of siding.

I am just in receipt of your letter No. 660/57 dated 3rd April, 1957 and note the contents.

I want to have further discussion with you on certain points and would request you to kindly let me have your programme for the next 15 days.

With kindest regards,

Yours sincerely,

*K.C. Dutt*  
(K.C. Dutt.)

Rev. J. J. P. Tigga,  
President,  
G. E. L. Church,  
Ranchi.

D:K.



श्रीगुरु मन्त्रादयः मन्त्रादयः

मन्त्रादयः दय मन्त्रादयः काकुशित को

मैं आकर दय मन्त्रादयः को मोर से लिख जाता हूँ।

को दय लोग जिसे से सदा हुआ ताक से दय दोनों के बीच  
में दय से प्यार का है दय से होता रहता है। मैं उन को अपना  
कोशिश कर के समझाया जाता था पर दय के तब बिना कुछ नहि  
हुआ प्रेम के कहने में पुष्ट है पुष्ट होता है। इस करण आब  
में काकुशित को लिखता हूँ। को सदा सदा दय के कहने कर दिया  
जो को को दय के दय में वे को से दय आते पर होता है  
को को दय के दय में उनका सदा होता है। और उक्त से दो  
तेजाग दय। दय के दय में लय से। पलाया दय से लय से  
को लय से दय इस करण आब सदा सदा से तेजाग पत्र मोता कि  
सदा कहने कर जो पद्य काकुशित से मेरा आजा है।

दय से लय है। को दय से लय आता होने का लय से लय से  
हुआ और दय से लय और आता हुआ है दय से लय  
के लय से लय सदा कहने कर जिस इस लय पर दय से लय  
के लय से लय जिस इस लय से लय से लय काकुशित  
जुन से लय से लय दिया है।

मेरा पत्र मन्त्र मन्त्र

गौतम गौतम पाना: रोगो ज: आकर दय मन्त्रादयः इससे काम

हुआ। सुनाया गद्य

दो दो मन्त्रादयः काकाशित

है।

जो. जो हुआ हुना। सदा मन्त्र

ना: 6. 5. 5.

३३

३३

३३

३३

३३

३३

३३

३३

35  
ORDINARY TELEGRAM.

MISTER TIGGA

PRESIDENT

GEL

RANCHI

WIRE KHALKOS SUSPENSION PERIOD SEPARATIST

PROPAGANDA ~~XX~~ CLIMAX PLEASE ADVICE

HEMROM

-X-X-X-X-X-X-X-X-X-X-X-X-X-X-X-X-X-X-X-X-X-X-  
N.T.T.

(M.Hemrom.)  
C/o.Orissa Cement Ltd.,  
Rajgangpur 30/7/1956

Confirmation copy forwarded by postto;

Mr. Tigga,  
President, G.E.L.Church, Ranchi.  
with request to give us proper guidance and our duty to wards the  
G.E.L.Church, at your earliest.

  
M.Hemrom.

From:

35

G. E. L. CHURCH  
RAJGANGPUR

Dated 8-9-58

The Secretary

G. E. L. Church Ministerium

To,

The President,

G. E. L. Church Ministerium, Ranchi.

Sir,

As the month of October is drawing  
nigh, I like to know as what have I  
to do regarding the Commencing Pastor's  
Class. please let me advise me

by return of post.

Yours faithfully

C. M. C.

Secretary  
Ministerium.



To  
The President -  
G. E. L. Church  
Ranchi.

Birmikapur  
 A: 30/5/59

श्रीमान् पेरिडेन्ट - आप को  
 नमस्कार -

महोदय.

मे भाग्य चाहते हुए फिर आप के पास  
 मोह चिह्नी भेज रहा हूँ। भाग्य करिये  
 ब्रिजवने का - तो - पली है। का - आप -  
 का - यहां आना - पल्ली बा - है सो  
 भाई - वन - है आप - के पड़ने  
 का सित समर्थ चाहते हैं।  
 जितने स्वगत करने लगे सो  
 पाहें और जितने रहस्य का पड़ने  
 का समर्थ देने का कहानि  
 कथा कहेंगे।



अथ-देहात-से-भी आयेगी

माता-का माता-बाप  
प्रेम से  
Rev. V. S. Srinivas  
3/5/59

पोस्ट ऑफिस  
सं. १०००  
म. प्र. रा. रा.



को  
The  
President

G. K. L. Church Ranchi

P. O. Ranchi

Dist Ranchi

Raggangpur  
1-6-59

From synod,  
secretary,  
edt Raggangpur

35

Dear Sir,

Thank you for your  
tour programme notice dated  
20/5/59. Ref. No. 539-558/59. So  
hereby let know that syn the synod  
president Rev C.B. Aind is not here at  
his residence since 24<sup>th</sup> May 59.  
He has been to Jyotipur (M.P.) for  
some special function there and  
he may return on 6 June.

Sir, your programme is very  
best and essential for us. So there  
therefore re-write to Birmitrapur  
pastor in order that he may  
make arrangement for your  
touring programme within his  
parish and G. K. A. And we  
also wait for you at Jhalipura

Shaka Anusabha. At  
present we are well  
and rest thing is also  
O.K.

With best wishes &  
close to arrive here.

Sincerely yours

Ed. R. Bue

Synod Secretary



To

Rev. J. J. P. Tiga M.A.B.D.S.T.M.  
President.

G. E. L. Church compound  
Ranchi.

P.O. Ranchi

Ranchi  
Dihon.

35

*Rev. J. I. P. Tiga* M.A., B.D., S.T.M.

PRESIDENT, LUTHERAN CHURCH  
RANCHI.

27th. April, 1955

Ref. 965/57.

Mr. K.C. Dutt,  
Secretary, Orissa Cement Coy.  
Rajganagpur.

Dear Mr. Dutt,

Received your letter  
No. RGP:SEC:41-28/5302 dated April  
24, 1957 and also the one under ref-  
erence. Thanks.

We have a meeting of  
the Church Council Executive Commi-  
tee on the 14th. afternoon to 16th.  
morning of May. May I suggest that  
you come to Ranchi and meet the  
Executive Committee on the 15th.  
or the 16th. May ?

With kind regards,

Yours Sincerely,

to 966/57  
Copy to President  
Secretary. G.E.L. Church.

Grams : "ROCKCEMENT" Rajgangpur

Phone : Rajgangpur P. C. O. Ex : 1

# Orissa Cement Limited

(INCORPORATED IN INDIA, MEMBERS' LIABILITY LIMITED)

RAJGANGPUR

(ORISSA STATE)

Ref: No. RGP: SEC: 41-28/5302

April 24, 1957.

*Rev.*

Dear Mr. Tigga,

Re: Mission compound land for  
Exchange siding.

Kindly refer to my letter No. RGP: SEC: 41-28/4495 dated 6/8th April, 1957, to which I do not ~~have~~ seem to have received any reply from you. I do not know whether the letter itself has reached you safely or not. In any case, I would request you to kindly let me have your programme for the next 15 days, so that I may call on you on any convenient day for a further discussion on certain points connected with the above subject.

With the kindest regards,

Yours sincerely,

*(K.C. Dutt.)*

Rev. J. J. P. Tigga,  
President,  
G. E. L. Church,  
RANCHI.

K.

*Copy*  
GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Ref: NO 660/57.  
698

Office of the President, G.E.L. Church,  
Ranchi, the 3rd April, 1957.

To

Mr. K.C. Dutt,  
Secretary,  
Orissa Cement Limited,  
Rajgangpur.

Dera Mr. Dutt,

As I told you before the matter of sale of property at Rajgangpur had to be placed before the Mahasabha of the G.E.L. Church. This was done at its recent meeting held on the 25th to 29th March 1957. I have to state that the Mahasabha has agreed to sell the 5 to 6 acres of land at Rajgangpur required by the Orissa Cement Limited for exchange Railway siding for Rajgangpur on the terms as follows. This should be considered as our final decision.

TERMS.

1. The cost of the ground be Rs. 2,000/- only.
2. The plan as submitted be approved and it be decided that the Factory be asked to construct the School Building according to the plan (already submitted to the Secretary Orissa Cement Factory), within their means - if the hall can not be constructed the plinth for the same should be completed.
3. The Factory should supply books for the Library for the purpose of recognition of the School.
4. The Factory should subscribe Rs. 500/- annually to the School.
5. The materials of the present School Building will be for the Church.
6. Stones will be supplied at Lanjberna for the Church as may be needed for construction of Church Buildings in the Mission Compound.
7. The trees and all other assets on the said ground of 5 to 6 acres will remain the property of the Church.

With kindest regards.

Yours sincerely,

*[Signature]*  
President,  
G.E.L. Church, Ranchi.

699  
No 664/57

*Copy to Rev. C. B. Bird,  
President Orissa Synod, G.E.L. Church*





Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

660-697  
Ref: NO.622-59/57.

Office of the President G.E.L. Church, Ranchi.  
The 3rd April, 1957.

The undermentioned document is forwarded to the Members of the Church Council and Property Board, G.E.L. Church in Chotanagpur and Assam for information and the needful.

President,  
G.E.L. Church, Ranchi.

Minutes of the meeting of the Committee appointed by the full Church Council in accordance with the decision of the Mahasabha of the G.E.L. Church held from the 25th to 29th March, 1957.

In the office of the Church Council  
at 8:30 A.M. 3rd April 1957.

The meeting was opened with a word of prayer led by President Rev. J.J.P. Tiga.

Attendance:- 1. Mr. N.E. Horo, Secretary G.E.L. Church.  
2. Mr. C.M. Horo, Treasurer G.E.L. Church.  
3. Mr. E. Lakra, Member Property Board.  
4. Dr. P. Topno do do  
5. Rev. C.B. Aind, President, Orissa Synod  
6. Rev. J.J.P. Tiga, President G.E.L. Church-Convener.

Mr. P.D. Kandulna Secretary-Manager of the Property Board and Mr. B.K. Tirkey member Property Board could not be present.

Subject: Sale of Property at Rajgangpur to the Orissa Cement Factory measuring 5 to 6 acres.

The President reported about the negotiation. The Mahasabha has decided that the land in question be sold out to the Orissa Cement Factory for the purpose of Railway siding. This will mean that the present High School building will have to be demolished. The matter was discussed thoroughly. Letter from the Secretary Orissa Cement Factory dated 19.3.57 was read and the plan of building was placed before the meeting.

After consideration it was resolved that the land required by the Orissa Cement Factory measuring 5 to 6 acres be sold and the terms be as follows:

1. The cost of the ground be Rs. 2,000/- only.
2. The plan as submitted be approved and it be decided that the Factory be asked to construct the School Building according to the plan (already submitted to the Secretary, Orissa Cement Factory), within their means - if the hall can not be constructed, the plinth for the same should be completed.
3. The Factory should supply books for the Library for the purpose of recognition of the School.
4. The Factory should subscribe Rs. 500/- annually to the School.
5. The materials of the present School building will be for the Church.
6. Stones will be supplied at Lanjberna for the Church as may be needed for construction of Church Buildings in the Mission Compound.
7. The trees and all other assets on the said ground of 5 to 6 acres will remain the property of the Church.

The meeting was closed with a word of prayer led by Mr. C.M. Horo.

Sd/- C.M. Horo. 3/4/57.    Sd/- C.B. Aind. 3/4/57.    Sd/- P. Topno. 3/4/57.    Sd/- L. Lakra. 3/4/57.    Sd/- N.E. Horo. 3/4/57.

Sd/- J.J.P. Tiga.  
Convener. 3/4/57.



Minutes of the Meeting of the Committee  
appointed by the Full Church Council <sup>in accordance with the</sup> ~~by order~~  
decision of the Mahasabha of the E. L. Church held  
from the 25<sup>th</sup> to 29<sup>th</sup> March, 1957  
In the office of the Church Council  
at 8:30 A.M. 3<sup>rd</sup> April, 1957

No 622-59/57  
C.M. 3)  
PB-7  
38  
The meeting was opened with a word of prayer  
led by Resident J. J. P. Tiga.

Attendance:

1. Mr. N. E. Horo, Secretary E. L. Church
2. Mr. C. M. Horo Treasurer, "
3. Mr. E. Lakra member Property Board
4. Dr. P. Topono, member "
5. Rev. C. B. And Resident,  
Orissa Synod
6. Rev. J. J. P. Tiga, Resident  
E. L. Church - Convent

Mr. P. D. Kandulua Secretary - manager  
of the Property Board and Mr. B. K. Tinker  
member Property Board could not  
be present.

Subject: Sale of Property at Rajgangpur  
to the Orissa Cement Factory measuring  
5 to 6 acres.

The Resident reported about  
the negotiations. The Mahasabha has  
decided that the land in question be  
sold out to the Orissa Cement Factory  
for the purpose of railway siding.  
This will mean that the present high school  
building will have to be demolished.  
The matter was discussed thoroughly.

Letter from the Secretary, Orissa Cement Factory dated 19.3.1957 was read and the plan of building was placed before the meeting.

After consideration it was resolved that the land required by the Orissa Cement Factory measuring 5 to 6 acres be sold and the terms be as follows:

1. The cost of the ground be Rs 2,000/- only.
2. The plan as submitted be approved and it be decided that the Factory be asked to construct the school building according to the plan (already submitted to the Secretary Orissa Cement Factory), within their means, - if the hall can not be constructed, the plan for the same should be completed.
3. The Factory should supply books for the library for the purpose of re-equipment of the school.
4. The Factory should subscribe Rs 500/- annually to the school.
5. The materials of the present school building will be for the Church.
6. Stones will be supplied at Langbena for the Church as may be needed for construction of Church buildings in the Mission Compound.
7. The trees and all other assets on the said ground of 5 to 6 acres will remain the property of the Church.

The meeting was closed with a word of prayer led by Mr. C. M. Hoso.

Dr. Hoso. cmc.  
3/4/57 3/4/57

3/4/57

L. Lakra 3/4/57  
3.4.57  
J. Lakra  
Convent 3/4/1957

Jharsuguda  
 Dt-25/4/57

To, The President G.E.L. Church Roweli.  
 Sir,

Main janne chakta hun ki ap kabe  
 Jharsuguda aenge. May 10th ko School  
 ki chhuti hogi. Yadi aenge to Head  
 master H.E. School Jharsuguda aur  
 Secretary of School Dr N.S. Behera  
 Jharsuguda ko khabar dijiye aur  
 mujh ko bhi turant khabar dijiye.



ki main soure men  
na rahun.

Yours faithfully  
Rev Hurin



To  
The  
President

G. E. L. Church Ranchi

P. O. Ranchi

Dist Ranchi.

5170 OP-66-P&T-7-5-53

15-6-53 7,85000 Bks.

56/53

L&C



INDIAN POSTS AND



TELEGRAPHS DEPARTMENT

98

Class \_\_\_\_\_  
Prefix \_\_\_\_\_ Code \_\_\_\_\_

No.



C.

|                                 |                           |       |                           |                       |
|---------------------------------|---------------------------|-------|---------------------------|-----------------------|
| Recd. from _____                | Sent at _____ H. _____ M. |       |                           |                       |
| By _____                        | To _____                  |       |                           |                       |
| By _____                        | By _____                  |       |                           |                       |
| Handed in at (Office of Origin) | Date.                     | Time. | Minute.                   | Service Instructions. |
|                                 |                           |       |                           | Words.                |
| TO                              |                           |       | Recd. here at 06 H. 41 M. |                       |

0 LF RAJGANGPUR 31 16 MISTER TIGGA PRESIDENT GEL RANCHI ==

WIRE KHALKOS SUSPENSION PERIOD SEPARATIST PROPAGANDA CLIMAX PLSASE ADVICE = HEMROM =

N. B. - The name of the sender, if telegraphed, should be written after, but separated from the text.



From:-

N.KANDULNA,  
ORISSA CEMENT LTD.,  
P.O.Rajgangpur

(Dist:Sundargarh)

Dated:30th July,1956  
31

Rev J.J.P.Tigga,  
M.A.B.D.M.S.T.  
President,  
G.E.L.Church,  
Chotanagpur & Assam,  
RANCHI:

Sir,

Re: Partition of Church.

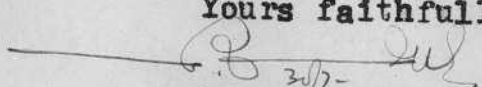
It has been widely rumoured that the Oraon Brothers of our Church are going to form a separate Church out of the existing G.E.L.Church of Chotanagpur and Assam and Nagpur for which underground propogandas are going on at full speed. It is further understood that they are going to have a Complete separate church by the 15th August,1956.

I am greatly interested in the religious affairs and have always raised my voice against the question of caste and creed created in the religious field.

I therefore,humbly and earnestly pray yourgoodself to enlighten me whether ~~it~~ the ~~g~~ underground propoganda and rumours are true or without any base. If it is a fact what an ordinary member of the Church should do for the well being of the Church,because I have firm belief that"United we shall stand and divided we shall fall"

Your reply per return of post would be highly appreciated  
Yishu Sahay.

Yours faithfully,

  
(N.Kandulna)

**Pastor Dr. med. A. Bischoff**  
**G. E. L. Church Hospital**  
**Ambgaon P. O. Barkot**  
**vla Deogarh Dt. Sambalpur**  
**Orissa, India**

35  
Ambgaon, 7.5.1958.

To  
The President of G.E.L.Church  
Reverend J.J.P.Tiga  
G.E.L.Church Compound  
R A N C H I

Dear President,

enclosed you find the answer for applications made to the Hospital Board following to the resolutions of our last Hospital Bord Meeting. If you agree please give your signature and send back to us.

The Home Board has sent Rs 3000.- for Hospital Extension but the treasurer has given us only Rs 1000. The balance of Rs 2000.- he has used for his own voyage to Germany. Therefore the financial situation of the Hospital is not good.

Many greetings also for Mrs.Tiga

Jishu Sahai

yours faithfully

*A. Bischoff*  
Medical Superintendent.

# G. E. L. CHURCH HOSPITAL

AMBGAON P. O. BARKOT  
VIA DEOGARH DT SAMBALPUR  
ORISSA, INDIA.

Ambgaon, 6.5.1958

To  
The D.O.F.Deogarh  
via The Renge Officer  
BARKOT

Dear Sir,

herewith I apply for getting wooden  
for Hospital Extension. Please give me  
Green trees following size from Purna-  
pani Khosra Jungel

20 trees under the 36 inches  
8 trees 4 feets diameter

Thanking you  
yours faithfully

( Rev.J.J.P.Tiga )  
President of the Hospital Board  
G.E.L.Church Hospital Ambgaon

# G. E. L. CHURCH HOSPITAL

AMBGAON P. O. BARKOT  
VIA DEOGARH DT. SAMBALPUR  
ORISSA, INDIA.

Ambgaon, 6.5.1958.

To  
Mr. Wilhelm Tirki  
PURNAPANI

Dear Wilhelm,

I regret to inform you that regarding  
the financial Situation of the Hospital  
it is not possible to increase your salary.

Yours faithfully

( Rev. J. J. P. Tiga )

President of the Hospital Board  
G. E. L. Church Hospital Ambgaon.

# G. E. L. CHURCH HOSPITAL

AMBGAON P. O. BARKOT  
VIA DEOGARH DT. SAMBALPUR  
ORISSA, INDIA.

6.5.1958.

To  
Head-Pracharak Amus Aind  
AMBGAON

Dear Amus Aind,

I regret to inform you that regarding the financial situation of the Hospital it is not possible to pay you compensation for helping in cultivator work.

It is resolved that the Hospital sends two coolies for planing your compound.

Yours faithfully

( Rev.J.J.P.Tiga )

President of the Hospital Board  
G.E.L.Church Hospital Ambgaon

# G. E. L. CHURCH HOSPITAL

AMBGAON P. O. BARKOT  
VIA DEOGARH DT SAMBALPUR  
ORISSA, INDIA

Ambgaon, 6.5.1958.

To

Prabhusahai Minz  
JAKAIKELA P.O. Bonai  
Dt. Sundargarh  
Orissa

Dear Prabhusahai,

I regret to inform you that we cannot  
give Broken burnt bricks because we need  
it for Hospital Extension.

Yours faithfully

( Rev. J. J. P. Tiga )  
President of the Hospital Bord  
G. E. L. Church Hospital Ambgaon.



श्रीमान J J P. Tiga,

महाशय,

आपको

हम सामों की मोर से स प्रेम यीशु  
सहारा दोंगे।

आप का हम ईश्वर पिता की बड़ी दया  
से भाले चाँगे हैं।

आप समों को भी ईश्वर पिता भाला  
चाँगा दान रखा होगा।

आगे समाचार है कि जड़ाबुदार में ता. २०  
४२ ४८ बँडकी हुआ था। उस समय आप

मुझे काम की आशा दिये थे। मेरी दूर  
दारा के कारण, तथा मेरे दिन गरीब

व्यक्ति को देख कर। आप जो बोले थे,  
कि मैं तुम्हारे लिये काम खोज दूँगा, मैं

इसलिये मैं आप ही के आशा में हूँ और  
सोचती हूँ, कि जब काम पाऊँगी तो काम

करूँगी, और अपने बाच्चों को पढ़ूँगी, यही मैं  
सोच करती हूँ। आप से मेरी दिन गरीब

की आशी है कि जहाँ तक तक साफल्य हो

जाल्दी काम की खोज करेंगे, और मैं माशा  
करती हूँ, कि माधु जलर में लिये काम खोज  
देंगे। और यदि हाँ सकेगा तो राऊरकोला साहब  
सब के यहाँ ही जैसा भी काम खोज दीजिये।  
मूल चक्र प्राप्त प्राप्त मिले।

From

Rahil Mundu

p Birkera

p. o Bistra

Dist. Sundargarh.

१

35

Karimnagar

The President  
G. E. L. Church Karachi

महाराज,

मैंने महाराजों का नोटिस ता. 27. 2. 59  
को पाया। इन दिनों मेरी रजिस्ट्रार ठीक नहीं  
है जिसके कारण मैं महाराजों से लिखें जा नहीं  
सकता हूँ। कृपया मेरी ज़रूरतों को ध्यान  
करते ही कृपा करें।

P. T. O.

मो. सा. निवासी  
Rev. N. K. Kulkarni

मेरा एड्रेस में बदल-बदल  
हुआ है जिससे कारण चिट्ठी  
गन्ती मिलने में देर होती  
है कृपया सुधारियेंगा।

N. K. S. S.  
Katimath.  
P.O. Nawagaon  
Via Birmitrapur  
Sundergarh

पोस्ट कार्ड



The President  
G. E. H. Church  
Ranchi  
Ranchi

Rev. C. B. Ekka,  
Ilaka Chairman.

35

G. E. L. Church Karimatti  
P. O. Bisra.  
Dist. Sundargarh (Orissa)

Ref. No. 4384-4472/55

Dated 31<sup>st</sup> December 1955

महामान्यवर

प्रेसिडेंट साहब को धीकसहाय। आप के चिरीता: 13-12-55  
का जबाब लिख भेजता हूँ।

I (b) 8 बार इलाका सभा हुई।

(c) 12 बार पेरिस सभा हुई।

(d) तलब 600 (सैय्या मिला। अठसत महीना 12) सैय्या हुआ।

II (a) एतवार नचन का उपदेश दिया 86 बार  
प्रभुमोज . . . . . 20 "

वपतिस्मा . . . . . 88 "

पुनरशहरा . . . . . 22 "

दृढापन . . . . . 2 "

घड़ा दान . . . . . 28 "

राउपबुद्धि . . . . . 6 "

(b) समाजों में . . . . . 10 "

(c) 29 उपदेश लिखे हुए हैं।

III ऐसा कोई भण्डाली में नहीं है।

IV किसी को इस बाबत सजा नहीं दी गई है।

V मार्क रजित सुसमान्य अठर रंमी पत्नी के विषय सिसने की  
इच्छा है।  
खुस्तान बांसो के संसारिक साक्ष के विषय मिनिस्ट्रियम का सजा  
चाहता हूँ।

आप का सेवक

C. B. Ekka.  
31-12-55

5170/OP-56-P&amp;T-7-5-53

L &amp; Co. P&amp;T/56/53 CMB-15-6-53-7,8500 Bks.



INDIAN POSTS AND



TELEGRAPHS DEPARTMENT

No.

C.

Class

Prefix

Code

Recd. from

Sent at H. M.

To

By

By

Handed in at (Office of Origin)

Date.

Hour.

Minute.

Service Instructions.

Words.

TO

X MH ROURKELA 16 19 G E L PRESIDENT RANCHI

H.

M

PLEASE COME WITH DR BAGE BRING MAGIC ON 19 APL = ILAKA SECY ZDKUDR =

M. B.—The name of the sender, if telegraphed, should be written after, but separated from the text



Make 3 copies,  
one for Rev C. P. Smith,  
one for Sir Yusaf  
Khan and another  
for State Secretary  
of Rev C. P. Kandhari

H/4

35

Orissa

OFFICE OF THE PRESIDENT G.E.E. CHURCH

Ref. No. 1007/58

Ranchi,  
The 1st. April, 1958

Rev. Christopal Kandulna,  
Jorabandh, Banki bazar,  
Via Panpos, Orissa.

Pyare Padri bhai ko Yishusahay.

Ap se main yah jan-ne chahta hun ki Ratobirkera men apne 9.4.58 ko koi meeting thahraya hai athwa nahin. Bite March 8 ko jab main Rourkela gaya tha to Ratibirkera se ~~onek~~ do bhai gaya aur mujhsa Ratobirkera ane ki arji kiye. Main ne thahraya ki 9 tarikh ko sab wahan jama howe, main aunga. Meri asha thi ki we ap se ray sallah kar lenge jisten ap aisi meeting ke liye notice den.

Kripa karke Tar ( telegram ) ke dwara mujh ko janaiye ki ap logon ne meeting ka prabandh kiya hai athwa nahin. Yadi nahin kiye hain to ham log koi dusra din tarik thahrawenge. Main Ratobirkera jarurana chahta hun par meri ichha hai ki jab main aun to bahut sa kam hone pawe. Is bar ~~said~~ Rev. C.B. Aind ane nahin sakenge kyonki Rajganagpur hi men unki meeting hai. Yahan Ranchi men 9.4.58 ko ~~hi~~ Kalisha ka ek case Ranchi ijlas men hai. Isliye jaldi telegram dijie ki mujhe 9.4.58 ke liye Ratobirkera jana chahiye ki nahin. 11.4.58 se full Church Council ki meeting ~~bi~~ hai. Is liye bahut soch bichar ke sath jabab dijiye.

Age shubh,

J. L. G. 4.58  
President,  
G.E.L. Churchin C.N. & A.

2023/58

23rd. Novem 1958

Dear Rev. Haxron,

Some brethren of Rudhi have informed that they want to remain in the Orissa Synod. If you know anything about them would you kindly report at once? If they belong to Singhbhum Synod please contact them and try to remove their grievances. Their names are Silas Bage, Hermann Bish, Ishak Topno, Philip Surin, Masindas Lugun & Barnabas Lugun. As I told you, Mondpur brethren have reported that they have left the Church Council. What can we do for them? Does the Singhbhum Synod plan to visit them again and do some

Copy to : Director AGLES, Secy. H.O.,  
and Treasurer H.O.

President.

something for them or you  
think that there is no more  
hope and nothing can be  
done. The full C.C. meets  
from the 2nd. to 6th. Dec. It  
will be useful to hear from  
you before that. I hope your  
C.C. member can also tell  
us something about this.

With best wishes,

Yours sincerely,

*J. M. Naga*  
President 23/11/54

To,

The Rev. D. Hamron,  
Synod President,  
G.E.L. Church,  
Chakradharpur.  
(Singbhum).

महा मन्त्रा वाच चर्च नौ निल बौटा नगपुर और  
आसाम नौ हम रंघी मराठीली के माई महिन का  
पौत्रु सहाय ।

आगे आप नौ निवे दान है कि हम लोगी उड़िहा  
सिनो ४- मी २ रंघी चहते है नौ नौ  
हम लोगी का आत्मिक जन्म इसी मी हुआ है  
इस लिये पत्र लिख देते है कि समाज पर  
नाम आवे नीचे आपन/पापना सही देते है

रुधौ  
१४, ११, ५२ }

आप का विश्वास  
रुधौ मराठीली के माई महिन

महौ सिबास वागे रंघी

ता: १४-११-५२

हरमान बुढ ॥

इसहाक रोपनो सद्यो

प्रिदिप मुखि

का निस्तान

मरीदस

बुगुन रोधी

बरनावास

बुगुन रंघी

35

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR  
AND ASSAM.

MISSION ESTD. 1845—AUTONOMOUS 1918

ORISSA SYNOD

No. 6157

RAJGANGPUR.

Dated 17-1-57

From: The Rev. C. B. Hind,  
synod president, Orissa.

President for  
personal & instructions  
nr 23/1/57

To: The Secretary,  
G.E.L. Church, Ranchi.

Sir,

I beg to report the following  
for your information and action if  
necessary.

That catechist prammasih  
Kokketter of Hutupani mandli in  
Ranga parish reported me, that  
in spite of the objection raised,  
Rev. Christochit Ming, now at Ratobir  
Kera, member of the so called north  
zone, had solemnized the marriage  
of his sister with the candidate of  
Khutitoh in the jamra of village  
Barhechura. <sup>on 27-12-56.</sup> At Hutupani mandli



GOSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR  
AND ASSAM.

MISSION ESTD. 1842—AUTONOMOUS 1918

ORISSA SYNOD

RAJGANGPUR

No. 11/12  
This is within the Ranga parish. This  
action of Rev. Christo Christ Math is  
quite illegal. Hence you are  
requested to take an action  
immediately.

Yours faithfully

C.H.C.

To  
The President.  
E.E.L. C.C. Ranchi.

माननीय महोदय,

निम्न लिखित बातें:-

- A. जो बिसरा बिरकैरा बिषय गिरजे का संस्कार वसंडाई इतिहास दो पेजों पर लिखा हुआ है। धरबन्धु में धापने के लिए भेजा जाता है। जो आप के तर्कानुसार भला जने तो कृपया धरबन्धु में धाप दीजिये।
  - B. पचारक स्कैल बिषय:- कि ट्रेन्ड अनट्रेन्ड पचारकों का स्कैल बिदा और योग्यता नुसार किस प्रकार है। रो सपोइन्टमेंट में आते छे में इलाका चेर ट्रेन - C.P. Kaululua को कहू कि मुझे ट्रेन्ड नुसार स्कैल अनुसार दीजिये। वे कॉलेज प्रोफेसर से पूछ पाछ कर देने का बात दिये। पर जबतक इसकी कोई चिन्ता कर महानसे मुझे कुछ बोलते हैं जिसे ऐसी मंहंगी जमाना में सपरिवार दैनिक जीवन बिताना कठिन होता है। मैं 1958 अप्रैल महीना पचारक ट्रेनिंग में पास होकर फिर काम पर रो सपोइन्टमेंट छोड़ कर काम चला (हैं) बिदा 15वीं कक्षा। म. 16/3/59-2.
- समात्रा निवेदन है कि ट्रेन्ड के बिषय इलाका चेर ट्रेन C.P. Kaululua गायलार्थ को पूछना देने की कृपा करें।

आपके  
आप का बिल्वत दास

Paul Bape

cate  
E.E.L. Church Rato Binkera  
P.O. Rato Binkera  
V.I.A. Dampara  
Sun 16/3/59.

R. P. 54

Acknowledgment.

(To be returned to office of posting for delivery to sender.)

RECEIVED a registered\* ..... No. <sup>48</sup>.....

addressed to (name) *The Travel Representative -  
Mission Sechni, American Express Coy. Bombay.*

† Insured for Rs. ....

† Weighing (in words) ..... *195 gms* toles  
rates

Signature of addressee..... *[Signature]* **MANAGER**

Date of delivery..... *24-7-59*

\*Write here "letter," "post-card," "packet," or "parcel" as the case may be preceded by the word insured" if the article is insured.  
† To be filled up only in the case of insured articles, and to be scored out in the case of other articles.

Deshbandhu—P. O. PC/188/52-CMB—15.7.52.—(4317/OP-188 P & T)—1.3.53.—3,00,00,000

On Postal Service.

To

Sender's name

and address.

The Rev. J. J. P. Toga Rendus  
G. E. L. Church, Rancher.

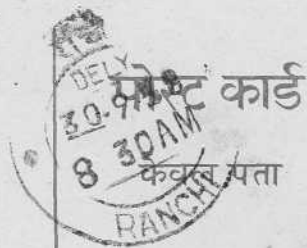
Name-stamp of  
office of posting.

28-7-58

3

RANCHI

ARCHROAD



Shri J. J. P. Tig,

President, G. E. L. Church  
Ranchi

No. 54 Ranchi  
Bihar.

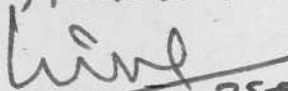
"Corrigendum." <sup>35</sup> 25-9-58.

To The President, G. E. L. Church, Ranchi.

Dear Sir,

Kindly refer to my letter  
no. LHS/HM/1/58 dt 25-9-58 addressed  
and posted to you today.

Where the windows of the New School  
Building have been described as without Bars.  
This is not correct. That may please be read  
as Windows with Bars.

  
Headmaster, 25-9-58

Lutheran H.E. School, Rajgangpur



25/11/58

35

1st Copy to President

G E L Church

2nd Copy Synod President

Lowaram

Rev. C. B. Aind

P.O. Surda

Dist. Sundargarh

Date 21-11-58

To

The president Rev J. J. P. Tiga

G E L Church Ranchi

महोदय,

आप को आनन्दपुर स्टेट के दस मण्डलियों का सिंद्भूम सिनोद में मिलाए जाने के विषय पूरा मालूम होवे।

आनन्दपुर स्टेट की दस मण्डलियाँ सिंद्भूम सिनोद में मिलाए जाने की बात सुनकर मण्डलियों में अशान्ति फैली हुई है, जिसको मैंने अपना दूरिग प्रोग्राम में कहा है और प्रत्येक मण्डलियों की इच्छा को आप के सामने रखता हूँ।

1 - Tendruli मण्डली और Tembaku मण्डली (दो मण्डलियाँ)

पूरा सिंद्भूम सिनोद में जाने के लिए तैयार हैं जिसको आप दरखास्त के द्वारा भी जान सकते हैं।

2 - Khatanbera मण्डली, Harta मण्डली, Omda मण्डली, Jehinda मण्डली और Churbadia मण्डली (पाँच मण्डलियाँ)

सिंद्भूम सिनोद में जाने नहीं चाहती हैं, इन मण्डलियों का कहना है कि जन्म-मार्ग को बची नहीं छोड़ेंगे।

3 - Kurtabera मण्डली, Runghi मण्डली और Kundu मण्डली

(तीन मण्डलियाँ) इन मण्डलियों में जाती हो गयी है,

एक जाती सिंद्भूम सिनोद में जाने चाहती है।

दूसरी जाती उड़िसा सिनोद ही में रहने चाहती है।

इसलिए मैं आप से दैनिक प्रार्थना करता हूँ कि आनन्दपुर स्टेट की मण्डलियाँ सिंद्भूम सिनोद में मिलाने के पहले जाँच कमिशन भावे, और प्रति मण्डलियों में जाकर जाँच करे। उसके बाद आनन्दपुर स्टेट की दसों मण्डलियाँ सिंद्भूम सिनोद में मिलाए जावें, जिससे मण्डलियाँ शान्त हो रहे,

Yours faithfully

Rev. J. Surin

Pastor chairman

35

G. E. L. Church

R. Birkeria

9/9.

To

The G. E. L. President Lholanagpur & Assam.

प्रिय सहाय !

माननीय,

जडावूदार इलाके के राठो बिरजेरा पेरिय में बनारि स्टेट के नितर एक नया पक्का गिरजा घर ईसा मसीहा के लिये संस्कार किया गया है। जिसका उद्देश्य घरबन्धु में छपवाने के लिये लाप के पास भेजा जा रहा है। कृपाया घरबन्धु में निम्नांकिते की कोशिश करेंगे।

2. माननीय

जडावूदार इलाके के कर्मचारियों के बीच में स्कूल (बाल) के विषय बरम्बर तुफान होता है। लाप से निवेदन है कि कौंसिल से कर्मचारियों का ठहराया हुआ स्कूल लिस्ट में भेजे की कृपा करेंगे।

2 लाप को सूचित करता हूँ कि इसी पेरिश के लन्दर कुंजेर मराडवी में दो फियरी खेत जो. ई. रुल कलोसा का है, सुनते में जाता है कि सी. सी. मिंज लदालत का के कुछ काता चाहता है। इसका बिबरना ये सके तो कुंजेर गन्धू से ले लिया जाय। लकी गन्धू जोन दल में है पर इस जमीन के विषय जोन तरफ <sup>जाने</sup> से उनका लपटि है और वे लाप से मिलना चाहते हैं।

8. माननीय, हम लोगोंने <sup>ने</sup> एक साथ साल भर इलका चेयरमैन के नाम पर घरबन्धु मंगाया लख घरबन्धु साल के समाप्त पर उन्होंने कहा कि लख ललगा ललगा ही मंगाया जाये मैं घरबन्धु का पैसा भेज रहा हूँ। सेप्टेम्बर महीना से सुसमय में मेरे नाम से एक प्रति रवाना करेंगे।

8. माननीय, मैंने जो लाने का बिल पेश किया (७५।।।) पचघात सौया बारह जाता उस पर मैं लाशा जाता हूँ कि मेरा पेश किया हुआ बिल पास हुआ है।

लाप का लाक्षा दीन.

Rev: H. E. John Samael

R. Birkeria G. E. L. Church

P. O. R. Birkeria

Sist Sundargarh

Orissa.

9/9/58

35

**The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam**

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

**President:—Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M.**

Orissa

G. E. L. CHURCH COMPOUND  
RANCHI, BIHAR (INDIA)

Ref. No 4619/56

Dated the 14th. Decem. .... 1956

Sri R.P. Singh Deo B.A; B.L.  
Deputy Collector, In Charge,  
English Office, Sundargarh.

**Subject : Suspension of Minister**

Ref: Your letter No. 12641 / 20.11.56

Sir,

I thank you very much for your letter under reference. I am sorry I could not write to you earlier as I had been extremely busy.

I have to inform you that the following were elected officers of the Gossner Evangelical Lutheran Church at the last meeting of the Mahasabha of the Church held in October, 1955:

1. Rev. J.J.P.Tiga M.A; B.D; S.T.M.,  
G.E.L.Church, Ranchi ..... President
2. Mr. N.E.Horo B.A.,  
G.E.L.Church, Ranchi, ~~XXXXXXXXXX~~... Secretary
3. Mr. C.M.Horo,  
G.E.L.Church, Ranchi ..... Treasurer.

These are the Executive Officers. There is a Church Council under the Mahasabha which is its Executive body. There are in all 31 members of this Church Council. As said above the three officers are appointed by the Mahasabha and the rest are elected by the various constituencies which exist in the five states of Assam, Bengal, Bihar, Orissa and Madhya Pradesh.

An illagal movement started by one Rev. J. Toppo was censured by the full Church Council which met from 5th. to 7th. of September,

From: - C. I. K. K. Okil Nag, B.A.,  
Headmaster,  
Lutheran H.E. School,  
Raigangpur.



To

The President, G. E. L. Church of  
Chotanagpur & Assam.  
Head Quarter - Ranchi.

Respected Sir, Yishusahay.

It is known to you that  
the New High School Building of Raigangpur  
is complete to the extent it was to be done  
by M/s Orissa Cement Ltd.

The building is deserted now  
and no proper care could be taken on it  
unless the school is shifted there.

Moreover, we are experiencing  
immense trouble due to lack of accommodation  
and causing some slabs in some windowless  
rooms. Therefore it is suggested that opening  
of the New School Building together with  
dedication thereof may kindly be arranged  
as early as possible.

The Chief Minister of Orissa  
though consented to come for the purpose  
did not reply to two of my letters and  
therefore I see very less hope of his  
coming.

I may kindly be intimated  
if you yourself together with Mrs & Dr. Lokies  
and Rev. Kim Keit could come for  
the purpose at an early date. Rather I  
invite you all for the purpose.  
Yishusahay.

10 FEB 1959  
Raigangpur.

Yours faithfully

10-2-1959  
Headmaster,  
Lutheran H.E. School, Raigangpur



## G. E. L. CHURCH HOSPITAL

AMBAON P. O. BARKOT  
VIA DEOGARH DT SAMBALPUR  
ORISSA, INDIA.

18. 2. 59

The President  
G. E. L. Church of Uthara Wajpa  
and Bram

Ranchi

Dear Mr. Tiga,

I am very sorry to have to  
send you the enclosed letter  
regarding the candidate J. Karkella  
you sent me.

The congregation members told me  
that - in spite of their warnings -  
he gives rather an indecent sort  
of speech towards the young girls  
of Kumergharia. Apart from that  
he is always after libelous etc.  
in the evenings staying overnight  
in Kumergharia. Though it  
wouldn't take him longer than

15 minutes to come home

the hospital or 5 minutes  
if he has a bicycle which he  
is allowed too! Knowing the  
weakness regarding sexual things  
especially in Kumagerich I  
am worried we are heading  
for trouble again. That would  
be really bad for us in the  
eyes of the kind population  
surrounding us. Please help  
us in this matter!

Yours sincerely

with "Fishes Valley"

The Mission

A copy of the congregation's letter  
is sent to Rev. Kloss, Churuba.



True copy.

Lutheran H.E. School,  
Orissa,  
Rajgangpur.

To  
The Editor Gharbandhu.  
Ranchi.

Sir,

Would you be kind  
enough to publish this 'shok  
Samachar' in the Gharbandhu  
of December 1958.

Thanking you.

Yours Sincerely  
Sd. P. Topono  
(Teacher)

No. 2024/58.

Forwarded to  
the manager,  
G.E.L.C. Press  
for the needful.

P. Topono  
for the Editor  
Gharbandhu  
Ranchi.  
24.11.58.

Lutheran High  
School, Rajgangpur.

True copy.

Orissa Cement Limited.  
Rajgangpur,  
(Orissa State).

Ref: No. RP: SEC: 48-115/9205  
April 16, 1959.

The President,  
G. E. L. Church,  
G. E. L. Church Compound,  
RANCHI.

Re: Lutheran School, Rajgangpur.

Kindly refer to your letter No. 75/59 of the 1st February, 1959 on the above subject.

In this connection I am directed to say that the Management regret their inability to comply with your request for maintenance of the school building constructed by the Company for a period of about two years.

As regards water supply to the school premises, the matter has been duly considered and I am directed to say that the Management would be pleased to reimburse half the expenses in case the G. E. L. Church authorities sink a well at their own expenses in the school premises for water supply instead of arranging water supply through pipelines, from our factory.

Yours faithfully,  
For ORISSA CEMENT LIMITED,

Sd/- Illegible,  
Secretary.

Memo No. 454/59.

Copy forwarded to Rev. C. E. Aind, President,  
Orissa Synod for information and the  
needful.

Memo No. 455-57/59.

C.C. to :

President,  
G. E. L. Church, Ranchi.

- 1) Secretary - Manager, Property Board.
- 2) Secretary, G. E. L. Church,
- 3) Treasurer, G. E. L. Church,

*J. D. Gupta 25/4/59*  
President,  
G. E. L. Church, Ranchi.

# अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये



The Rev J.V.P. Tigg,

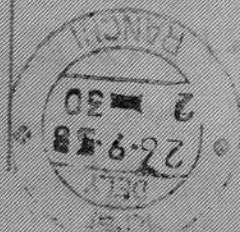
G.E.L. Church,

Rancho

Bihar.

नीसरा मोड़

भेजने वाले का नाम और पता :-



RANCHO

35  
As from: Christ Church House  
Collectorate Rd  
Patna-1, Bihar.  
22.9.58.

Dear Mr Tisa,

Your post card of the 14<sup>th</sup> reached me only to-day - and I'm afraid the copy of the letter of Mr Lakhan Lal, to which you refer, has not reached me at all - so that I have not even received the request to act as convenor of the Reception Committee for the B.C.C. meetings, let alone agreed to do so!

I have been away from Patna on holiday since September 2<sup>nd</sup>, and Mr Lakhan Lal's letter must have gone astray in the post. I return to Patna in a few days, but I shall be very busy when I get back, and cannot say for certain whether I shall be able to undertake this responsibility at such short notice. I will do my best to help, but as I say, I shall have other duties also and am not sure how much I shall be able to do.

I will get in touch with Mr Lakhan Lal when I return, and find out what plans

are being made. I hope it will be possible to hold the meetings in Patna,

With all good wishes

Yours sincerely

J. Guy Bookless

Replied,  
Place Patna Your m o c k  
23-27  
26/9/58



Dated the 25th September, 1958.

From:-C.I.K.K.OKIL NAG, B.A.,  
Headmaster, Lutheran High School, Rajgangpur.

To

The President,  
G.E.L.Church of Chotanagpur & Assam,  
Head Office Ranchi.

Dear Sir,

I have the honour to put forth the following grievances of our High School and earnestly request you to kindly take proper care to ameliorate the grievances as early as possible or I should say without any further delay.

2. That as some of the rooms of our old existing building of the High School were destroyed due to M/s Orissa Cement Ltd. we are very inconveniently managing our school by accomodating our boys here and there. It is pity to note that some of the store rooms (very small without windows) are being utilised as class rooms for the High School. The Office Room was also ~~hurt~~ destroyed and as a result we are to hold the office outside on the verandah and we have lost all the sanctity of our High School Office. Due to this deplorable condition the hopes of the Teachers and far more the hopes of the Students cannot find solace as to what our Church Authorities are doing for the improvement of our High School. This has told upon the strength of our school students as well as the strength of our school staff. Some of the existing rooms also leaks so badly that during rains not a square inch of the floor remains dry. The ~~sight~~ sight of some of the rooms become so deplorable that we the ~~teach~~ teachers do not feel humanly to hold classes in such rooms sweltering with water and mud.

3. No repair is also being done to this old building as it is doomed to be destroyed for the purposes of M/s O.C.Ltd., and as the school is to be shifted to the new building.

4. In this connection I would like to point out that much complacent attitude has been extended to M/s O.C.Ltd., They are progressing the construction of the school according to their own sweet will and left to themselves they will take years together to complete it.

5. I therefore earnestly request you to kindly take up the matter very seriously and give them ~~an~~ a notice to complete the school by 30-10-58 so that we shall sit on that school just from the reopening day after the October holidays. A copy of such notice served either by you or by Manager, Property Board of Management, may be sent to me so that we can persue the matter locally. Next, as it is not possible for ~~You~~ Manager to come often to examine the progress I should like to suggest and it is necessary that some powers may please be delegated to the Orissa Synod President here and to the Headmaster of the School so that they can jointly be the representaives on behalf of our Church to speak to M/s Orissa Cement Ltd., something to expedite the work.

6. As is the condition of the present old building I am destined to take my boys to that new building from the reopening date after the October holidays i.e. 1st of November, 1958.

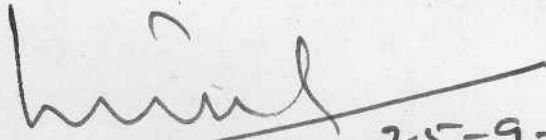
7. Next according to the contract as I understand that the Central Hall is not to be done by O.C.Ltd., This will mean that even if the school is done the central part of the building will look deserted and the outlook of the school will just belie its name of a New School. Therefore, some provision may please be made to construct the Central Hall also from now by our Church or if possible the Orissa Cement Ltd., be again requested to complete that part also as a mark of generosity towards this poor Church which so magnanimously surrendered their lands to

-to them with a very low remuneration. Moreover the present building which they are constructing is in no way better than our old school. The sides' walls are very low, rooms are of less capacity, the windows are without bars, the pillars are very thin and weak, the walls are only 10" thick etc., Under the circumstance we can levy penalty clause on them and ask them to complete the Hall also to recoup the shortcomings sustained the school building.

8. Another important point is that this year the Marwari High school, Cuttack, who were kind enough to entertain our boys to appear Test Examination for Matriculation have declined to allow from this year unless we take permission from the D.P.I. or the Inspector of Schools, Orissa. And I am definite unless we satisfy the conditions of recognition they will not permit ordinarily. The conditions are as regards to (i) Qualified Staff (ii) Strength of the Students (iii) School Building (iv) School apparatus (v) financial stability of the school etc., Therefore, we are to do a lot of correspondences with D.P.I., Inspector of School and Ministers and the Chief Minister. If they do not permit still we are to negotiate with Bihar Secondary Board of Education, for the present, till we have satisfied the condition of Orissa Education Department and get permission from them. So we badly need a type-writer for our outside correspondence to vindicate a good impression ~~from~~ them. Will it be possible to make a special grant for a Type-Writer for this School? Of course the type writer will perform the work both of the school and our Orissa Synod. So for your kind consideration. If any old one available in our Church Head Office we may get it repaired and get the work done.

An early reply and suggestion is requested for.

Yours faithfully,

  
25-9-58.

(C.I.K.K.OKIL NAG.25.9.58)

C.C. to

- Headmaster,**  
Lutheran H.S. School, Rajgangpur
- 1) Shri P.D.Kandulna, B.A. Manager Property Board of Mangement at Jamshedpur.
  - 2) Shri N.E.Horo, B.A. Head Supervisor of Schools at Ranchi.
  - 3) Rev. C.B.Aind, President Orissa Synod, at Rajgangpur.

All the above personnel are requested to kindly help as far as practicable at an early date.

sel/-

**Headmaster,**  
Lutheran H.S. School, Rajgangpur



# Lutheran High English School

P. O. Rajgangpur, Dist. Sundargarh.

( Orissa )

Ref. No. ....

Date. 25.9.58.

To

Rev. J. J. P. Tiga, M.A. B.D. S.T.M.  
President, G.E.L. Church,  
Ranchi,

My dear Sir, "Yishusahay"

Enclosed herewith please find one of my application. I could understand that there was a separate advertisement for the post of Manager. Still thinking about the book I send an application and request to keep in record if it may be useful or else suggest me some ways.

If I do not go away for service outside the church I am interested also to go foreign to have some special degrees or the degree for teacher's training whichever will be suitable.

Long back once in 1951 I had a correspondence also with the then President indicating my desire to go foreign if some chances are offered.

So for your kind remembrance in future.

P. T. O.

# Lutheran High English School

P.O. Raiganpur, Dist. Sundergarh.

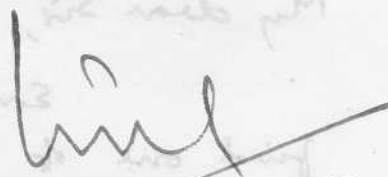
(Orissa)

Date

Ref. No.

I hope you will recognize me  
by name.

Yours faithfully



25-9-58.  
(C. I. K. K. OKIL NAG.)

Headmaster,

Lutheran H.E. School, Raiganpur

From: C.I.K.K.Okil Nag, B.A.,  
Headmaster, Lutheran High School, Rajgangpur.

Ref. No. LHS/HM/3/58      Dated the 25th September, 1958.

To

The President,  
G.E.L.Church of Chotanagpur & Assam,  
Head Office Ranchi.

Dear Sir,

With due respect and humble submission I lay the following few lines for your kind consideration and order.

That I am graduate from the Ravenshaw College, Cuttack, with Mathematics and Economics as my optionals. Now I am 29. I am a member of the G.E.L.Church since my birth. Now I am the Headmaster of our Lutheran High School, Rajgangpur.

That it was the Lord's desire that I could be a well up student throughout my academic career and I could stand first in all the classes beginning from the Infant Class right upto the Intermediate. That in ~~1951~~ 1951 while I was in Sambalpur College I was

1. The President of the College Union,
2. Member of the Editorial Board, College Magazine,
3. Captain of the Hockey Team,
4. Athletic Representative,
5. Class Representative,
6. Adibasi Students' Representative,
7. Mess Secretary,
8. Common Room Secretary,
9. Medical Secretary, and
10. Secretary of the Photographic Association.

That before this undertaking of my Headmastership I was a Personal Assistant to a Minister of Orissa in its last Ministry. There I was for Three Years.

Being in Ministerial Circle and due to my extra-curriculars in colleges I have attained and I have the conviction in me that I can spare myself for some other jobs also besides my work of this Headmaster of this School. And as I am in our Mission Service I wish to seek a scope in the fields of our Church.

Therefore, I wish to offer myself as the future candidate for the post of the Manager, Property Board of Management, of our Church in addition to my this office. So long as Mr. Kandulna can pull on on the post let another post of Assistant Manager be created and if I am well considered let me be appointed as the Assistant Manager to associated and acquainted with the property of the Church Domain so that just after Mr. P.D. Kandulna I can shoulder up the full responsibility and satisfy my spontaneous desire to do a service to the Church.

If I am paid at least Rs.200/- P.M. in this school I am ready to accept that post on Honorary Basis.

Next, I am trying to fortify this school in all ways and to get recognition of the Government if all of you will share trouble to ameliorate the shortcomings as and when I will be letting you know gradually.

With best regards and good wishes and ~~Respectfully~~

*[Signature]* 25-9-58.  
Lutheran H.S. School, Rajgangpur

NATIONAL CHRISTIAN COUNCIL

Ref: S/B. 1134

Christian Council Lodge  
NAGPUR, B.S.

To  
Members of the N.C.C. Executive  
Committee

September 24, 1958

Dear Friends:

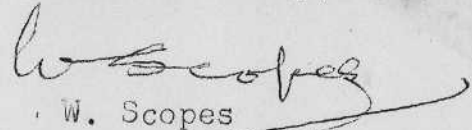
I enclose herewith a tentative Agenda for the next meeting of the N.C.C. Executive Committee which will be held here on October 28-30, 1958. Would you kindly inform me at once if you have matters you wish to have included.

We hope it will be possible to finalize the Agenda and despatch to you the first batch of preliminary material on October 6th. The usual card about arrival and departure will be included at that time and we will do our best about return reservations as you instruct us.

The second and final batch of material will be sent not later than October 15th.

We hope you will do your best to plan to stay until the end of the meeting on the 30th.

Yours sincerely,

  
W. Scopes

N.C.C. EXECUTIVE COMMITTEE

October 28-30, 1958

TENTATIVE AGENDA

1. Devotions
2. Roll Call and Hours of Meeting
3. In Memoriam
4. Welcome to Visitors
5. Confirmation of the Minutes of the meeting held Feb.11-13, 1958
6. Matters arising (not otherwise on the Agenda):
  - a) Gass Memorial Centre - Ref: V (1)
  - b) Membership in the Council - Ref. VI
  - c) New Visa Procedure - Ref: VII
  - d) Reorganisation of N.C.C. Departments - Page 5
7. Ecumenical Relations:
  - a) I.M.C. matters: (i) I.M.C.-W.C.C. Integration  
(ii) Oxford Consultation
  - b) E.A.C.C.: (i) Proposed Assembly, May 1959  
(ii) Report on Financial Support
  - c) Inter-Church Aid requests
8. Address by Rev. A.K. Orchard and discussion
9. Triennial Meeting of 1959:
  - a) Theme
  - b) Place
  - c) Membership matters
  - d) Constitutional matters including change of name
10. Financial Matters:
  - a) Treasurer's report
  - b) Progress report on new procedure for receipt of funds
  - c) General Fund budget for 1959
  - d) "Friends of the Council"
  - e) Finance Committee recommendations
11. Tokyo Meetings
12. Report on Lambeth Conference
13. Statement on place of Foreign Missionaries in the Church
14. Headquarters Property
15. Adult Education
16. Church and Evangelism
17. Literature Matters
18. Medical Matters
19. Marriage and Divorce
20. Radio and A-V. Service Council Matters
21. Relief Committee Matters
22. Church and Property
23. Publicity
24. Work Among Anglo-Indians
25. Secretariat Matters
26. Danforth Fellowships
27. **History of S.G.Ms.** - Request for grant
28. Tenth Anniversary - Declaration of Human Rights
29. Date of next meeting
30. Any other business
31. Closing Prayer and Benediction.

The Gossner Evangelical Lutheran Church Ranchi.  
HEAD QUARTERS CONGREGATION

Rev. S. KULA, Chairman.  
Mr. S.P.P. BAKHLA, Secretary.  
Mr. J. HORO, Treasurer.

RANCHI

Date 27-9-1958

To

The President

G. E. L. Church Ranchi

महोदय,

आप को धीमेसहारा।

आगे आप को जाना जाता है कि आज ता. 27-9-58  
दिन शनिवार शाम 8 बजे Luth. Theo. College में छात्र  
सिरनी उद्याने हारे इकट्ठे होंगे। इस अवसर पर वच्चों  
के उत्साह के निमित्त एक दोरा भाषण देने के लिये आप  
से निवेदन किया जाता है। शाम की बियारी में भी आप  
को निमंत्रण है।

आप का दान सेवक,

Rev. J. J. J. J.

For  
Rev. S. Kula



Mr. J. HORO, Treasurer.  
Mr. S. P. P. BAKHIA, Secretary.  
Rev. S. KUL, Chairman.

189

Received Dec 19  
at 3 pm on 28 9  
58

अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न लिखिये

URGENT



To, The President  
G. E. L. Church, Ranchi.

P. O. Ranchi.

Dist. Ranchi (Bihar)

तीसरा मोड़

भेजने वाले का नाम और पता :-

Rev. P. D. S. Baid  
G. E. L. Church, Ranchi.  
P. O. Ranchi, West Bengal  
20/1/56



यहाँ काट कर बाँटिये

To,

The President

G. E. L. Church, Ranchi.

Purulia.

20-11-56.

Sir, Thanks for your letter no 4443/56 dated, Ranchi the 14<sup>th</sup> Nov. 1956. According to your letter I mention the following centres for your information and guidance.

1. Purulia :- Mr. N. P. Hall Synod Secretary, Purulia.  
As Purulia is the Synod Centre, you can get every possible finding which you require. There is one Pracharak & one church bearer in Purulia centre.
2. Adra :- Mr. S. Nantowar (Secretary Adra)  
DEN's office Adra, Manbhum. W. Bengal.  
 $\frac{1}{3}$  income is centralized. There is no catechist. Volunteer system is utilized.
3. Burspur :- Mr. E. M. Kandi (Vice President of the Hindi Union church Burspur)  
Coast. Laboratory J. S. S. Co. Burspur. P.O.  
Burspur. (W. Bengal) Dist. Burdwan.  
 $\frac{1}{3}$  income is centralized. Volunteer system is utilized.
4. Kulti :- Mr. A. M. Jopno (President)  
Ranchi Dhanra Kulti.  
P.O. Kulti. Dist. Burdwan. W. Bengal.  
There is Labour strike since two years. Christians are in difficulty. No regular centralization.
5. Jharia :- Mr. B. K. Rachhap.  
Office of the Superintendent of Post Office  
Dhanbad.  
P.O. Dhanbad. Dist Dhanbad (Bihar)  
Christians are scattered here and there. No regular attendance in church services. No regular centralization since 1953. Volunteer system is utilized. This area includes Sindri also.
6. Burda Parish :- Mr. L. M. Sandil.  
G. E. L. Church, Burda.  
P.O. Burda. Manbhum.  
W. Bengal.

(2)  
Burda Parish does not care for centralization.  $\frac{1}{3}$  income should be centralized but it is also irregular. In this Parish there are catechists working in each mandli. They are all local men.

### Notes for information :-

#### Centralization System in the Manbhum Synod :-

- (a) The whole church income is centralized. <sup>as per the</sup> ~~in paper only~~  
The income is divided into three equal parts.  
 $\frac{1}{3}$  is centralized in the Synod for payment.  
 $\frac{1}{3}$  " " " " " repair Fund.  
 $\frac{1}{3}$  " given to the Pracharaks.
- (b) Average monthly income of the Pracharak pairs :-
 

|                  |                                                                                                                                                                                                                               |           |                                                                                                               |
|------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| (1) Purulia      | 60/-                                                                                                                                                                                                                          | per month | :- Full centralized                                                                                           |
| (2) Adra         | 20/-                                                                                                                                                                                                                          | "         | :- $\frac{1}{3}$ "                                                                                            |
| (3) Burspur      | 15/-                                                                                                                                                                                                                          | "         | :- $\frac{1}{3}$ " (union church)                                                                             |
| (4) Kulti        | 5/-                                                                                                                                                                                                                           | "         | :- Part of the income centralized                                                                             |
| (5) Jharia       | 10/-                                                                                                                                                                                                                          | "         | :- " " " " " "                                                                                                |
| (6) Gorumahisani | nil                                                                                                                                                                                                                           | "         | :- (Rs 10/- P.M. rent for church building is paid) income is centralized in the union church of Gorumahisani. |
| (7) Khudiband    | 2/-                                                                                                                                                                                                                           | Per month | :- very small church. no centralization (4 families)                                                          |
| (8) Rudra        | 2/-                                                                                                                                                                                                                           | "         | "                                                                                                             |
| (9) Burda Parish | :- $\frac{1}{3}$ of the income is kept by catechists themselves and $\frac{2}{3}$ is centralized in the Parish but there is irregularity in their centralization system. There is no Prabhuprit & Nayakhami dan in the Synod. |           |                                                                                                               |
- (c) Manbhum Synod has its own centralization system. It does not like to adopt the centralization system of the Goswami church. Owing to the  $\frac{1}{3}$  of the income centralized, workers have to face much difficulty. You may see the Pay Book of the Synod here.
- (d) All church expenses are done <sup>from</sup> ~~by~~ the church fund <sup>& white washing</sup> for repairing of church buildings and white washing of cemetery and road repairing etc. Workers are pressed by the members to increase church income but they ~~they~~ are silent and do not care for improvement.

In every respect the Maunbhum Synod is backward. The Synod demands church ministry but it does not wish to take care for its minister. It is not the new thing but this kind of mentality of the Synod is based from the very foundation of the church. A minister is ruled by the members thus he cannot do the minister ministry according to his will.

Well! this much I could mention here, you may study the situation on your Tour this time. According to my notes you may study the situation of the Synod three fourths, indeed.

Would you kindly let me know your Tour Programme in time so that I may send information to mandolis. I shall be very much thankful to you for your letter. My programme for Nov. and December is fixed:

25<sup>th</sup> Nov. '56:- Tharia  
26<sup>th</sup> " } + Dhanbad } Katni.  
2<sup>nd</sup> Dec. '56:- Kukti:- Katni.  
9<sup>th</sup> Dec. '56:- Paralia:- Katni.  
16<sup>th</sup> } " 56:- Panagar visit.  
17<sup>th</sup> }  
18<sup>th</sup> }

I would be very much thankful to you if you can set your Programme accordingly.  
Yishusahay to you with love and kindest regards.

I am,  
Your obedient servant in Christ.

P. D. S. Pop  
Synod President. G. L. Ch.  
Maunbhum Synod  
Punbia.  
20/11/56.



Report of the Tabita Bible and Buniyadi Training School,  
Govindpur.

-----  
Total Roll - 16.

In 1st. year class ...12 students have been admitted in the month of June last and they are :-

1. Miss Ruth Horo Merle...Govindpur Sy.
2. " Elizabeth Kerketta... "
3. " Mariam Lakra , Urmi..Northern Synod.
4. " Hiramani Topno, Barjo...Govindpur Sy.
5. " Marsa Burh , Pogloya...Takarma Sy.
6. " Sura Sagen Burh ,Pogloya..Takamma Sy.
7. " Enzelina Topno Kotbo...Govindpur Sy.
8. " Marsa Topno ,Derang...Burju Sy.
9. " Hiramani Lugun ,Junain..Orissa Sy.
10. " Hiramani Hapadgara...Burju Sy.
11. " Muli Horo ,Chalungi..Govindpur Sy.
12. " Kuwari Herenz,Dhanakunzi...Govindpur.

In 2nd Year Class:-

There are 4 in number ~~and they~~ who will complete their course in June '59. They are as follows:

1. Miss Sewani Bage ..Lomboi.
2. " Kanti Lakra, Panisani.
3. " Alma Horo, Jarakudar.
4. " Mrs. Lily Topno, Burju.

In the month of June last the school had to admit 27 students but only ~~x~~ 12 applications were received and they have been admitted . There is still 15 seats . The applications have been invited for the same. The Committee desires to admit 15 new students in the month of January 1959.

The Session in the school department is changing from January 1959 and the ~~new~~ session will be from January to December. Therefore it is ~~xxxxxx~~ desirable to change the session i.e. to be begun from the month of January instead of July. The above two proposals are for the approval of the Church council.

Miss Ishrarin Lakra and Naemi Hemrom who have completed the course in June last now working in the Tabita School's craft section have expressed their desire to be appointed in any sy nod as Mandli Sewikas.

The school has been closed for Christmas from the 16th Of November to 6th of January 1959.

*S. Swin 2/12*  
Secretary ,Tabita School.

L.M. 1957/58

35

From

Rev. D. Hemmon  
Camp Manoharpur  
Siding

To

Date 28.11.58.

The President

G. E. L. Church Council  
Ranch.

महोदय,

आप को धीरुसाय । आप का  
p.c मुक्त के 26.11.58 को प्राप्त हुआ ।  
मैं 27.11.58 को आप के p.c में लिखित विषयों  
को तदारुद करने के लिये यहां आया हूँ ।  
आप के पास Anandpur State (Coarom parish)  
के Runghi मराडली के कितने गाईयों का  
दरखास्त के विषय में जांच किया । p.c में  
आप ने उस मराडली का नाम Rudhi लिखे  
हैं, यह गलत है । उसका नाम Runghi  
है । यह मराडली Anandpur State  
के खारडर में है । यहां मराडली के गाईयों में  
को विचार है । कितने लोग Orissa Synod  
में रहना चाहते हैं और कितने Singbhum



Synod में भाना चाहते हैं। उनके इन दो  
भिन्न विचारों का कारण मुझे मालूम नहीं लगा।  
मुझे तो आप के चिह्न मेताबिन्द उस मराठली के  
तकलीफों के जाने हल करना है पर चूंकि यह  
मराठली अब तक Orissa Synod ही में  
है जिसके कारण वहां जाना मेरे लिये शक  
नहीं है। साधारणता ऐसा मालूम होता है कि  
भानूपुर इलाक़ा के बहुत अधिक मराठलीयों  
C.C. के फैसला मेताबिन्द Singbhum Synod  
में बहुत अच्छे भाना चाहते हैं।

Singbhum और Orissa Synod के  
सामंजस फैसला के अनुसार 7.12.58 को  
Anandpur state को मराठलीयों का चार्ज  
Singbhum Synod को मिल जाता है पर अब  
तक Orissa Synod से हमें कोई खबर नहीं  
मिला है। फिर जब C.C. की मीटिंग 2 से 6  
~~दिसम्बर~~ दिसम्बर तक होगी तो Singbhum  
और Orissa Synod को Anandpur का चार्ज  
देना और लेना का प्रोग्राम 7.12.58 को  
होना नहीं हो सकेगा। कृपया C.C. मीटिंग के  
अवसर पर ही Singbhum और Orissa Synod

के प्रतिनिधियों के साथ चार्ज ~~देने~~ देने + लेने  
का अवकाश फिर से ठीक किया जावे।

आप के P.C के अनुसार दूसरी बात के विषय  
अर्थात् Nondpur मण्डली के विषय में मनोहरपुर  
मण्डली के पंचों के साथ बातचीत किया। ऐसा तो  
Nondpur के विषय को हम C.K.P पेरिश में  
रख चुके हैं। C.K.P पेरिश को एक महीनता यह  
है कि Nondpur वाले पेरिश को बिना जताये  
ही C.C. प्रेसिडेंट के पास नालिश पेश कर दिये।  
और भब के Church Council को छोड़ कर N. Zone  
में चले गये। इस छोटी मण्डली को N. Zone में  
भगुवाई करने में मनोहरपुर के ही कितने गाई हैं जिनमें  
Sri Iswaidan Khalkho का नाम विशेष  
स्थान रखता है। भब वह मनोहरपुर के  
Steel Trading Co. से भबसर गृहण कर Ranchi  
कठरुटोली में रहता है। Nondpur मण्डली  
आगे Rev. Z. Khalkho को सेवकाई के लिपे  
बुलाती है। मैं तीन पंचों के विशेष रीती से  
ठहरा दिया हूँ कि वे Nondpur के गाईयों से  
मिलें और उनके समझावे तब उसके बाद  
मैं खुद उतरे मिलुंगा। अभी मैं नहीं बोल-  
सकता हूँ कि Nondpur के गाई लोगों का

भारवरी विचार क्या होगा ।

अब मैं इतना विषय पर पत्रान्त करता हूँ ।

उम्मीद में आपका निवेदन

L. Munro

28/11/58



35

From:- Premchand Biling.  
Kiralaga Kumbatoli  
P.O. Kiralaga.  
Dist. Sundargarh.  
Date- 9-12-58

To,

The President,  
G. E. L. Church, Ranchi  
Ranchi

Sir,

Respectfully I beg to state that I could not attend the Council meeting due the following reasons. There was a ~~the~~ case about land property on 28<sup>th</sup> Nov 1958. But my case did not clear up on that day, and it continued upto 1<sup>st</sup> December 1958. On 1<sup>st</sup> December the case cleared. After that I ~~was~~ suffered with malarial fever, and still suffering.

I, therefore request your honour to kindly grant my absent. For which act of your kindness I shall remain ever thankful to you.

Yours faithfully,  
प्रेमचंद बिलिंग  
(Sd) Premchand Biling

35

Sambalpur

17.12.58

Nammy thanks for your  
letter, concerning  
Roukela.

I shall try to  
arrive at Roukela  
either on Sunday  
evening or early  
on Monday morning  
(at 6.0 a.m.) -

If, by any chance  
the meeting is  
cancelled please

send me a wire  
by Saturday.

(ours sincerely)

L. Q. M.



पोस्ट कार्ड

का कार्ड जव



Rev. Tiga,  
G. E. L. C.  
Mission Compound

P.O. RANCHI

Behar



35

Rajgangpur.

17-12-58.

To,

The President,

G-E. L. Church, Ranchi.

Sir,

please send the authorization  
to the Orissa cement, Orissa  
letter, for drawing the annual donation  
of Orissa cement - Ltd., Rs 1000/- for the  
year 1958, and send  
me the copy of the same.

The secretary Mr.  
Datta has directed  
me to ask you  
for the same.

Yours faithfully  
C. B. A. C.

पोस्ट कार्ड

11:40 AM

केबल पता

RANCHI



To  
The President  
G. E. L. Church  
Ranchi.

From:

The Rev. e. B. Amal.

Replied 35

18/12/58

G. E. L. CHURCH

RAJGANGPUR

Dated 15/12/58.

To,

The president, G. E. L. Church,  
Ranchi.

Sir,

I beg to inform you the following for your information and necessary action:-

- (1) The sch<sup>n</sup> building is ready. please come to take charge of it or give direction for the same.
- (2) Director Lockis's visit to Rajgangpur:- As Dr. Mahatap (chief minister of Orissa) has been requested to come to Rajgangpur for inauguration of the sch<sup>n</sup> building and he has consented to do so any day between 15<sup>th</sup> and 31<sup>st</sup> January 1959. Therefore let us try to fix such

a date which will be convenient  
~~for~~ both for the chief minister  
and Director Lockie.

N.B while coming for Ranchi  
meeting, please bring some  
census forms for me. I  
am writing Mr. Soekay to  
give you the same.

Yours faithfully  
C.B.A.C.

पत्र कार्ड

17.12.55

8:00 AM पत्र



To, The President—

G. E. R. Church—

Ranchi—

(Prihar)—

UNDER CERTIFICATE OF POSTINGS.

अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रक्खिये



Rev. J. J. P. Tigg, M.A., E.D.,

President, G.E.L. Churches,

Mission Bungalow,

R A N C H I. CHOTA NAGPUR Bihār. ↑

← तीसरा थोड़ा →

↓ दूसरा थोड़ा

भेजने वाले का नाम और पता :-

P. M. DAS,  
G. S. S. Mission, Orissa  
Church Lane, Belpampur (Ganjam)



35

# 20/12/58

December, 16th 1958.

P. M. DAS,  
G.S.S. Mission, Orissa,  
Church Lane, Berhampur (Ganjam.)

Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D.,  
President, G.E.L. Churches, Ranchi.

Dear Mr. Tiga,

Warm greetings to you all in the precious name  
of our Christmas Lord.

Perhaps you have not yet forgotten me whom you  
met at Jharsugda on the train (Nagpur Passenger) way to Nagpur.  
According to your wise instruction I am hereby informing you  
that I have been trying to visit all churches of Orissa includ-  
ing the Lutheran churches in Koraput district and Sundargarh  
district. Formerly I went to Ranchi also. You know our work  
well when our late brother Mr. B.B. Yunus was working in Bihar.  
So I shall be grateful that if you will kindly inform all your  
churches of our work and that we may have cordial welcome to  
their churches as other churches do. Last year while visiti-  
ing your Rajgangpur church Rev. Aind asked me to get a permiss-  
ion from you; but as you said to me that now permission is  
necessary only to inform you formerly which I hereby do so  
according to your advise. Kindly also let me know your glad  
approval for which I shall be grateful.

If you at all need my services in Ranchi distri-  
ct I shall gladly some time next year if possible with our  
Hindi speaking man Mr. W.O. Simon who is now touring round all  
the Hindi and Urdu speaking areas.

With my best wishes and kind regards,

Yours sincerely,  
In His Service,  
P. M. DAS

P.S.

I have already suggested a come visit to  
Rajgangpur + Buramitapur in May 1959

PS



35

Runga.

21-1-59.

To

The G. E. L. Church, President  
J. J. R. Riga.

ਧੀਰੂ ਸਾਹਿਬ।

ਸਾਹਿਬਾਬਾ,

ਮਾਪਾ ਤੋਂ ਮਾਘੀ ਹੈ ਕਿ ਮੇਰੇ ਪਰਿਵਾਰ ਦੇ  
 ਸੁਤ ਹਸਾਟਕਾ ਮੇਰੇ ਕੁਟੁੰਬੀ ਮੇਰੇ ਕੋਟੀ  
 ਪੁਲਾਹੁਕਾਰੀ ਮੇਰੇ ਕੋਟੀ ਪੁਲਾਹੁਕਾਰੀ ਮੇਰੇ ਕੁਟੁੰਬੀ  
 ਸੰਗਲ + ਪੁਲਾਹੁਕਾਰੀ ਸੋਰੇਗਾ ਕਾ ਕੋਟੀ ਸਾਮੁਰਲ  
 ਸੋਰੇਗ ਪੁਲਾਹੁਕਾਰੀ ਹਨਕਾ ਅਚਨਕਾਤ ਹੋ ਗਏ।  
 ਸਾਮਾ ਕਾ ਅਸੀਂ ਹੋ ਉਸਰੀ ਪੁਲਾਹੁਕਾਰੀ ਤਕਲ  
 ਪੁਲਾਹੁਕਾਰੀ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਮਾਪਾ ਤੋਂ ਮਾਘੀ ਹੈ ਕਿ ਤਕਲ  
 ਪੁਲਾਹੁਕਾਰੀ ਕਾ ਹਜ਼ਾਰਾਤ ਦੇਖਿਓਗਾ।

ਮਾਪਾ ਕਾ ਵਿਰਾਸਤ

Rev. S. Bage

Runga, P. O. Riga.

P. O. Runga.

Via. Bamra.

Dist. Sunclargark.  
(ORISSA)

35

Rajgangpur.  
7-1-59

No 24/59

From: The Rev. C-B. Friend.

To, The president, G-E-L. Church, Ranchi.

Sir, Received. your p.c. sent from the  
Madras Mail. Accordingly I am  
writing this p.c.

Up till now inspite of a reminder no  
reply have come from the chief minister  
Dr. Mahatah. It is heard that on the

17th he is coming to  
Sundargarh. We were  
sent a telegram  
to him. As such let me  
know whether the dedica-  
tion of the school will be  
on the 19th or not.

Next it is too short a  
time to have a Sherani  
mela on the 20th.

Let me know the program  
me of Director Lockis so  
that I can circulate notice  
all over the area.  
Yours faithfully  
C. M. B.

DELV  
12-1-59  
8 30 AM  
पोस्ट कार्ड

केवल पता



To  
The President -

G. E. R. Church

Ranchi.

September, 1956. He has been ordered to close down his movement. The findings and resolutions in this connection have been sent to him and all concerned and have been printed and circulated in the Monthly Magazine of the Church "The Gharbandhu" which is the official organ of the G.E.L.Church (a copy is enclosed herewith -- vide pages 3, 413 and 14 of October Gharbandhu, 1956). It is in Hindi and I am sending you a copy of the English Translation of the findings and resolutions.

It may kindly be noted that Revd. Zachariah Khalkho and Revd. Sharan Purty were suspended in June, 1956. The order of suspension was given by the President of the G.E.L.Church duly confirmed by the Council of the G.E.L.Church in Chotanagpur and Assam.

According to the orders of the Church Council of the G.E.L.Church, Rev. Z.Khalho is no longer in service of the G.E.L.Church. He has been already substituted by the Revd. Christ Bijay Aind who joined office at Rajgangpur in the month of July, 1956. Revd. Stephen Dungdung has taken the place of Sri Sharan Purty. He has also joined office and Sri Sh. Purty has left Ghogher already.

It is earnestly prayed that the licenses requested for may kindly be granted at the earliest convenience as the season for marriages has already come.

We are indeed very sorry for the inconvenience caused by the illegal movement of some people and we do hope that the matter will be clear to you now with all these informations.

Yours Faithfully,

PRESIDENT,  
G.E.L.Church in C.N.&A.

- Encl : (a) a copy of the October issue of the "Gharbandhu".  
(b) A copy of the Charwahi patri sent out by the President, G.E.L.Church  
(c) A copy of suspension order given to Rev. Z.Khalkho and Rev.Sh.Purty.

35 Sambalpur

21. 2. 59

Dear Mr. Tigo

I had a P. E. from  
Dr. Piuseth telling me  
that the Korkda  
meeting will be on  
the 9<sup>th</sup> & 10<sup>th</sup> (am). So  
I have informed  
Rev. Kondpan (J. E. H. C.)  
& Rev. Sheatfield of  
the Church of India -  
also the Sambalpur  
people - I hope to  
be present. -  
Shall I see you at the  
N. E. C. Executive?

100 Day

from Bangalore

over Belgaum -  
Koppe SS - and  
then we can talk



पोस्ट कार्ड  
कैंसल पता



Rev. J. H. Tiga

G. E. L. C

P.O. RANCHI

Bihar



35  
G.E.L. Church,  
Rajgampur.  
Date. 8/8/58.

Dear Sir,

Would you kindly let me know the name and address of that gentleman who has submitted the sermon for 13 Trinity, Sunday, 31 August/58. on St. Mark.12, 42-44.

Thanking you.

Gr. JUNE. Yours Sincerely, G.E.L. Church, RANCHI (B)

( B.K. Hemrum. )

पोस्ट कार्ड

9-8-58

2 केवल-पता



To.

The Editor,

"The Gharbandhu."

G.E.L. Church, RANCHI (B)

16-259  
11301M

RANCHI

पोस्ट कार्ड

केवल पता



President,

G. E. L. Church

Ranchi.

No 28/59 35

Rajgangpur

13/2

From:

Rev. C. B. Frid.

To

The President

G. E. L. C. Ranchi.

Sir,

About the giving of the old  
schl building for some  
purpose to the schl  
department, please ask  
them to contact with  
the local committee here  
at Rajgangpur. It seems  
that they wish to take  
for a long time

Yours faithfully  
C. B. Frid.

af

✓  
OBS. 11/52

14.5.

9

Allowed that the fee of Rs 111 be paid for the  
marriage of Mr. S. C. Gupta of Mechanical  
Branch be announced at Chaitanya and on  
the 11th. inst.



35

o/c

531/59

14th. May

9

Sri Dan Emmanuel Kujur,  
Assistant Medical Officer,  
Batiagarh, Daman ( M.P.)

Dear Dr. Kujur,

I thank you for your letter dated the 7th. inst. received yesterday.

Yes there is a vacancy at the Amgaon hospital under the Joint Mission Board of the G.E.L. Church of which Rev. H. Kloss is the Secretary. Treasurer and myself the Chairman. I note that Sister I. Martin has written to you in this connection. We shall certainly be very anxious to invite you for the work there as a doctor if you kindly accept the terms of the service and the Board decides to take you. So far there are no terms made but I feel that there should be some. If you kindly let me know what terms you yourself would like to enter into I shall be pleased to consider them along with the other members of the Committee. Would you kindly let me also know your qualifications.

10

530/59

14 . 5. 9

Dear Mr. Kandulna,

Thanks for the letter No.  
BMS/54/59 dated May 9, 1959 and the enclosure  
I have forwarded the same to Rai Bahadur Hatan  
Lal ( H.C.Jain ) for the needful.

Yours sincerely,







36/  
CONFIDENTIAL.

Ref. No. 563-64/59.

Ranchi,  
The 19th May, 1959.

Rev. C.B. Aind, Synod President,

---

Rev. C.P. Kandulna, Ilaka Chairman, Jorabandh.

Dear fellow-pastors,

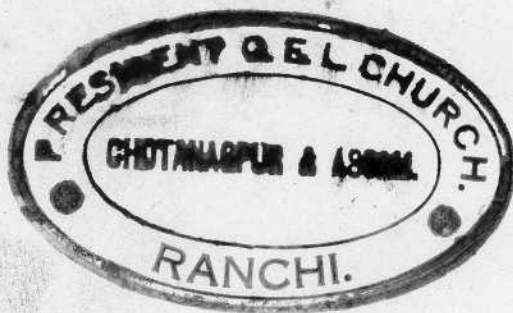
Yesterday I heard from a very reliable and respectable member of our Church that about 200 Lutheran families have gone back to their original religion under the leadership of one of our own men. I heard this for the first time and I am indeed quite alarmed and I am much more so thinking of the future.

I have decided to come to Birmitrapur on Saturday, the 6th June, 1959. I shall spend Sunday the 7th. at Birmitrapur and then proceed to Rourkela. I would want you to kindly make a programme for me for 8th, 9th and 10th June to go round such places where my visit in this connection will be necessary and useful. I want to take with me some leading men from this side who will be competent to speak to them e.g., Sri Nicodim Samad of Keronjo Synod, Rev. Dr. Bage, Rev. S. Kula.

After the Ilaka Amsabha at Dahijira on the 11th. June, our programme for Cuttack should follow with Yishusahay and good wishes.

Yours Sincerely,

*[Signature]*  
President,  
19-5-1959.



072-35/  
Ref. No. 565/59.

Ranchi,

The 19th. May, 1959

Rev. Patras Surin,  
G. E. L. Church, Birmitrapur,  
Dist. Sundargarh, Orissa.

Pyare Padri bhai ,

Ap ko aur ap ki pariwar ko mera  
Yisusahay. Main Orissa men, bishes karke Dahijria  
ke aspas safar karne ke liye ja raha hun. Main do  
ya tin , ho sakta hai sab jama char , June ta: 6 Sanicha  
ke roj Birmitrapur pahunchenge. Etwar ta : 7 June Birmi  
trapur men bita kar ham log Rourkela jaenga aur tab  
wahan se age barhenge. Ichha hai ki ham log Kalisha ki  
gari men Birmitrapur tak jaenge aur age le jana na  
bane to wahan chhor kar age barhenge.

Rev. Aind Synod President aur Rev.  
C.P. Kandulna ko bhi chithi likh raha hun.

Age shubh. Mandli ke sab kh  
bhai bahinon ko Yishusahay howe.

Prem se,

*Johga*  
19.5.59  
President, G. E. L. C.

# NOTICE

Is hereby given that a meeting of the two parties involved in the cases in the Law Court will be held on Tuesday the 19th. May 1959 in the Theological College room at 5 p.m. All are requested to be present.

Subject for consideration : All cases in the law court.

|                                                                   |                                              |
|-------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------|
| Chairman,<br>Church Council Hd. qrs. Congregation<br>Mandli Panch | Chairman,<br>Hd qrs. Mandli Panch<br>Ranchi. |
|-------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------|

|                |                               |            |           |
|----------------|-------------------------------|------------|-----------|
| Church Council | Names of Parties<br>Signature | North Zone | Signature |
|----------------|-------------------------------|------------|-----------|





*o/c.*  
CONFIDENTIAL.

35/  
Ref. No. 567-569/59.

Ranchi,  
The 19th. May, 1959

Sri Nicodim Senad, member Korumbo Synod  
Dr. M. Paga, Principal, C.H.S.  
Rev. S. Kula, Chairman, Ranchi

ryare bhaiyon,

Bishwasayogya shutron se malum huwa hai ki Orissa ke anek gawon ke Lutheran bhai bahin log bahutave men parkar Masihi bishwas ko tyag diye hai. We lagbhag 200 Munda gharana hain. Yah bat sunkarhi main ne socha ki anek bhaiyon ko lekar main un jagahon men jaun. So main ne yahi bichar kiya hai ki ap sejjanon ko sath lekar wahan jaun to labh ho sakta hai. Yadi we firaye nabhi ja saken to unko ek bar firane ki koshish to jarur hi karna hai. Mujhe nischay hai ki ap log is bat men jarur raji ho jaenge. Programme is prakar ka hai :

seniwar 6 June ... Kalisha ki gari men Ranchi se Birmitrapur jana.

Stwar 7 June ..... Birmitrapur men bitana  
Usi roj satjh ko Bourkela jana

sonwar 8 se Rife 11 June ... Padri Aind ke  
sallah mutabik safar karna.

meri arji hai ki ap log is bichay men meri sahayta karne ki bishesh kripa kijiye. Main jabab ki sahe men rahunga.

Age shubh

P.S. Sri Nicodim Senad  
Thethaitangar men 6 June  
ko hamari sahe men rahe.  
Kisi bhi samay dopahar ke bad  
Thethaitangar pahunchenge.

*Dr. Paga*  
19.5.59  
President

Ref No 570-71/59

Copy to Secy / Treas. G.E.L. Church



35

To,

The President G.E.L. Church in  
Chhata Nagpur and Baram.  
Ranchi.

Sir

Most humbly and respectfully we beg to state that,  
the Dedication of the Church of Ladakudar Orissa  
Synod, built by German Congregation Rauskela will be  
held on 18th January 1959.

We are very much willing to have the kind  
presence of Dr. Lokies, Mrs. Lokies and Rev. Klemkeit on that  
noble day.

Therefore we request you to approve the same.  
For which act of your kindness we shall as in duty  
bound ever remain grateful to you.

Faithfully yours.

H. S. Rao. Hdmaster

Secy

Church Consecration  
Committee Ladakudar

Date 15/12/58

# The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

REV. J.J.P. TIGA, M.A., B.D., S.T.M.

President



G.E.L. CHURCH COMPOUND  
RANCHI, BIHAR (INDIA)

Ref. No. 345-364/59.

Dated the 2nd April, 1959.

Dear friends,

The Gossner Evangelical Lutheran Church has a new hospital at Angaon in Orissa out in the interior part in the Barkot thana and Sambalpur District. A German nurse has been there for the last 6 or 7 years and for some time we had also a German doctor. The doctor had to leave the country last October on account of certain terms with his Government in Germany in connection with his pension. The Gossner Mission Society is looking for a German doctor to replace him. Meanwhile the Governing body has decided to employ an Indian Christian doctor on a permanent basis. Would you kindly let me know if there is any one, who would be willing to join this post. It will certainly mean sacrifice to some extent, a Missionary zeal and readiness to withstand rural inconveniences. We are ready to pay him at Government rate as it is in vogue in Orissa and, if necessary, a special allowance.

For further details the candidate may be directed to correspond with the undersigned.

Thanks.

Yours Sincerely,

*J. J. P. TIGA*  
President,  
G.E.L. Church, Ranchi.



Rajganga रोजी १३:१-१०<sup>३५</sup> ३२  
1957

मिचलान पत्रेश्वर की मोर  
से है।

१. मिचलान को सारहा कलना पत्रेश्वर  
का सारहा कलना है।
२. मिचलानी पत्रेश्वर का सेवक है।
३. मादा गजना पुनकलना है।

१ मिचलान = समा

२. मिचकारी = मिचल

३. मादा गजना — सर्वकार

Dear Rev. And, No 33/57  
 Your letter, dated 8.2.57

- 1) Thanks for your offering.
  - 2) I have yet to hear when Dr Lorie is arriving. I have written to him to come to Rumbula on the 15<sup>th</sup> morning and see Rumbula on that day and then in the evening proceed to Rajgampur by the Passenger. I want him to come to Rumbula direct from Rajgampur by the passenger which arrives at Rumbula in the morning at about 5 A.M. I am planning to go to Rumbula on the 14<sup>th</sup> night.
- Yours sincerely

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR  
AND ASSAM.

MISSION ESTD. 1845—AUTONOMOUS 1918

ORISSA SYNOD

No. 33/57

RAJGANGPUR.

From: The Rev. C. B. Aitch.  
Synod president, Orissa

Dated 2-2-57

To, The President, G. E. L. Church,  
Ranchi.  
Sir,

Received your letter no 258-73/57 and  
the enclose about the arrangement  
of Zeep. On above matters I have to say  
the following —

(1) Regarding the restoration of Rev. J. Turkey <sup>on 10-2-57</sup>  
I have nothing to say against it, because  
the action is <sup>being taken</sup> quite in accordance with  
the spirit of the last decision of the full  
ministry.

(2) Regarding the arrangement of Zeep  
I think that we should ask the Company  
on the very day you arrive here. This is  
if of obligation I am not approaching to the  
Secretary for a Zeep.

Yours sincerely  
C. B. Aitch.

**The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam**

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

**President:—Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M.**

**G. E. L. CHURCH COMPOUND  
RANCHI, BIHAR (INDIA)**

*Ref. No .....*

*Dated the....4th....Jany.....195 7*

**Dr. E. Asirvadham,  
Head of the Dept. Of Political Science,  
University of Nagpur, Nagpur.**

Dear Dr. Asirvadham,

Thanks for your your kind letter, I am looking for a house for you in a suitable locality. There are several alternatives. I shall make the final choice before your arrival. Please let me know when and how you are arriving at

town .

With all good wishes and a hearty welcome to our

Yours Sincerely,

**J.J.P.Tiga.**

35

**The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam**

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

**President:—Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M.**

**G. E. L. CHURCH COMPOUND  
RANCHI, BIHAR (INDIA)**

**Ref. No ..... 21/57**

**Dated the ..... 5th. Jany. 1957**

Sri P. Topno,  
Alexander institute,  
P.O. Birmitrapur, Sundargarh.

Pyare bhai,

Ap jis chithi ko ap ke larke ke jariye bheje so mili. Main samajhta hun ki Bansjor jahan ap logon ka ghar hai, wah Koronjo Synod ke Lomboi Parish men hai. Meri sallah hai ki ap Lomboi ke padri J. Bage ko khabar dekar shadi ke liye Bansjor hi bulaiye. Main abhi nahin kah sakta hun ki Birmitrapur ke padri ko Bihar ke joron ko shadi dene ka license hai athwa nahin. Yadi nahin hai to kathinain hogi. Agar license hai taubhi Lomboi ke padri ke bina likhit manjuri, kisi dusre pasri ke dwara shadi karana thik nahin hoga.

Meri sallah hai ki Lomboi ke padri se is bishay men ap bat chit ya likha parhi karke tay kar len. Unka adhikar hai ki we khud hi shadi ke liye jany athwa kisi dusre ko ijajat de den.

Ishwar ki ashish ap logon par aur bishesh karke naye bachan dat jore par howe and shubh biwah ho jay.

Prem se,  
Ap ka Bishwasht,

*J. J. P. Tiga*  
President.

No. 22/57  
Copy to the Rev. Joel Bage,  
Lomboi for information.

# THE GOSSNER EV. LUTHERAN CHURCH

MISSION-1845 : AUTONOMOUS-1919

PRESIDENT : REV. J.J.P. TIGA  
SECRETARY : MR. N.E. HORO  
TREASURER : MR. C.M. HORO

G. E. L. C. COMPOUND,  
RANCHI, BIHAR, (INDIA)

Extract from the resolution of the meeting  
of the Executive of the G.E.L.Church Council held  
on the 5th December, 1956.

X X X X  
(c) Need of a German Schwester in the Mission Hospital  
at Angaon.

It was pointed out that a German Schwester is  
needed to help the present staff in the Mission H  
Hospital at Angaon (Orissa)

Resolved to invite Schwester Ursula vonLingen  
of the Gossner Mission Society, Berlin, to join the  
staff of the Mission Hospital at Angaon in Orissa.  
The Gossner Mission Society be requested to arrange  
for her sending out to India.

X X X X

PRESIDENT,  
G.E.L.CHURCH, RANCHI.

h. E. 818157  
SECRETARY,  
G.E.L.CHURCH, RANCHI.





35  
Vide Rev. Munirahana  
Duma Register  
no. 194  
D. 9.7.58.

Copy of order passed by Sri A.H. Chakravarty  
RD, <sup>Lumsdagh</sup> Ranchi. in His. Case no. 79 of 58-59.  
union.

President Gossner Evangelical Lutheran Church.

Sub: - Prosecuting against the President  
G.E.L. Church Ranchi vide Hist. Case  
no. 40 of 57-58.

15.5.58

G.E.L. Church authorities had sold  
plot nos. 433/1559, 433/1560 + 433/1563  
out of Anabadi khata no. 293 of Rajgarh  
to Cement factories.

For Mutation Case no. 40 of 57-58  
the church authorities were asked in letter  
no. 8 dt. 23.1.58 to prove their title to  
sell the above plots when the khata  
stands recorded as "Rajgarh Anabadi".  
The Mission authorities could not prove  
their title to sell the land.

Sent extract to the President  
Gossner Evangelical Lutheran Church  
Ranchi to show cause by 16-7-58  
as to why necessary legal action will  
not be taken against the church  
authorities for selling Govt. land without  
proper authority.

sd/ A.H. Chakravarty.  
Copy of order sent to President  
Gossner Evangelical Lutheran Church Ranchi.  
for information + report ~~copy~~ by the date  
fixed.

A.H. Chakravarty  
RD  
7/7/58

Rev. 2. Whalley and Rev. Sh. Paul.

Dear Sir, It has been reported that ~~in~~  
~~you~~ you are not obeying the order  
 of suspension and you are carrying  
 on a campaign against the Church  
 authority. I request you to kindly submit  
 to ~~your~~ <sup>the</sup> Church authority, the Church  
 Council and stop adverse actions.  
 I advise you to repent of your wrongful  
 actions and request the Church Council  
 to forgive you and give you work  
 in the Church.

Yours sincerely,

Copy to (1) Rev. C. B. Paul, President,  
 Onnia Synod

(2) Rev. Julius Snow, Secretary,  
 Onnia Synod

(3) ~~Rev.~~ Mr. Nistat Ziga,  
 Secretary, Onnia Synod.

Dear Mr. Lenth,

I thank you for the cable. The full Church Council is meeting on the 5<sup>th</sup> and 6<sup>th</sup> of September when the required resolution re: Miss S. M. Bodda will be brought up for discussion and decision. May I know if you receive the decision by about the 10<sup>th</sup> of September, could you reply by a cable about the acceptance. She is prepared to fly from Calcutta to London & to meet the extra cost caused by such a flight. She has now obtained the passport from the Government.

With ~~via~~ hearty thanks for the message and with all good wishes,

Yours sincerely

If it is not too much to ask, I request you to kindly write to the University from Leicester for a seat  
September 1956.

No. U-4158-59/6660-84  
To  
M/s. President,  
G. C. L. Church, Ranchi

Income-tax Office,  
Jharsuguda.  
The 17th Jan., 1959.

35

Whereas it is found that you have not furnished the Return under Sec. 21 which was due by 30.4.1958. Even a reminder was issued on 20.8.1958, but no compliance was made as yet.

31-1-59 However, you are given this extra opportunity to furnish the said Return by 25.1.1959. Failure on your part, will entail proceedings according to law.

*Enbousad*  
Income-tax Officer,  
Ward-B, Jharsuguda.



O. I. G. S. ONLY

*1307C PAS*

*The President*

*G. E. L. Church*

*RAIPUR*

*3/1*  
Despatcher

INCOMETAX OFFICE

THARSUGUDA

*On ka*





No. 2328/59.

20th. Febr. 9

To, UNDER CERTIFICATE OF POSTING.  
The Income Tax Officer,  
Ward - B , Tharsuguda.

Dear Sir,

I thank you very much for your letter No. 2-4/58-59/6660-84 dated the 17/27 th. Jan. 1959.

I am sorry to say that the letter or the form under reference is not found in my office. I shall be very thankful to you if you most kindly send me the duplicate with necessary instructions as I don't remember to have dealt with such a matter before.

Yours Sincerely,

*J. K. Singh* 1/59  
President,  
G.E.L. Church,  
Ranchi.



# The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

REV. J.J.P. TIGA, M.A., B.D., S.T.M.  
President



G.E.L. CHURCH COMPOUND  
RANCHI, BIHAR (INDIA)

Ref. No. ~~226/59.~~

Dated the ~~27th Feb.~~ 1959

The Deputy Director of Industries,  
(Technical Training) Orissa,  
Cuttack.

Subj: Accomodation for trainees of Industrial  
Training Institute at Rajgangpur (Bourkella).

Sir, Ref: No. 1363 B/ 17A-38/59/TT, Dated 21st/23 Feb. 59 etc.

In consultation with Rev. C.B. Aind, the President of the Orissa Synod of the G.E.L. Church, Rajgangpur, I am to inform you that we agree to spare some accomodation for you to start your Institute in the 1st week of March 1959.

In the absence of the details in your letter I have to point out that the only place which can be made available is the old school building. In this connection the Secretary, Orissa Cement Ltd has also to be consulted.

I therefore suggest that you please negotiate with Rev. C.B. Aind the President, Orissa Synod of the G.E.L. Church, Rajgangpur and the Secretary, Orissa Cement Ltd, Rajgangpur. Meanwhile I am asking Rev. C.B. Aind to allow your Institute to be started at Rajgangpur as soon as possible.

For actual spot, its size etc. and the rent we may discuss and decide when I shall come to Cuttack on the 12th March. I hope you will be able to give me some time for the same. Rev. C.B. will also accompany me to Cuttack at that time.

Yours Sincerely,

President,  
G.E.L. Church, Ranchi.

Memo No. 287.90/59.

- Copy to: (1) Rev. C.B. Aind, President, Orissa Synod, G.E.L. Church Rajgangpur,  
(2) The Secretary, Orissa Cement, Ltd, Rajgangpur.  
(3) Secretary, Property Board of the G.E.L. Church, Jamshedpur.  
(4) Secretary, G.E.L. Church, Ranchi.

DT.

STATE

TELEGRAM

ORDINARY

PRESIDENT

G E L CHURCH  
RANCHI

NO 1488 TT KINDLY REFER LETTER 3340 DATED 6TH INSTANT  
FROM ORISSA COMENT RAJAGANGPUR REGARDING INDUSTRIAL TRAINING  
INSTITUTE(.) EXPEDITE REPLY

DIRECTOR INDUSTRIES

Not to be telegraphed.

For Deputy Director of Industries  
(Technical Training) Orissa

OFFICE OF THE DIRECTOR OF INDUSTRIES, ORISSA

....

Memo no 1489 / Ind dated Cuttack the 24th Feb '59

Post Copy forwarded to the President G.E.L. Church in  
Chatanagpur and Assam, G.E.L. Church compound, Ranchi in confirmation.  
He is requested to send a reply to this office at an early date.

Jenamani  
24/2

*S. Vohra*  
24/2  
For Deputy Director of Industries  
(Technical Training) Orissa

OFFICE OF THE DIRECTOR OF INDUSTRIES, ORISSA.

No. ... 1363 Pt B

1TA-38/59/TT

Dated Cuttack, the 21st Feb. 1959.

From

The Deputy Director of Industries,  
(Technical Training) Orissa.

To

The President, G.E.L. Church in Chotanagpur  
& Assam  
G.E.L. Church Compound  
Ranchi.

Sub: Accommodation for trainees of Industrial  
Training Institute at Rajgangpur (Rourkella)

Sir,

In inviting a reference to letter No. RP. SEC: 3340 dated 6.2.59 from the Secretary, Orissa Cement Ltd. Rajgangpur on the above subject, I am to request you to kindly spare some accommodation to start our Institute in the 1st week of March '59 at Rajgangpur. I hope and believe that you will appreciate our difficulties if we do not start the training institute in time.

An early reply from you will be highly appreciated.

Thanking you.

Yours faithfully,

*R. Sahu*  
23/2

FOR DEPUTY DIRECTOR OF INDUSTRIES,  
ORISSA.

Memo No. \_\_\_\_\_ TT. Dated Cuttack, the 21st Feb. 1959.

Copy forwarded to the Secretary, Orissa Cement Ltd. Rajgangpur for information with reference to his Memo referred to above.

*SSP*  
FOR DEPUTY DIRECTOR OF INDUSTRIES,  
ORISSA.

...



The Deputy Director of Industries,  
(Technical Training) Orissa,  
Cuttack

Sir,

Subj:

Rev. C. B. Bird

In consultation with the President of the Orissa Synod of the E. & S. Church I have <sup>we agree</sup> to inform you that I have instructed the local Committee of Rajgangpur of which Rev. C. B. Bird is the Chairman to allow <sup>for you</sup> some accommodation to start your Institute in the 1<sup>st</sup> week of March 1959.

In the absence of the details in your letter I have to point out that the only place which can be made available is the old school building. In this connection the Secretary, Orissa Cement Ltd has also to be consulted.

I therefore suggest that you please negotiate with Rev. C. B. Bird ~~and~~ President, Orissa Synod of the E. & S. Church, Rajgangpur and the Secretary, Orissa Cement Ltd. Rajgangpur. Meanwhile I am ~~requesting~~ <sup>requesting</sup> Rev. C. B. Bird to allow <sup>at Rajgangpur</sup> the your Institute to be started as soon as possible. For ~~rent, actual position~~ <sup>actual spot</sup>, its size etc and the rent we may discuss and decide when I shall come to Cuttack on the 12<sup>th</sup> March. I hope you will be able to give me some time for the same. Rev. C. B. Bird will also accompany me. Yours sincerely

copy to (1) Rev C. B. Bird etc,  
(2) The Secretary, Orissa Cement Ltd, Rajgangpur

(3) Secretary, Orissa Synod of the E. & S. Church, Rajgangpur  
(4) Secretary, E. & S. Church, Ranchi

2. The importance of the Christian instruction given during the Scripture period should be realised, and much attention should be given to the framing of courses, so as to meet the needs of those who have some acquaintance already with Christian truth and those who have not, and so ~~as~~ as to secure that those non-Christians who are only under instruction for a short period shall, as far as possible, obtain a <sup>coherent</sup> ~~contact~~ view of the principles of the Christian faith.

3. Those who teach the religious classes should have at their disposal books which will help them to discharge their duty more efficiently, while ~~opportunities~~ <sup>also</sup> opportunity should be given them, if possible, to obtain training in the teaching of religion.

4. Suitable religious literature should also be made easily accessible to the students, and they should be encouraged to buy and read books that may assist their religious life. Where these are lacking, provision should be made for their preparation both in English and the vernacular.

5. From time to time "missions" for students may be held with a view to bringing the demands of the Christian faith with a new emphasis before the students, both Christian and non-Christian.

Two years ago, Mr. C.S. Paul, M.A., of Noble College, prepared a syllabus for religious instruction to non-Christians in the introduction to which he reminded us of the undoubted fact that all of our non-Christian students - whether orthodox or indifferent or receptive - ~~are~~ have a political bias which affects in a very real way all of their thinking about Christianity. They very much prefer to discuss Politics rather than Religion and they also feel that for the sake of Swaraj they must stand up for Hinduism. It is also true that most of the students consider Hinduism perfect even though their knowledge of their own religion is extremely meagre. I may also add that Brahmins feel that only Brahmins know anything about Hinduism and that even a Christian Lecturer in Philosophy should refrain in criticizing Hindu doctrines. The only way to meet the situation successfully is for the teacher to be willing to recognise



35

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

Ref. No. 1323/57.

G.E.L. Church Compound,  
Ranchi.

Ranchi the 19th June, 1957.

From Resident Rev. J.J.P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M.

To

The Secretary,  
Orissa Cement Limited,  
Rajgangpur.

Dear Mr. Dutt,

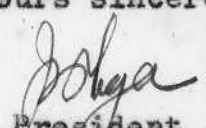
Thanks for your letter dated the 13th June, 1957.

Rev. Z. Khalkho is here and I had a talk with him yesterday. I advised him to withdraw his letter addressed to you under his signature and those of several others. His only contention is that instead of taking each, we should ask you to construct the school building. We agree in this respect. He is prepared to withdraw his letter if you consent to our terms in this connection, i.e., to construct the school building yourself as indicated in our terms.

With kind regards.

Yours sincerely,

President, G. E. L. Church,  
Ranchi, Bihar, India.

  
President,  
G.E.L. Church, Ranchi.

Memo No. 1324-26/57.

Copy to :-

- ✓ (1) Rev. C.B. Aind, President Orissa Synod.
- (2) Rev. Z. Khalkho.
- (3) Mr. P.D. Kandulma, Secretary-Manager Property Board.



35

To

Perisident- j. j. P. Tigga.

G. E. L. Ranchi.

p. o. Ranchi

Dist. Ranchi

(Bihar)

प्रिसिडेन्ट जी: ई: एल. सॉची,

ता: २८-९-५६

महाशय,  
श्री मान प्रिसिडेन्ट जी: ई: एल. हमें कि और  
से अधिक सहाय,

महाशय निवेदन करने का कारण यह है कि

हम लोग निचे लिखे हुए मंडली के भाई लोग हैं, तिलिपुरा -  
मंडली दोस्त ओमिदा कुमार मुंडा, हमें का भर्ज है कि कालि  
सा जो नियाम प्राप्त किया है। हर इलाक़ के ऊपर ॥ माना  
से इस देने की, हम लोग न मनगूर करते हैं। और नही देने  
हस्का जानवी पेरिस की भी दे दिए हैं। और आप प्रेसिडेन्ट  
की भी जानते हैं, सो हमें का भर्ज है कि उन देन बन्द किया  
जाए। अगर नही बन्द होने का सस्ता है तो, हमें का देख मालमें  
तो यह धर्म नही है, पर पढ़ी पुचारकों का बाल बच्चों का पालन  
मोर न का हने का सस्ता है। अगर कि धर्म चलाना है तो आप  
लोग ऐसा नियाम नही निकालते, अगर निकालते हैं तो ऐसा ही मनु  
ली के भाई बहनों के अपर काम करते हैं।

पठने तो जर्मनी के समय से मुड़ी चाबल छोड़ा सेरनी मंडली  
पेसत ॥ माना से, धर्म ही रागापुर मसाम तक पौल गई। तो  
आमी मंडली वैसा ॥ माना कर दिया गया, तो इतना देने से  
धर्म नही चल सकता है। तो हम लोग मोर नोमरा की उठा देंगे।  
अगर नही उठते हैं तो मोर नोमरा के धर्म में मोहाबिन चलाइए।  
पढ़ी हम लोगों का भर्ज है। भर्ज मजठ ही मजठ देने की  
कृपा करें।

लुलें प्रात सप्तमिले )

आम मंडली तिलिपुरा

p. o. Kumar munda.

Dist. Sunder garh.

Orissa.

S. Jinas Lefno.

Lilia puish.

Oct-28-1-57

BMJ/104/57

13th Aug. 1957.

The Secretary,  
Orisasa Cement Ltd.,  
Rajgangpur.

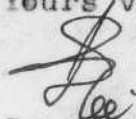
Dear Sir,

As per our talk at my place on Friday last, I went to Ranchi on Sunday and tried to make a programme for Rajgangpur on Saturday the 17th instant, with the President Rev. J.J.P. Tiga but he could not make time for it. It is therefore not possible for me also to go there on that day. Could you get the sale deed signed by him and let me know so that I can come to Rajgangpur any day for registration of the document? We thought we would be sent the draft of the deed for the approval of ~~the~~ our Board but it could not be ~~sent~~ done so. However since you had sufficient discussion over the matter with the Church Council, as I am told, the deed, will be in order and along the line discussed.

On hearing from you that the sale deed is signed by the President and that I had to come to Rajgangpur I shall go there and do the needful.

With best regards,

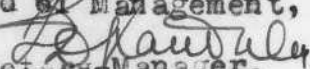
Yours very sincerely,

  
Secretary-Manager.

Copy to Rev. BMJ/105/57

Copy to Rev. J.J.P. Tiga, Chairman, Board of Management,  
for information.

Jamshedpur 13/8/57

  
Secretary-Manager.

महात्मा-प्रवर प्रेसिडेंट डी. ई. ई. चर्च  
 Ph. Nagpur + Assam Ranchi मिन  
 मही २१५

2-6-56

भागे आप से जाना है कि मैं  
 मुसोनी प्रेसिडेंट को चार्ज Rev. K. M. Jyoti  
 का ता. १२-५-५६ को दिया और मैं छोड़  
 प्रेसिडेंट में ता. १६-५-५६ को आया पर चार्ज  
 नहीं मिला है दो दिन ठहर कर कहुमारी लौट  
 गया फिर २४-५-५६ फिर छोड़ आया  
 और २ जून तक रहा पर फिर भी Rev. Sh.  
 पिन्को चार्ज ही नहीं दिया है संभट में  
 पड़ा है क्योंकि चार्ज ही नहीं मिल रहा है  
 और रहने का धरा भी नहीं है दाड़ी रहने के  
 धरा को लौटा लगे दिया है और इसी के  
 धरा में रहता है और मैं भी इसी के धरा में  
 रह गया हूँ मेरे बाल-बच्चों को भी मैं  
 कहुमारी में रहना बन रहा है और न छोड़  
 और मैं ले आता बनता है मैं अपना मैं  
 पड़ गया हूँ इस के लिये आप लोग  
 मेरे ऊपर से कृपा-दृष्टि करें कि  
 बदली का अच्छा फल हो जावे।

इसरी बात है कि मुझ को चार्ज  
 न मिलने से कारण है ता. १३ मई ५६ से  
 तक के मान भी मुश्किल है जो

इसका भी इन्फोर्मेशन कर  
दिखा जाय

आप का विश्वास  
दास.  
Rev. S. Gungdung  
G.E.L. Church  
Ghoghor  
P.O. Raiboga  
Dist Sundergarh

पोस्ट कार्ड  
जवाबी  
केवल पता



To  
The President J. J. P. Zigga  
नाम  
पता G.E.L. Church Ranchi  
डाकखाना Ranchi  
जिला Ranchi

35

Joabandh  
9/12/58

To The C. C. President Rev J. J. P. Tigga  
D. E. L. Church Ranchi

महाशय,

विसरा विरकेरा मंडली के गिरजा वंगला संस्कार का  
तारिख ६ जनवरी इपिफानियस पर्व के दिन डहराया  
गया है। मंडली का सलह से मैं आप को और डम्बर  
मसलन बाजे को निमंत्रण देता हूँ आप लोगें तारिख  
में वि. विरकेरा मंडली में हाजिर होने का कृपा करेंगे।  
वि. विरकेरा विसरा से दारिदन पाठ्यक्रम कोन ३ मील की दूरी पर है।



Rev C.P. Kandulua  
Lanka Chairman



To

The C.C. President

G. I. Church

Ranchi

Bihar

From:

The Rev. E. B. Hind.

Rajgangpur.

357

Rajgangpur.

24-8-58.

To:

The President,  
G. E. L. Church, Ranchi.

Sir,

Received your no 1602-9/58 of 18<sup>th</sup> Aug. 1958.  
and learned all about the content. Regarding  
this, I am of opinion that the Headmaster's  
association be asked to take sanction of  
the church council. If they fail to do so  
the matter be referred to the full church  
council for needful. yours faithfully  
C. B. H.



The President-

G. E. L. Church

Ranchi

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

President:—Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M.

G. E. L. CHURCH COMPOUND  
RANCHI BIHAR INDIA.

Ref No.....75/59.....

Dated the 1st. Febry. 1959.

To,  
The Secretary,  
Orissa Cement Ltd.  
Rajganagpur.

Subject : Lutheran School, Rajganagpur.

Dear Sir,

In continuation of my taking over charge of the new school building from you I have to state that it was impossible to check the work done as it was all finished and complete. Although we do not have any doubts, yet there may, within a short period of time be cracks, leakages etc. I mentioned it to you when I took over charge. I request you to kindly assure us that at least for a period of two years you will be responsible for the repairs of the building you have constructed.

Further I have to request you to kindly make suitable arrangements for water supply in the school campus. We shall appreciate it very much if you kindly do this at your earliest convenience.

I am requesting Rev. Aind to contact you in this connection.

Any early reply is solicited. Thanks.

Yours Faithfully,

P.T.O.

President, G. E. L. Church.

# The Gosaner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Field, 1842 — Autonomous 1919.

G. E. L. CHURCH COMPOUND  
RANCHI BIHAR INDIA.

President:—Rev. J. P. Tiba, M.A., B.D., S.T.M.

Dated the 1st. Febry. 1925

Ref No. 75/50

Memo No. 76/97-98

Copy to :

1. Rev. C.E. Aind, Synod President
2. Mr. N.E. Horo, Secretary C.C.
3. Mr. C.M. Horo, Treasurer C.C.
4. Mr. P.D. Kandulna, Secy-Manager, Pr. Bd.

President, G. E. L. Church

I have the honor to acknowledge the receipt of your letter of the 1st. inst. regarding the matter of the school. I am sorry to hear that the school is not doing well. I have been thinking of the school for some time and I am sure that it is a very important matter. I have been thinking of the school for some time and I am sure that it is a very important matter. I have been thinking of the school for some time and I am sure that it is a very important matter.

I am requesting you to kindly send me the details of the school. I am sure that you will be able to provide me with the information I need. I am sure that you will be able to provide me with the information I need. I am sure that you will be able to provide me with the information I need.

My early reply is solicited. Thanks.

Yours faithfully,

President, G. E. L. Church.

75/50

**The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam**

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

**President:—Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M.**

**G. E. L. CHURCH COMPOUND  
RANCHI BIHAR INDIA.**

**Ref No... 70/59.....**

**Dated the 1st. February 1959.**

**The Secretary,  
Orissa Cement Ltd.  
Rajganagpur.**

Dear Sir,  
I beg hereby to authorise the Rev. C.B. Aind,  
President Orissa Synod of the G.E.L. Church to receive  
the sum of Rs. 1,000/- ( Rupees One thousand ) only for  
the Lutheran School at Rajganagpur for the year 1958.  
Yours Faithfully,

**PRESIDENT,  
G.E.L. CHURCH.**

**Memo 71/59**

**Copy to the Rev. C.B. Aind, President, Orissa Synod, for  
information and the needful.**

**President,  
G.E.L. Church .**

**Memo No. 72-74/59**

**Copy to:**

**The Secretary, G.E.L. Church, Treasurer, G.E.L. Church,  
and the Secretary-Manager, Property Board.**



**The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam**

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

**President:—Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M.**

**G. E. L. CHURCH COMPOUND  
RANCHI BIHAR INDIA.**

Ref No. **63/59** .....

Dated the **31st. Jany. 1959** .

*ofc*

**The Principal,  
Ranchi College, Ranchi.**

Dear Sir,

This is to certify that Simon Topono  
Roll No. 412 of 2nd. Year Arts Class of your College  
is residing in the Nayatoly hostel of the G.E.L. Church  
under the guardianship of Mrs. H. Bodra and under my own  
personal supervision.

He has paid all the dues of the hostel.



~~1958~~  
The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

REV. J.J.P. TIGA, M.A., B.D., S.T.M.  
President



G.E.L. CHURCH COMPOUND  
RANCHI, BIHAR (INDIA)

Ref. No. 2113-2118/58.

Dated the 11th Dec. 1958.

Subject: Conference of Christian leaders at Hourkela.

Dear friends,

At different times and from different persons I have the suggestion, that a Conference of some Church leaders is desirable in order to discuss together the needs of the Christian community which is now evolving at Hourkela. I take it that it has been expected from all interested corners that I should convene such a Conference. I have consulted some local leaders of Hourkela and I now invite you to kindly arrive at Hourkela latest by 8 a.m. on the morning of the 22nd inst. The only place where we can stay in the Hindusthan hotel unless you have your own people, we shall meet in the house of Dr. Pensch who will fetch us all from the hotel to his house.

Please inform Rev. Dr. Theol. Bernhard Pensch Hourkela 2, Orissa about your arrival at Hourkela and please tell him where you want to stay. We may need the whole of the 22nd for our meeting.

With all good wishes.

Yours Sincerely,

*J. J. P. TIGA*  
President,  
G.E.L. Church, Ranchi.

- ✓ 1. Miss Guy.
- ✓ 2. Rev. Kondpan.
- ✓ 3. Rev. Kloss.
- ✓ 4. Dr. Pensch.
- ✓ 5. Mr. P. C. Minz.
- ✓ 6. Rev. C. R. Aind.

No. 2119/58

Copy to the Secretary,  
G.E.L. Church for information.

*J. J. P. TIGA*  
President  
11/12

TM

22  
21/8/58  
Suggest: Conference of Christian leaders  
at Rombela

Dear friends,

At different times and from different people I have the suggestion that a conference of some church leaders is desirable in order to discuss together the needs of the Christian community which is now evolving at Rombela. I take it that it has been expected from all interested corners that I should convene such a conference. I have consulted some local leaders of Rombela and I now invite you to kindly arrive at Rombela latest by the morning of the 22nd inst. The only place where we can stay is the Hindusthan hotel unless you have your own people. We shall meet in the house of Dr. Busch who will fetch us all from the hotel to his house.

With all good wishes

Yours sincerely

Residence

G. E. L. Church

2113

Miss Amy

Rev. Kowapan

Rev. Bloss

Dr. Busch

Mr. P. C. Meinz

Rev. C. B. And

11/1

Paper  
m. h.

am am am

B B B

B B

Orissa Res.  
UTKAL CHRISTIAN COUNCIL

*President :*

SRI SAMUEL DAS, M.A., C.I.E.  
MISSION LANE, CUTTACK.

*Vice-President :*

REV. P. C. DAS BENYA,  
NOWRANGPUR, DIST. KORAPUT.

*Treasurer :*

MISS L. WASSER,  
KHARIAR, DIST. KALAHANDI.

*Secretary, Public Relations :*

REV. J. K. MOHANTY, B.A. B.D.,  
MADHUSUDAN ROAD, CUTTACK.

*General Secretary :*

MISS L. QUY,  
P.O. SAMBALPUR, ORISSA.

Dated 9. 11. 1958;

Dear Mr. Tiga,

I have decided to go to Ronskela to see the set-up that already seems to be there, - of the United Church. I have received a letter from the Secretary, Sri Giamresh Santra - and, as one of our Pastors is visiting Ronskela on the 15<sup>th</sup> of this month - I shall go with him for preliminary talks.

I should be most happy if you could come to Ronskela, too, at this



UTKAL CHRISTIAN COUNCIL

General Secretary: Rev. J. K. Mohanty, B.A. B.O.,  
Machhumban Road, Cuttack.

Joint Secretary: Rev. L. Guy,  
P.O. Sambalpur, Orissa.

Joint Secretary: Rev. B. B. Das, B.A. B.O.,  
Mission Lane, Cuttack.

Joint Secretary: Rev. P. B. Das, B.A. B.O.,  
Mission Lane, Cuttack.

Joint Secretary: Rev. L. Wadgaonkar,  
Kharab, Dist. Balasore.

time, and shall look forward to  
seeing you there -

With very best wishes  
I am,

Yours faithfully,

P. B. Das

(Sec. U.C.C.)



Rev. Dr. theol.  
Eberhard Pensch

Orissa

Rourkela the 4th Nov. 1958

ROURKELA - 2.  
Orissa / India.

To the  
President of the  
G.E.L. - Church  
Rev. T i g a , M.A., B.D., S.T.M.  
R a n c h i

Sub. Recommendation of the ordination of the cand. theol. Minz, Rourkela.

Dear Brother Tiga,

Hereby I recommend the ordination of cand. theol. Minz, Rourkela for the earliest date as possible.

The ordination will enable brother Minz to act and to speak with greater authority than he can do at present. Just the newest event, that he could not get the permit to contact the Resident Director of H.S.P.L. personally shows, how this ordination is due and needed. I would propose, to fix the date of the 3rd Advent-Sunday, the 21st December, so that brother Lokies at his stay in Rourkela could give his assistance, too. As the place I would propose the new church in Zadakudar, because on that very date, the church will be fully finished.

Secondly I would like to ask you - concerning the meeting in Rourkela together with Bishop Kondpan, M. Guy a.o. - to consider, if it was not wise to invite Rev, Khalko, Jirpani of the North-zone!

I do hope, that here in Rourkela will be the first place, where the split of the church can be mended, just because here will start an interdenominationell work. Here at this place could be demonstrated and practised, that we all are one!

With my best greetings and Isusahai I am

yours very sincerely

*Dr. Eberhard Pensch*

1 Enclosure for Mr. Haros file!

35

G. E. L. Church  
Purnapani  
मे 16/6/58Orissa

म. म.

आप के मेरा शीशु सहाय ।

आपने मे लखने की विशेष बात  
सह है कि आप का लिखा

हुआ ठपठप जगफल का दिना हुआ

Original Letter बिना देरी

ता: 25-6-58, तब खोज - क

बहुत शीघ्र भेज देना । देरी

करने से काम नहीं बनेगा !

Ivocate पत्र देने से भी आप

आ का Reply नहीं दिये !

सो आप इस पत्र काते  
साथ बिना देरी खोज कर

मरे से मेल देना  
 उसी ने पलके कम रुक  
 हुआ है।

जैर उपरि क  
 लख मुला नी जति

अकि उपर क

A.C.:- S. Hemram  
 Village. Purnapur  
 18 Sector  
 Rourkela. 3.

पोस्ट कार्ड



कव पता



J. J. P. Tigga

G.E.R. Compound. Ranchi

P.O. Ranchi

Ranchi

Bihar

# The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

REV. J.J.P. TIGA, M.A., B.D., S.T.M.  
President



G.E.L. CHURCH COMPOUND  
RANCHI, BIHAR (INDIA)

Ref. No. 2109/58

Dated the 10th. Dec. 1958

## Under Certificate of Posting.

Shri D.N. Mahanty M.Sc; O.A.S.,  
Deputy Collector Incharge,  
English Office, Sundargarh.

### Subject : Grant of Marriage License.

Sir,

This is to acknowledge with thanks your letter No. 12537 Gen. 1 dated the 1st. Dec. 1958., received by me on the 5th. inst. I thank you for all the other letters sent previously in this connection.

I have to submit that on account of many disturbances I could not attend to the same and I beg for your pardon.

I beg to point out that Rev. C.C. Minz who has raised objections against the grant of licenses to the pastors concerned has not been in the good book of the Church for about three years. We have not taken any severe steps against him only waiting for him to change himself. He has no business to interfere with the affairs of the Church. The ministers for whom grant of marriage license has been prayed for are the pastors duly appointed by the Council of the Gossner Evangelical Lutheran Church and they have been sent to serve the Lutheran of Orissa as their pastors under the orders of the said church council. They were all ordained to the holy ministry by the President of the G.E.L. Church duly authorised by the Mahasabha of the church and its church council. They have been sent to their respective places in Orissa under the authority granted to the church council by the constitution of the G.E.L. Church which is a society duly registered under Section 21 of the Societies' Registration Act of 1860. Mr. N.E. Hore is the duly elected Secretary of the G.E.L. Church. Whatever he wrote he wrote on behalf of the church council which transcends all racial, provincial and colour barriers. The church council sends its pastors anywhere within the five states, namely Assam, Bengal, Orissa, Madhya Pradesh and Bihar, as they are considered to be fit and needed.

I request you most earnestly and respectfully to kindly grant the licenses for marriage prayed for.

Yours faithfully

DISTRICT OFFICE: SUNDARGARH

No.....12537.....Gen./

Dated Sundargarh, the 1-12- November, 1958.

From

Shri D.N.Mohanty, M.Sc., O.A.S.,  
Deputy Collector Incharge,  
English Office, Sundargarh.

To

✓ The President G.E.L. Church  
Chotanagpur & Assam  
P.O. Ranchi-Bihar

Sub :- Grant of marriage <sup>license</sup> license.

Ref: - + This office letter No.5580 dt.3-6-58  
memo No.7185 dt-18-7-58 and 7965 dt-9-8-58  
~~xxx~~ and 10685(2) dt-8-10-58.

Sir,

Reference is invited to this office letter cited above on the subject and you are requested to furnish the required information as early as possible. & If reply is not received within a week after the receipt of <sup>the</sup> reminder it will be ~~xxx~~ presumed that you have nothing to say in the matter and action will be taken accordingly.

Respectfully Yours faithfully,

<sup>MP</sup>  
29/11  
Mohanty/29-11.

*D.N. Mohanty*  
29.11  
Deputy Collector Incharge,  
English Office, Sundargarh.

Jana Kudar

466/—

inc. - through Meena Bazar Ro ~~477/—~~

Income through Church collection Rs 543/23

Total, Rs 1009/23

Regular Church offering.

~~463~~ ~~defers~~ centralising 49/23

Rs 960/—

~~463~~  
~~461~~  
~~5~~  
~~466~~



O/C

No. 1697/58.

35

Rev. O/S Min  
Secy Min

Ranchi  
13. 9. 58

Dear Rev. Amj.

Mr. the P.C. the bye  
dhangubad.

Abli Pastor's Course ki  
bat multali sahe pahale  
Dr. Lohies ke aile ke sam-  
bandh men tarikh thide  
mahum nahin hai -  
Dr. Lohies ko Pastor's  
Course bulane ka adhikar  
de diya gaya hai.

Atte Shukh,

President

35  
Rs 534.23 np. Church Collection  
466.00 ... Mina Gagar

Rs 1000.23 np

Rs 548

Rs 43 Centralise

500 ~~Rs~~ Church Building  
misc 466 — fund  
" " " " " " " "

Rs 966

Dr Peusch

Please pay Rs — / — to  
our Treas — for Church  
Building construction.

OP

जड़ाकुदर इलाका की ओर से स्वागत और इलाका का संक्षेप रिपोर्ट ।  
 तारीख १९-४-५२

महामन्त्र कलिया प्रेसिडेंट Rev J. J. P. Tigga और सिनोद प्रेसिडेंट Rev C. B. Aind आप लोगों की धन्यवाद।  
 जड़ाकुदर इलाका के भाई बहिनो की ओर से स्वागत देते हुए धन्यवाद देते हैं कि आपने कितने दुःख तकलीफ उठाकर हम दखिनी इलाका भाई बहिनो को जो कितने नये जगहों में जंगलों और पहाड़ों के बीच रहते हैं देख भाल करने के लिये पहुँच गये हैं। सब से अधिक परमेश्वर को धन्यवाद देते जिसने आप को इसी जड़ाकुदर इलाका में आत्मजागृति के लिये ले पहुँचाया है।

जड़ाकुदर इलाका का संक्षेप रिपोर्ट - जड़ाकुदर इलाका का हरिया बहुत लम्बा चौड़ा है जंगल पहाड़ों के बीच बहुत दूर २ में मंडलियां हैं बहुत से नये बसिन्दे भाई बहिनो हैं जो बिरु, नागपुर से आकर जगह जमीन बना-बस्त कर के बसे हुए हैं। इलाका में ३१ पुचारू हैं जिनमें से ज्यादा स्थानिय हैं कइएक पुचारूओं को दो २ मंडलियां दी गई हैं। दूर और जंगल पहाड़ होने के कारण उचित सेवनाई का काम नहीं कर सकेंगे।

इलाका में दो पैरिश हैं एक जोड़ाबन्ध पैरिश और दूसरा जड़ाकुदर पैरिश। ब्रह्मती नदी जो उत्तर से दखिन बहती है वही दोनों पैरिश का महासिमाना है। दोनों पैरिश के अन्दर मुन्डा, उरांव में से अभी तक संसार धर्म में बहुत हैं। साल २ ख्रिस्तान धर्म में मिलाये जाते हैं जैसा ५६ साल में २२ जन, ५७ साल में १५ जनों को बपतिस्मा दिया गया

जड़ाकुदर इलाका में २ पुचारू मिशन फ़िल्ड की ओर से काम करते हैं जिनको तनख्वाह मिशन फ़िल्ड की ओर से मिलता है दुःख की बात है कइएक मदिना में एक बेर एक २ मदिना का तलफ़ वें पाते हैं।

दखिन बनाई में तीन मौजा ख्रिस्तान होने के लिये राय दिये हैं गांव का नाम १ कसमडीह २ बसुडीह ३ बकुलीडीह है। इलाका की ओर से अर्ज है कि हेरे जगहों के लिये मिशन फ़िल्ड की ओर पुचारू भेजे जावें।

आविक और लौकिक दशा - इलाका आविक और लौकिक दशा गिरि दुई है ५० में पानी के काम के कारण समूचा में कसक १६ आना में २ आना हुआ है रहते बहुत भाई बहिन जवान जुवाली घर छोड़ कर जंगल खदखान और सड़क आदि में मजदूरी काम कर रहे हैं इन्हें गिरजा हजारा में धरो और सिरती दान पुन में भी धरो है।

१९५६ ई० के अक्टोबर मदिना में नोर्न जोन के गड़वड़ के कारण समूचा इलाका के कइएक मंडलियों में गड़वड़ लुह हुआ और गिरजा दो भाग हो गया, पुचारू अगल २ पाद्री अलग २ और असमानों में

अलग हो गया, इलाका में कलामा आ सब काम अगले तक अलग हो चल रहा है  
 इलाका में दो भाग गिरा - राटो बिरकेश, फासा डोल्, महुका, मराहन  
 मिरपाने, कोन्डेडी, कुंजोर, कदा मुन्डा, जोडा वल्ग, विसरा बिरकेश,  
 कदा मुन्डा, इलने मंडलियों में अगले भाग गिरा चल रहा है।  
 किलने मंडलियों में जहां केवल उरांव आई बहिन है और पुचारु भी  
 उरांव आई है सब तोर्य जोम में चले गये हैं जैसा. जम्बर डोई, मेजा डोई,  
 और बहेरावहार।

दो भाग गिरा के कारण मंडल में आयांति - जहां मंडल में तोर्य जोम  
 के कारण दो भाग गिरा हुआ चल रहा है आयांति है सब से ज्यादा -  
 राटो बिरकेश में भाड़ा और मन्वन् के बाद विवाद निकल रहे रहते हैं।  
 ईश्वर को धन्यवाद होवे और आगे हमारे बिलो होवे कि वही हमको  
 अपने राज्य के काम में सहायता और आश्रय देवे।

आपका सेवक

Rev C.P. Kandulna  
 Ilaka Chairman

19-4-58



Omssa

President

महामान्यवर G. E. L. Church, Jhotanagpur &amp; Assam.

महामान्यवर G. E. L. Church <sup>राजगंगपुर</sup> Omssa Synod President Rajgangpur.

महामान्यवर श्री. M. Bage. प्रिंसिपल प्रचारक देहागिरि, रायपुर.

आप लोगों को हम लीडरों  
सिनोड के जडाकुदार इलाके लीर राटो बिरकेरा मराडली  
चाई बहनों जी लीर से येशुसदाय-।  
माननीय महाशय गरा,

आप लोगों ने हम जडाकुदार इलाके  
के सहय दीन चाई बहनों जी लीर दृष्टि फेरी है। आप लोगों ने  
हम लोगों के प्रति, आपने लीडरों के लीडर 2 समस्याओं को  
छोड़ दिया है। आप लोग गर्मी की मौसिम होते हुए भी गर्मी  
लीडरों धाम को आपने उपर लेते को तैयार हो गये। आप लोग  
आपने उपर चूरब प्यास <sup>सहते हुए</sup> लीर हर प्रकार के दुखों का सामना  
करते हुए ऐसे लम्बा यात्रा कर रहे हैं। सच मुच यह ईश्वर  
हो का काम है। इसके प्रति मैं सच्चा जी लीर से आप लोगों  
को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ पर इस से अधिक ईश्वर का धन्य  
वाद होवे।

माननीय महाशय गरा,

आप मैं जडाकुदार इलाके का दुख लीर लीडरों  
स्थिति को संक्षेप में आप लोगों के लीडरों को देना चाहता हूँ।  
यह इलाका दो पेरिशों से बनता है। यह पहाड़ी मुल्क है। यहां  
तीनों जात लीडरों मुन्डा उरांव लीर बहुत कम संख्या पर खेडिया  
खुस्तियों की मराडलियां हैं। इस इलाके में करीब 80.82 मराडलियां  
हैं। कितने लीडरों तब सेन्ट्रल मराडली में गये आया है। जडा  
कुदार इलाके के राटो बिरकेरा पेरिश में ज्यादातर कुंडुख संख्या  
ज्यादा है। <sup>इसी</sup> कारण से जोड़ाबन्ध पेरिश से राटो बिरकेरा  
पेरिश में लीडरों स्थिति को देखने में अधिक लेशांति है।

लीडरों की लीडरों स्थिति के कारण बिरकेरा पेरिश की  
मराडलियों में लेशांति फैली हुई है। यह लेशांति, ता: 22-६-४६ को  
राटो बिरकेरा मराडली की मराडली पंच बैठकी हुई जिस में  
बड़े प्रयोग होकर ये शुरू हुआ है। पाद्री E. C. Mung इसी तारीख  
से आपने को जडाकुदार इलाका में जोत पाद्री घोसित करने लगा।  
पेरिश की लीडरों मराडलियों को जोत मराडली स्थापित करने लगा।  
बिरकेरा मराडली की इसी समय से दो भाग हो गया, साबिक

कलौसा भी मराडली लौर जोन दल / साबिक कलौसा भी मराडली

गिरजा घर में लौर जोन दल जलका टेली में लपता गिरजा लारमन  
क्रिया। दो तीन गिरजा के बाह वर लपता गिरजा को कम्पोंड के  
चौतर ला कर पाद्री डेरा में चलाने लगे।

होते होते जोन दल भी नजर गिरजा घर पर लागे लगा लौर  
गिरजा घर को पुलिस द्वारा देखल करवा चाहा। पुलिस जोन  
दल के रिपोर्ट मोताबिक ता: १४: ४: ५६ को लाया। चाइयों भी  
कुलाहट १२ वजे जेन गाला में हुला। पुलिस साबिक कलौसा  
के चाइयों को धमका के जोन दल के लिये गिरजा घर में गिरजा  
का समय दबो क्रिया पर चाइयों ने इस बात पर राजी न हुला।  
इस पर पुलिस गिरजा घर को सील करे लो केश को  
लदालत में जरी रखे का धमकी दिया, पर चाइयों ने  
उसका कुछ न सुना लौर गिरजा घर भी रवा के लिये कमर  
कस कर खाड़े रह गये। लब तक गिरजा घर साबिक कलौसा  
भी रवा में है।

१९५६ में Rev: L.C. ने मिश्र धरो भी मरामती में लपड़ि  
हुजार खपरा वनवाये थे। वर कच्चा से बोर्डिंग घर में रखा हुला  
था। नये पाद्री के ला जोन पर बोर्डिंग घर उसके रहने के लिये साफ  
क्रिया गया। लौर खपरा बोर्डिंग घर से निकाल कर स्कूल घर  
में रखा गया। इस पर जोन उठ खाड़ा हुला लौर खपरा का  
लपति क्रिया। वर सरपंच लादि में फौजदारी क्रिया। इस पर हम  
लोगों को यहाँ वहाँ जाता पड़ा। पर इस में भी जय पा कर खपरा  
पकाया गया लौर धरो का मरामत हुला।

१९५८ ४ सेप्टेम्बर को जडाकुदार इलाके भी इलाका बैठणी  
रावे विभोर में हुई। जोन दल वालो भी नी यहाँ पर बैठणी  
हुई। इस बैठणी में हम लोगों ने उनकी माग पर एक धन्दा जोश  
मिटिंग क्रिया। यह मिटिंग गिरजे के बाहर हुला। इस पर  
जोन दल शायद नराज हो गया। मैं समझता हूँ इसी नराज  
के आरशा वर लपता दल को मजबूत करे के लिये कितने  
नियम बनाया। जिससे कलौसा के माह लौर बहिन लगजान  
नहीं हैं। इस पर साबिक कलौसा के कुटुम्ब चाई शांका  
में पड़ गये। लपता याथा पर ध्यान आते लगे कि हम कितने  
हैं। इसके लिये बैठणी ठहराया गया। बैठणी के द्वारा ये लपनों  
को शांत क्रिया।



इस सप्ता ने रुक दल बना लिया और जो कलौसा पर दुख पड़ा है। और इतने दिन गुजरने पर भी दुख नहीं घटता है, इसी पर यह दल नलोचना करने लगा और धिक्कारने लगा कि जोसिल कामजोर है सितोद कामजोर है, इन बाला बालूटों से काम नहीं चलेगा। चलो हम लो-रिफ्तन सुपेरन को पकड़ें कि वह हमारे दुख को हलवे। हो सके तो हम उसी को लावें। इसी विचार पर यह दल रुक दलवस्त बनाया और प्रांगण पारा जा के लोमेरिकन बुधराग सदियों के हाथ में दे दिया। यही दल कलौसा मराडली पैसा के लिये भी लपटी किया कि हम जो इति कृत लाठ लाता नहीं पर साबिक जो देन बहारा गया है उसी पर रहेंगे। यह बात समूचे इलाके भर में फैल गया और लन्नी तक इस का लापर लगा हुआ है। जिसके कारण इन साल रातो विरकेरा पेरिश में रुक चौधई भी मराडली पैसा नहीं लादा हुआ है।

रातो विरकेरा पेरिश के प्राय सभी मराडलियों में दो दल हो जा गिरजा हो रहा है। मुझे १९४६ साल के दूसरा दूर प्रोग्राम में कोन्डेजिट गुंजर और काटामुडा के जोन दल नारियों से सामना करना पड़ा था। लेकिन उन का गिरजा घर के लिये खाश होना बर्ध हुआ। लन्नी तक सब मराडलियों में साबिक मराडली के लिये इश्वर लायाधना के प्रति खुला है। पर जाडी-बुडी और पटुला पूरा जोन दल में चला गया। सै राजा केला पुराना पत्नी में दोनों दल के हैं। पुराना पत्नी जोन होने के बाद इलाका चेयरमैन ने सितोद प्रेसिडेन्ट के सुपुर्द जा दिया था। नये पाद्री के ला जाने पर सितोद प्रेसिडेन्ट ने पुराना पत्नी के नारियों को आह दिया कि लब नया पाद्री ला गये। वे ही लाय लोगो का देख रेख करेंगे। पर नया पाद्री को इलाका चेयरमैन से वलुनरिया नदी सुनाया गया। इस लिये वह जो नदी के इसी पार लपटा रुहरिया में घूमने लगा। इलाका चेयरमैन का क्षेत्र विरिक्त होने के कारण वे भी पुराना पत्नी नहीं पहुँचने पाते हैं। वहाँ के नई वहनों को लायिक स्थिति बिल जुल खराब हो गया है। स्टील हान क्षेत्र होने के कारण नई बहनों का घर द्वार घसाया गया। यहाँ तक

कि उनका गिरजा घर भी ता: ५५ लपेटा जा सहाया गया।  
इस प्रकार से उन का हाल सब प्रकार से खराब हो गया है।

राजा केला स्टेशन स्थान में स्थानीय स्वस्थान और बाहर के स्वस्थान अपने लार्जिफ स्थिति सुधारने चाहे जीविका के लिये आये हुए महिलाओं की लार्जिफ स्थिति विल कुल खराब है उनको यहां तक पता नहीं है कि आज कब तक है, आरशा गिरजा जाने की जगह नहीं। कितने धर्म के सुखे और प्यारे हैं जब जब मुलाकात होती है तब तब कहते हैं कि हम लोगों के गिरजे का बन्दोबस्त होवे। पर हम जो पाद्री हो के इस इलाके में रहते हैं अब तक राजर केला को पूरे दुर्ग में नहीं लाये हैं। एक दो बार इलाका चेयर में इसके दर्मियाग में गये हुए थे। पर तैनी लज तब उनके लिये इलाके की लीर से कोई बन्दोबस्त होने नहीं पाया है।

हमारे इलाके में दो राज्यवृद्धि क्षेत्र के प्रचारक हैं। उनके तलब का ठिकाना नहीं के आरशा वही मुस्लीमता से अपना जीवन बिताने मर्दि वधों की रक्षा कर रहे हैं। इसी इलाके के आन्दर लीर भी राज्यवृद्धि क्षेत्र होते के साथक जगह है। जैसे अर्थात् में कुसम डीट वकुली डीट दूसरा ब्यादि। इलाके की वर्तमान दशा खराब होने के आरशा वध पर ईश्वर का पबित्र वचन नहीं सक्रते हैं। इन जगहों में मुराजानों की संख्या ज्यादा है।

इलाके के स्कूलों की वर्तमान हालत भी खूब सोचनीय है वही मुस्लीमता से स्कूल का जीवन बचा हुआ है। जोत दल स्कूल का भी लपेटे जाने लपेटे लड़के लड़कियों को स्कूल छोड़वा दिया। उनके (जोत दल के) सामने हम सावित्र कलिंगसा के मर्दि जोश कुछ लीर धृष्टित बस्तु के समान पड़े हुए हैं।

इन सब दुखों के मध्य में हो कर हम लोगों में चरि-लशक्ति है। इसी लशक्ति के लिये हम आप की बात जोह रहे थे। आज हमें पूरी आशा हो रही है कि कम आप जरूर इस लशक्ति को दूर जाने छोड़ेंगे।

प्रभु में आप का विश्वास

Rev. R. E. Johnson

माननीय जी. ई. एल. चर्च प्रेसिडेंट, रांची  
को सादर शीशु सहाय। 35

जडाकुदर  
२२-४-५२  
पान जोस  
उडिशा

आगे प्रज्य, आप के जडाकुदर इलाने के दोरे के लिए  
युग युग धन्यवाद। हार्दिक धन्यवाद।

महाशय, माफ़ करने की तकलीफ़ उठाने हमारी उन  
गलतियों के प्रति जिन को हमों ने यहां आप के सामने की  
हमों ने आप को प्रष्टा भी नहीं। भोजन भी दिया नहीं। आप की  
उचित सेवा भी नहीं कर सके। सभी चीजों में हमारी मुक्ति  
रही माफ़ कीजिए। कीजिए माफ़।

असल में तो मैं भी और पाद्री समद बाबू भी यहां के  
लिए नये रहे। फिर तो फिर मैं परीजा की भीड़ में पड़ा।

अतः काम सम्पन्न नहीं हो सका।  
 महाशय अंत में मेरी प्रार्थना यह  
 है कि २० अप्रैल का एक जोड़े डा  
 पोस्टा से भगाये हैं। एक सप्ताह  
 तक मैं २० अप्रैल का एक चित्र  
 आप के यहां भेजूंगा कृपाया  
 सुधार कर के "धर बन्धु" में  
 छपा कर के की कष्ट उठावे।  
 हम इस के प्रति धन्यवादी होंगे।

आप का निश्चय  
 हमें लेखन होतो,

है भन्ने  
 इलाका से भेजेंगे

जडा कुदर २५-४-५२



To, Rev. J. J. P. Tiga M.H. St.  
 President,

G. E. L. Church President

Ranchi

At. Ranchi  
 (Bihar)

To, The President & Secretary  
G.E.L. Church Council  
Ranchi.

Rajgangpur  
G.E.L. Church.  
8-4-1958

महाशय, श्रीशुसहाय ।

मैं अपने को अर्जेंट पत्र बदलौ न जाने कसूर हो से करते आ रहा हूँ  
पर अर्जेंट पर कुछ नहीं किया जा रहा है क्योंकि अडचन होता है।  
फिर C.C. अर्जेंट पर कुछ करने जाता है तो सिनोद को फिसर  
न पंजुर का फैसला C.C. को देते हैं। इस लिये मेरे ऊपर जो  
हो रहा है वहां के ओफिसर ही का काम है जो दियो नहीं है।  
सो अन्त में मेरी अर्जेंट है कि आप का प्रस्ताव जो बिरछिआपुर  
है वही किया जाय नहीं तो मेरा पुराना पेरिश राजगांगपुर  
ही दिया जाय। आप मालिक ओ अनुभव है हम को भेजने ओ  
गुदरा करने का रकम आप का है। मैं इतने दिनों तक धीरज धारकर  
अर्जेंट पेश करता ही हूँ, अबर आगे मैं रुंगा।

आप का विश्वास  
सेवक  
Rev. S.M. Bage.



पोस्ट कार्ड

साथ का कार्ड जवाब के लिए

केवल पता



The President,  
G. E. L. Church Council  
Ranchi.

(Bihar.)



Rev. S. Tinney -

To

35

Orissa

The President

S. E. L. Chwen, Cholanagpur + Assam. Ranchi.

S. E. L. Chwen, Trimdih

P.O. Khampur

St. Sundargah. Orissa.

2. 7. 58.

Dear Sir,

With reference to the Treasurers letter No. 243/58 dated the 20th June 58 I would like to ask the things, he advise me to write to the President and to the C.C. secretary to explain me about the situations of the C.C., which he finds it impossible to explain to those person receives Pay from the C.C. and as well as the E/W grant is not sent to any bodies.

In consequence to his advise, may I be permitted to request your honour to explain me soon, why no bodies are paid, whose living depends only upon the C.C. It is true, the explanation of the C.C.'s situation will not suffice the living but even it ought to be known to each dependents.

In my case, it will be perhaps sorrowful to say that am not paid the E/W grant nearly for two years month. Trimdih Parish is the smallest one concerning to the census number, from which the Pastors living cannot be maintained as a Autonomous field. Yours honour may be pleased to send or to explain me.

yours sincerely,

S. E. L. Chwen

Trimdih 2. 7. 58.

35 India  
District Office Sundargarh

No.

5238

D/ 8.6.57

To

✓ The President,  
G.E.L.Church Ranchi  
P.O. Dist. Ranchi

Sub E Marriage License

Ref: This office letter No.2011 dated 22.2.57

Sir,

Please refer to para 2 of this office letter under reference. The informations required therein have not been furnished in your letter No.1208/57 dated 18-5-57 You are therefore requested to furnish it immediately.

Yours faithfully,

*[Signature]*  
8/6

Dy. Collector In-charge  
English Office, Sundargarh

*[Signature]*

Parish Chairman, Rev. N. Kullu

G. E. L. CHURCH

BIRMITRAPUR P. O.

DIST. SUNDERGARH.

Ref. No. ....

Dated the 3<sup>rd</sup> Sept. 1956.

70

The President

G. E. L. Church

Raneki

महाशय,

आप को चिट्ठी नं. 956-2956/56 तार. 22.8.56 मिली। मैं तो एक खोटा पाटी हूँ लेकिन आप के सवालों को देख मेरी बुद्धि खुद खुद से जो बातें समझ में आयी आप के आगे रखने चाहता हूँ। मेरी मूल हो सकती है लेकिन मैं अपने मन की बात आप के आगे प्रकाश करने चाहता हूँ। अगर गलत हो तो मैं आप से क्षमा प्रार्थी हूँ।

(क) इन दो सवालों को क्लर्कों के हर विभाग के कर्मचारियों के सामने रखने के पीछे कोई ऐसा उपाय किया जाय कि जोस्सनर क्लर्कों का शासन एक हो सके। मैं अब तक नहीं जानता हूँ कि कोई ऐसी कोशिश की गयी हो।

(ख) जब कि अलग अलग प्रशासन का नाम लिया जाता है तो मैं समझता हूँ कि अच्छा महसूस खण्ड हो गया है।

(ग) जब कि क्लर्कों के हर संस्था के कर्मचारियों के आगे ये दोनों सवाल रखे जाते हैं तो मेरी समझ में अब C.C. और महासभा दोनों भाग ली गयी हैं, इसी लिये हर एक को स्वतंत्रता दी जाती है कि कर्मचारीगण अपनी स्वतंत्र इच्छा के अनुसार चुन लेने कि जोन, कि C.C. के अधीन काम करने चाहते हैं, और कि

Dated the 3rd Sept 1958

Ref. No.

महासभा के अधीन रहने चाहता है।

मेरी समझ में ये दोनों खवाल तक आना चाहिए जब कि वे सदस्या जिन्होंने ने अपने को ओ प्रशासन को अलग घोषित किया है, किसी भी हालत से मिलने ओ एक ही शासन के अधीन रहने में राजी नहीं हैं।

महासभा

उद्देश्य ४.५५ तक १२/१२/५८-५९ के विषय में  
है कि जिसके कि मान्य विधि है कि यह एक ही है कि  
निराकरण के मान्य विधि है कि यह एक ही है कि  
मान्य विधि है कि यह एक ही है कि यह एक ही है कि  
मान्य विधि है कि यह एक ही है कि यह एक ही है कि  
मान्य विधि है कि यह एक ही है कि यह एक ही है कि

मान्य विधि है कि यह एक ही है कि यह एक ही है कि  
मान्य विधि है कि यह एक ही है कि यह एक ही है कि  
मान्य विधि है कि यह एक ही है कि यह एक ही है कि  
मान्य विधि है कि यह एक ही है कि यह एक ही है कि  
मान्य विधि है कि यह एक ही है कि यह एक ही है कि  
मान्य विधि है कि यह एक ही है कि यह एक ही है कि

मान्य विधि है कि यह एक ही है कि यह एक ही है कि  
मान्य विधि है कि यह एक ही है कि यह एक ही है कि  
मान्य विधि है कि यह एक ही है कि यह एक ही है कि  
मान्य विधि है कि यह एक ही है कि यह एक ही है कि  
मान्य विधि है कि यह एक ही है कि यह एक ही है कि  
मान्य विधि है कि यह एक ही है कि यह एक ही है कि

मान्य विधि है कि यह एक ही है कि यह एक ही है कि  
मान्य विधि है कि यह एक ही है कि यह एक ही है कि  
मान्य विधि है कि यह एक ही है कि यह एक ही है कि  
मान्य विधि है कि यह एक ही है कि यह एक ही है कि  
मान्य विधि है कि यह एक ही है कि यह एक ही है कि  
मान्य विधि है कि यह एक ही है कि यह एक ही है कि

35

# Jabalpur, Orissa

## PROGRAM FOR GENERAL MEETING

ON 20TH APRIL, 58.

7:30 arrival

Morning

1. Reception. I By school boys.  
 II ~~Local congregation.~~ Yuwa Sangha  
 III Public.

2. 8<sup>15</sup> Garlanding.

3. Tea.

4. 9 Welcome Address. S. Surin

5. ~~Prayer~~ Aradhana ~~Prayer by Rev. Aina Syd President Orissa~~

6. 9<sup>35</sup> Sermon by Rev. Dr. Pusch ~~Dr. Pusch, M.A. S.T.M.~~

7. ~~Rev. Dr. B. Pusch~~

8. 10<sup>10</sup> Last prayer by Dr. M. Bage P.R.D.

INTERVALL. — Mena bazar

9. Dinner. Some go back after lunch

10. Rest

After noon.

11. Mina Bazar

12. Recreation. ✓

13. Tea.

14. Departure with prayer  
 by Rev. C.P. Kandulna.



Rev. S. T. Ticker

Prinodh - Parich, P.O. Champus, St. Sundargah, vinn

The President, Rev. S. J. P. T. G. M. A. B. D. S. T. M.  
S. E. L. Church, Ranchi.

Dated Prinodh, the 6th Oct 1956.

Dear Sir,  
With reference to the C. C. Treasurer's letter No. 500/56 dated 13th July 56, I have the honour to say that anyhow we are paid grant for the year 1955, even some money was not paid by the Orissa synod President.

I may be permitted here with to say something about the same or the arrear grant for 1956. There is three months more to run away the year for which we are still not paid a Penny.

It is true our Parish not paid the mandli Paiza. Claimed for the year 54, 55, and 56 but in calculation to this, may be thought as it is paid. Our arrear grant money is much more than the mandli Paiza which ought to pay to the C. C.

The arrear grant for the years 54, 55, and 56 is received also getting for Rs 1136/- out of which we expect to get only for Rs 792/- and Rs 344/- is already gone out from our hands. We cannot say whether it was calculated for the mandli Paiza or it is in the pit somewhere. It ought to be calculated for it, because it will be never paid to us in any age.

All irregularities of the amounts to received makes impossible to the regular pay but the Problem was never solved nor it was done to successful run to one's life. We being mid to the grant and mandli Paiza. Preserved much, neither received grant nor the mandli Paiza. Independent life maybe best than to the dependents or others but cannot be formulated in one's of workers life endurance. Money is what money does so may be pay is what pay does.

Owing to this we required to ask your favour whether we shall get the grant in aid or not, for the prolonging year 1956 is now ending.

I have the honour to be,  
Dear Sir,  
Your obedient servant  
S. T. Ticker

Forwarded  
the Treasurer's  
15/11/56



Rev. S. T. Singh

(29)

E. E. L. Church, Trimdi.

P.O. Khampow. H. Sundar Singh

orissa.

To

The President. Rev. J. P. Singh M.A. B.D. S.T.M.

E. E. L. Church in Chota Nagpur & Assam.

Ranchi - Bihar.

2. 5. 57.

श्री महोदय, आप-के-बरा-सेवा-में-मुझे कुछ  
आश्चर्य-वाले-पेश-करना-जसरी-होती-है। जब मैं  
महासभा-के-लिए-रांची-गये-हुए-थे-उस-बिच-में  
गोवां-रंग-वाले-निमड़ी-परिश-में-बहुत-हल-बल  
मचा-दिये-हैं-आई-डी-रोग-बहुतों-को-बह-वा-के-  
आपने-तरफ-कर-दिये-हैं। आप-सी-प्रहो-मन-वाले  
और-कामों-को-दर्शा-कर-अपनी-ओ-सिंच-दिये-हैं।  
इ-माई-पू-को-यहां-निमड़ी-में-आम-सभा  
बढ़ा-ये-हैं-गोवां-रंग-की-ओर-से-कमिशन  
आने-वाले-हैं। जसपुर-पकरी-डीपा, गोली-डी-बल-वा-बल  
साज-बहार-आदी-में-उ-के-प्रतिनिधियों-को-मिटिंग  
आने-का-अंगुरोध-दिये-हैं।

अभी-वर्तमान-निमड़ी-परिश-की-स्थिति-ऐसी  
है। इ-पू-में-करीब-उ-तक-की-ब-  
में-स्थिर-हैं। मैं-बहुत-संकोच-हल-बल-के  
कारण-महासभा-से-छोड़-कर-दूर-जा-नहीं-सके  
हैं-।

Qc

624/58

20<sup>th</sup> Feb 8

Rev. C.B. Hurd, Synod President,  
 L.E.L. Church, Rajgaungpur

Dear Rev Hurd,

The other day Rev. T. Khallies was here and he told me that our Compound at Bhumapain is to be vacated, and the brethren there are willing to take the compensation for the chapel. I would advise you to contact the Managing Director immediately and tell him not to pay the compensation money to anyone not authorized by the President of the L.E.L. Church. I am also writing to him in this connection. You may tell him that you are now in charge of the Dacca Synod and you are to receive the compensation money on behalf of the Church Council.

Yours sincerely  
 J. H. J. /  
 President

11<sup>th</sup> Sept 1956

महामाया की छसीडेन लाहक

गुबेरा न चर्चें रीची

प्रीति-सहाय ।

महाराज :-

मैं दीनता पूर्वक माया को लिखना चाहूँ  
 कि मैं सुन्दरगढ़ गिरजे घर को बनाने के लिये - अर्थात् दीवाल  
 को पलस्तर करवाने के काम के लिये - जब भी कहीं है  
 भी खोजा नहीं मिली और घर चहुँपे को खोजा होगा  
 और एक जगह तो मिली भी होगी, और बाद यह  
 बरसात में पलस्तर नहीं होता - तो घर ही जाता - (ऐसा समझ  
 हलक देख के मैं ने घर की रक्षा के लिये - ला: १५-६-५२  
 को Birmistram जग के वहाँ के एक छोटे से छे जिर  
 का नाम Mr. L. H. Lancaster हैं नगर-२००)  
 (हस्त लपेट) पैरा लोपा - इस शक्ति का मैं लोटा देऊँगा  
 का मदशोधन मद के लिये नहीं - जोरपा जग है ॥  
 उ-ही के लिये - दे सक लक्ष पलस्तर का (बना-ई-युना, वलु  
 गुनी महली को लपेट दूंगा है।

ला: ६ फरवरी १९५५ को वे मेरे पास

रेजिस्टर दूरा लिखे - कि लोपा - देवे हो कि नहीं - बहुत दि  
 हो जाता है - यदि नहीं - देमोरे तो मैं मुकदमा (देवनी)  
 मालीश कर दूँगा, और लोपा मजदूर कहूँगा - (इति, देवनी-प  
 मा है न मेरे) लाहक के यह रेजिस्ट्री लिखी को मैं मजदूर पंच में दिखाना  
 देवनी - दिनांक में, मजदूर पंच के द्वारा पेश किया गया  
 है और C.C. को भी Dr. Chelcho के द्वारा इन बातों को  
 पेश किये होंगे।

ता: 29-3-24 का भरवाह Rev. J. J. J.

लिख है कि अगर गारा मत होइए - Lancaster कोहरे का जोर  
बहुत बढ़े के मैं मरवा कम मलाई - मिमप या नाम में जो  
सूचना - C.C. ले 24) के माता है - 36 में ले कुछ सूचना  
दे देता हूं। मैं बोला दे दीजिए। वह गार में अपने चले  
मा नाम नहीं लिखे। Chalcho को वरार पूछता था  
मुंड है, और निहरी से नी; कह दे दीजिए - उन का पैरा सूचना  
रहने की रही - पूछाया। एक वर पंच भी पुछे - जवाब दे  
मात्र L. H. Lancaster माप लोगों को कुछ नहीं बोलेगा  
मैं लिख लाई हूं कि मैं (J. Chalcho) लाई का सूचना को  
मा देगा। इतने बात सुनने पर हम पूछ ले गये।

अचानक ता: 30 से पूरा 944 को  
फिर वे फिर (Mr. L. H. Lancaster Prismatopur) से लिखते हैं।  
कि सूचना देते हैं कि नहीं - बलको पानी देते हैं न माप देते हैं।  
मात्र में नहीं जाऊंगा - देवारी का न माप मांसा।  
अब दिन हो गया।

हैसा दलत में मैं माप को लिख जाता हूं  
कि न्युप्रवा. C.C. में इतना उपाय भिन्न माप - जिसके  
कोश न करने वाले।

यदि कोई उपाय नहीं करते हैं तो मैं माप  
को भी लिख जाता हूं - कि मेरा चले जो मरवा 24) को  
C.C. ले 24) के माता है - 36 में ले कुछ सूचना  
Prismatopur को वरार मेक दीजिए ॥ और पाइए - वे उन के पास  
कोई निहरी भी लाई जाते हैं ॥  
मात्र मांसा जोसा - वीरदमपों में मेक मैं अपने का  
इसी लाकांगपुर से सूचना हैसा मांसा 2 वल वरार के हैसा  
जीवन निहरी भिन्न मांसा भी वैसे ही माप 36 उपाय  
माप मांसा। माप के 36 निहरी के उपाय को  
मांसा में दूंगा। इतना -

माप मा. मांसा भी  
Cete. Immanuel Leura  
B. E. L. Ch. Sundargah  
P.O. Sundargah. B. Sundargah)

From the Slaka

35

Secretary Th. Dung<sup>2</sup> G.E.L.C. Rajgangpur

To

The president G.E.L.C. Ranchi.

5-12-56

Dear Sir,

Mr. 6/12

At present I have a great anxiety to see and hear the miserable plight of our Church. For, in many places some Christians especially Uraons, are separating themselves from the Church for the North zone. Thus, in such congregations congregations is much disturbance. But on the other hand I am glad too to find Mr. Kuril Lakra (Ratobirker) who is trying his best to bring them back into the church who have gone in the North zone party. YOU know him well. I do hope that through his attempt there will come soon calm soon in the churches of our synod. But he has a little anxiety which I disclose before you all. That is, he wants little financial help from the Church authorities, because he has a loss of time and money, when he goes out for the church activities, i.e. to bring them back who have gone out of the church now. And perhaps you have



also said him for the same.  
 He is a diligent one, and in some  
 places he has ~~so~~ been successful  
 in his given tasks. With this, I  
 too, request you to give him some  
 T. A. that he may travel within  
 the Orissa synod or other siderato  
 also. I had told to Rev. C.B. Aind  
 it, but he showed unableness  
 to do so now, though it is very  
 needful for us. I again and  
 again request you sir, let us  
 try to give him little exp<sup>e</sup> T. A  
 expense and help him in the  
 for the church activities. He  
 is very willing for this task.  
 Please excuse my ~~my~~ to the matter  
 which I have done here.

Yours sincerely Th. Dinger



The president J.J. Pi Tigra  
 नाम  
 G. E. L. Chureh Ranchi  
 पता  
 Ranchi  
 डाकखाना  
 Ranchi  
 जिला  
 Bihar.





To. The president-

J. E. L. Church

Ranchi.

Notice

35

G. E. L. CHURCH

RAJGANGPUR

Dated 29/11

President, G. E. L. Church  
Ministerium.

please be informed that there will  
be an executive ministerium meetig on the  
morning of the 13<sup>th</sup> Dec. just after the C.E.  
meetig. All the executive members have been  
informed.

Yours faithfully

C. B. C.

Ministerium  
Secretary.

35  
G. E. L. Church  
Raigangpur

To  
The President & Secretary  
G. E. L. Church Council Ranchi.

Matashay,

Ap logon ko yishusahay.

Main tarikh 1-2-58 ko ek aiji patre  
pesh kia par koi jabap nahin milta  
waja kya hai mujhe samajh mein  
nahin ata kya hamare liye jagah  
hi nahin hota? Main ne to suna  
hai ki Birmitrapur ka Padri waham  
arthat Birmitrapur mein rahne hi  
nahin chahte hain. Kya jane  
hamare prati thora bhi dhyan  
nahin dia jata hai aisa mere  
dil ~~me~~ sochta hai, Kaun aisa  
maha pap main ne kar dala  
jiske liye aisa bhari saja rakhi  
d gaya hai. Main us saja  
se kab chhut kara paun, ap logon  
ke haath mein hai, Chahi ya bhi

jana dia jay ki chut kara  
 kab hoga, par main Dong-  
 rum to nahin paunga Kyonki  
 arji fresh karte ata hum.  
 Sab Kuchh ap logon ke  
 haath mein hai, yeh bhi jana  
 dia jay ki chut kara hoga  
 ya nahin? Mujh bechare  
 ko jald jabab dena ki Kripa  
 hove.

Ap logon ka Bishwas  
 Sewak,

Rev. S. M. Bage  
 Rajganj pur



To, The President,

G. E. L. Church Council

Ranchi.

(Bihar.)

Rajgangpur  
E. E. L. Church  
Compound  
1-2-1958.

To,  
The President & Secretary  
E. E. L. Church Council  
Ranchi.

महाशय,  
योग्यसहाय ।

मैं दीन सेवक आप लोगों के चरचा ताले आ कर यह अर्जी पेश करता हूँ कि मैं कितनी बोर अर्जी पेश करते आ रहा हूँ पर कोई खास जबाब मिलता नहीं, मिलेगा कैसे? क्योंकि मेरे विषय की बातों के लिये बहुत objection हो पड़ जाता है यह मुझे बखूबी मालूम है। मैं उन objection उलाने वालों का मौन सा बुराई किपा? या अपने स्वार्थ के लिये ऐसा objection उलाने हैं यह द्विषे नहीं है।

आप कलेशा के अनुकामी हैं। मैं उन के चलते अयोग्य और दुष्क ही ठहराया जाता हूँ पर मैं उन के बातों और कामों का तो चरचा न करूँगा। मैं तो अपनी दुःख स्थिति हालत पर बदलने का दरबस्त अर्जी के साथ विषय पर objection उलाने वालों ने अपने स्वार्थ के लिये कौंसिल के प्रस्तावों का विरोध किया, एक प्रस्ताव जो दूसरे प्रस्ताव का जो विरोध किया गया वह कैसी भ्रष्टाचार है? जो दुःख सागर में डुबा देती है ऐसी बातें मेरे सहाय से बाहर है।

मैं कितनी अर्जी पेश किया पर मेरे दुःख दूर करने के लिये कोई समझागी न हो सकती है कि मैं सुरु ही से कलेशा के कामों में योग्य नहीं हूँ पर मैं अपनी बड़ाई न करूँगा जो मैं कलेशा के कामों के दिनों में तकलिफों का सहन किया जिसके कारणा ऐसा सजा उठाने पड़ रहे हैं पर फिर सहायक और पलायन है।

मैं कलेशा या मंडली के अधीन हो कर ही अपना जीवन व्यतीत करता हूँ जो नीचे दर्पण में अनेक निरु विरवाये जाते हैं। मैं इन सब बातों के लिये आप के पास ता. 26 जनवरी 1958 को गया आ पर आ गया बास मुलाकत न होते पाया खुला खुली बातचीत करने की इच्छा की केवल सेकुंदरी सहाय से मुलाकत हुई थी।

मेरे <sup>अर्जी</sup> दरबस्त के मोताबिक कौंसिल ने जो प्रस्तावों को लाया था पर objection करने वालों के कारण रद्द किये गये और तीसरा किया गया। अब आप लोग मेरे विषय आ करने को जा रहे हैं प्रारम्भ नहीं पर मैं बोंगराम नहीं जाऊँगा। सो अगर जल्द से जल्द हमें जबाब दिया जाय अग्रे बट जोड़ें जितने मैं अपने दिल में शांति लेऊँ। मैं ज्यादा का लिखूँ आप अनुभवो हैं।

दीन सेवक पर दया और दया प्रदान हो ।

आप का विश्वास  
सेवक,  
Rev. S. M. Bage.  
E. E. L. Church Compound  
Rajgangpur.

35

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

Ref. No. 1213/57

G.E.L. Church Compound,  
Ranchi.

From Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M.

Dated the 29th May, 1957.

To

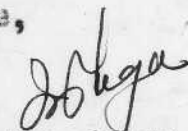
Rev. S. M. Bage,  
G.E.L. Church, Rajgangpur.

Manasray,

Ap ko mera Yisnusahay. Ap ki chitthi tarikh 24-5-57 jisko ap ne Rajgangpur se bheja mili. Ap isko swikar karenge ki jab ek bar Church Council ne kuchh phaisla kiya to usko uthana Church Council ni ka kam hai. Ham log ap ko kisi prakhar dukh dena nahin chahte hain par hamare agyanta se wisa ho ni gaya ki ap ko bnari chot mila hai. Church Council ko ap sahayta karenge jadi ap phir bhi dhirej dhar ke Bongram jayenge. Wahan se ap arj bhejiye ki ap ki badli kanin dusri jagah howe. Jarur bicar kiya jayega aur meri asna hai ki ap ke jiwani ki antim sewakai kalisha ke liye aur ap ke liye anand aur chain ka hoga.

Main bahut ni namarta ke sath ap ki sewakai ka purn adar karte huwe niwedan karta hun ki abhi kripa karke Bongram chale jaiye.

Prem se,



President,  
G.E.L. Church, Ranchi.



35  
Rev. J. J. P. Tiga M.A., B.D., S.T.M.

PRESIDENT, LUTHERAN CHURCH  
RANCHI.

Rf 1304/57

Ranchi  
6<sup>th</sup> June 1957

The Secretary,  
Onisa Cement Factory,  
Rajgangpur

Dear Mr. Dutt,

Recd. your letter.  
Thanks.

I am going to Jankhpur  
on the 15<sup>th</sup> inst for a  
meeting at Mr. Kandulua's  
place. If you can come  
to Mr. Kandulua's house

at 27, Hume Pipe Road,  
on the 15<sup>th</sup> morning, we  
shall have an oppor-  
tunity to discuss our  
matter. I plan to come  
away by the Ranchi  
express on the 16<sup>th</sup> morning.

With kind regards

Yours sincerely

P.S.

The letter addressed  
to you by Mr. 2. Chhabra  
and others was read  
at a meeting of the  
Church Council Exec. 6/6/57.  
You are requested to ignore  
that letter since the signatories  
have no right to enter into  
any negotiations with you. 6/6

President, G. E. L. Church,  
Ranchi, Bihar, India.

# THE GOSSNER EV. LUTHERAN CHURCH

MISSION-1845 : AUTONOMOUS-1919

PRESIDENT : REV. J.J.P. TIGA  
SECRETARY : MR. N.E. HORO  
TREASURER : MR. C.M. HORO

G. E. L. C. COMPOUND,  
RANCHI, BIHAR, (INDIA)

The 22nd June, 1957.

REF: NO 16 52 /57-CC-

To

Rev. C. B. Aind,  
Sy: President, Orissa Synod, Rajgangpur.

Dear President Aind,

Rev. S. Tirkey from Nimdih has written a long letter and notes the following:

1. Nimdih Mission field be abolished with a view to save evangelistic grant.
2. That he (Rev. S. Tirkey) be transferred elsewhere as he is not getting his salary regularly since he joined that field.
3. He has not been paid his salary for the last 14 months ~~from June~~

Rev. Tirkey has not received his salary for last several months as Ev. grant could not be sent to your Synod due to paucity of funds. You know full well how the Church Council is always handicapped due to poor receipt of revenue each year. The LWF subsidy has been the only help so far. The C.C. will try to pay up his commitments but it is expected that revenue for the C.C. i.e. the Mandli Paissa will be vigorously collected and remitted. It should be remembered that payment of grants is a two way traffic.

I am inclined to give a thought to the questions raised by the Rev. Tirkey. You would kindly enlighten us on the justification of continuing the Nimdih Parish as the mission field. Does the work now carried on by the staff in its full implication justify this? How much is the Synod or the Illaka concerned spending in this field? Whether or not it is desirable for the synod or Illaka concerned to include this project along with other mission fields of the Synod in their budget, if it has not been done so far? These are the questions I would like to be enlightened about.

I believe, you know much more about this field than I, and I would earnestly request you to earmark it for your earliest attention. A full report about this field will be of immense value for us and the Evangelistic Board.

Yours sincerely,

Secretary,

P.T.O.

THE COSSNER EV. LUTHERAN CHURCH  
MISSION-1842 : AUTONOMOUS-1910

PRESIDENT : REV. J.L.P. TIGA  
SECRETARY : MR. N.E. HORO  
TREASURER : MR. G.M. HORO

cc to Rev. S. Tirkey Nimdih.  
Chairman, Ev. Board.  
Treasurer, G.E.L. Church  
Director Evangelistic Board.

The 22nd June, 1957.

REF: NO 16 22 / 57-CC-

To

Rev. C.B. Aind.  
Syn: President, Orissa Synod, Rajgangpur.

Dear President Aind,

- Rev. S. Tirkey from Nimdih has written a long letter and notes the following:
1. Nimdih Mission field be abolished with a view to save evangelistic grant.
  2. That he (Rev. S. Tirkey) be transferred elsewhere as he is not getting his salary regularly since he joined that field.
  3. He has not been paid his salary for the last 14 months.

Rev. Tirkey has not received his salary for last several months as Ev. Grant could not be sent to your Synod due to paucity of funds. You know full well how the Church Council is always handicapped due to poor receipt of revenue each year. The LWF subsidy has been the only help so far. The C.C. will try to pay up his commitments but it is expected that revenue for the C.C. i.e. the Nimdih Paise will be vigorously collected and remitted. It should be remembered that payment of grants is a two way traffic.

I am inclined to give a thought to the questions raised by the Rev. Tirkey. You would kindly enlighten us on the justification of continuing the Nimdih Parish as the mission field. Does the work now carried on by the staff in its full implication justify this? How much is the Synod or the LWF concerned spending in this field? Whether or not it is desirable for the Synod or LWF concerned to include this project along with other mission fields of the Synod in their budget, if it has not been done so far? These are the questions I would like to be enlightened about.

I believe you know much more about this field than I, and I would earnestly request you to earmark it for your earliest attention. A full report about this field will be of immense value for us and the Evangelistic Board.

Yours sincerely,  
Secretary

P.T.O.

35  
Office of the Collector, Raigarh, M.P.

No. Q/A.S.C./Dated, Raigarh, the 8th Nov. '57.

To

The Manager

Shri Gomar Evangelical Lutheran Church

Hd. Qr. - Ranchi.

(for churches operating in Raigarh district).

Subject: Small Savings Scheme.

\*\*\*\*\*

You may be aware that 12 years National Plan Savings Certificates have been introduced by Government. It has been pointed out to Government that the money in the trusts of certain temples, churches, mosques and ~~the~~ Gurudwaras are not being invested in the Small Savings Schemes. In case, such amounts are invested in the Small Savings Schemes you will not only benefit by getting reasonable interest but will also be directly helping the national cause in its social and economical development programmes. You are therefore requested to invest your money to the maximum limit in the Small Savings Scheme.

A very early reply is requested.

Mun. and  
Dy.C.,

For Collector, Raigarh.

No. Q/ASS/Dated, Raigarh, the

8th Nov. '57.

Copy with copy of list of trusts registered in the district is forwarded to :-

- 1) All S.D.O.s Raigarh District.
- 2) All Tahsildars Raigarh District.

XX

The trusts of religions institutions functioning in your jurisdiction may please be persuaded to invest their money to the maximum limit in the Small Savings Schemes.

- 3) District Organiser, Small Savings Scheme, Raigarh for information and necessary action.

Dy.C.,

For Collector, Raigarh.

List of Trusts in Raigarh District.

1. Shri Chakradhar Anathalaya, Public Trust, Raigarh.
2. " Gopal Mandir, Trust Sadar Bazar, Raigarh.
3. " Dawadi Bahora Jamat Trust, Raigarh.
4. " Madarsha Aliya Warsia Trust Madhubanpara, Raigarh.
5. " Juma Masjid Trust, Raigarh.
6. " Chakradhar Goshala Trust, Raigarh.
7. " Chhoti Masjid Trust, Raigarh.
8. " Ram Mandir, Trust, Raigarh.
9. " Bhagat Charitable Trust, Kharsia.
10. " Burhimai Mahadeo Temple Trust, Raigarh.
11. " Madan Mohan Goshala Trust, Kharsia.
12. " Kabir Dharmsthan Trust, Kharsia.
13. " Roman Catholic Mission, Head Quarter - Ginabahar.
14. " Gosmar Evangelical Lutheran Church, Hd. Qr. - Ranchi.  
(for churches in operation in Raigarh dist.)
15. " American Evangelical Lutheran Church - Hd. Qr. Raipur  
(For churches in operation in Raigarh dist.)
16. " Seth Korodimal Charity Trust, Raigarh.

Ghosh/ 8.11.57.



श्रीमान-

श्रीमान- मुन्सूफतारी

ता: १-२-१८५२-

x

Rev. J. J. P. Tigg President of Chhota Nagpur  
and Assam. महोदय- आप को यह याद दिलाना चाहता हूँ कि गते सात-अक्टूबर १८५०-के नोबेल-  
पद विहाय महोदयों एक आवेदन-पत्र आप को दिया था-  
उसमें लिखा था कि- गुरु था- । मैं अपने प्राचीन-  
पत्र को जवाब जहाँ तक बन पड़े स्वीकार करने लगा देता हूँ-  
किन्तु अब तक उस पत्र का जवाब मुझे नहीं मिला है मतः  
मैं आप को दुःख हो रहा है कि यदि आपने मेरे मजिस्ट्रेट  
को नहीं जोड़ने पर-रख दिया है तो कृपया तत्काल पर जो  
आपें लंबी चौड़ी लिखनी-बढ़ी है- जवाब देने की महान कृपा  
करें- चूंकि मजिस्ट्रेट उन बातों से आ रहा- मंडली को जो  
से विशेष हमसे- धिक्कृत किया जाता है- इस विषय  
जैसे करने आप कलहा को अधिकारी होकर



मेरे ऊपर मेरे जो ५२  
 घरवा मंडली की मोर ले  
 हो है निशान कर मुझे  
 सन्तुष्ट भी जिसे - वो उम्मे  
 इसका जवाब भी देने की जिसे  
 राखीफ ३४३५

माय का विश्वास

जीवदान मंजर  
 गाँव - मुन्डूपाती  
 पी. को. कौन मेरला  
 जिला राँची  
 बिहार



J. J. P. Tigar - President  
 G. E. L. Church, Ranchi  
 P.O. Ranchi

2-2-58

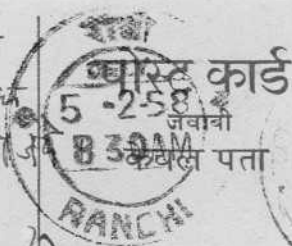
महामन्त्रावर प्रेसिडेंट J. Jyoti.

आप को हम गिरजा होना पुराना पानी मलिन मार वसिने  
विओर से योरु खटाव ।

यहाँ Z. Khelkhu गो गांव के दलाली भा  
अपनी भी चर्च-का पैसा लेने चाह रहे हैं Khelkhu  
बोलता है चर्च का हाव हमारा है अभी तोड़ने चाहुरा  
पैसा लेने चाह रहा है हिन्दुओं का मन्दिर रहता है हमारे  
कालिशिया का चर्च ओर नहीं रहेगा ।

आपके पास जो हिस्सा का  
 भांडर कपी है आप स्व  
 कपी हमारे पास जल्द में  
 हम आप से नम्र प्रार्थना  
 करते हैं आप इस दुरिस्त गरीबों  
 वरानों का दुख को दूरिस्त  
 पास जनाने । कपी के बारे में  
 लप्ता करना होगा निश्चित ।  
 आप का पास हमारे

Y. Phatma



President J. Tigga  
 G. E. L. Church Ranchi  
 R. Ranchi  
 Dist. Ranchi  
 Bihar.



पोस्ट कार्ड

केवल पता



Rev. J. J. P. Tiga M. A.  
B. D.

President, G. E. L. Church

x RANCHI

(Bihar)

Na garaw pit  
Cuntur.

28/12.

My dear Brother,

Very, Very Sorry to hear the  
sad news about your dear  
son. I came to know your  
daughter. Please accept our  
heart-felt condolence. May God  
comfort you all and help you  
in these days of sorrow. We  
feel sorry that we lost him but  
we should rejoice in him. It  
is a great relief to you all.

We are happy to see your  
daughter. Last night she had  
dinner in our house. I invited  
her to spend 31st night in our  
house and have dinner with  
us. She was here with us last  
day with fear. We want her to  
feel like home. We like her  
very much. Hope you all are  
enjoying well. Wish you all  
a Happy New Year. Please convey  
my greetings to Secretary & Treasurer.  
With loving wishes to you all. Yours affly  
Martha Henry

35

Sundargarh

8-3-58.

Dear Brother-in-the-Lord,  
Yishusakany.

I am happy to know from the letter of Rev. H. Borutta that you have expressed your willingness to resign from your office if that could bring about peace in the Church.

Here, I feel that you are going to sacrifice a great deal for the glory of the Lord. This is really a very great sacrifice. But if this sort of sacrifice could be done <sup>by others also</sup>, there would be peace very soon.

I was very hopeful that others, specially the C.C. of the N.E. would follow your example, but it is shocking to note that



They are bent upon the  
fulfilment of the Agree-  
ment.

Let us all pray to  
the Lord - the doer of  
wonders - that He may  
guide the leaders of  
the Church according  
to His wish. By 'all' I  
mean the whole Church,  
- both the N.Z. and the  
rest.

Let the Word of God  
and the Holy Ghost prevail  
upon the 'self'.  
Yours sincerely  
Nuas Karketta.



Rev.

J. J. P. Tia

President, G. E. L. Church

Ranchi

35  
Grams : "ROCKCEMENT" Rajgangpur  
Phone : Rajgangpur P. C. O. Ex : 1

# Orissa Cement Limited

(INCORPORATED IN INDIA, MEMBERS' LIABILITY LIMITED)

RAJGANGPUR  
(ORISSA STATE)

Ref:No.RGP:SEC:41-28A/ 3328

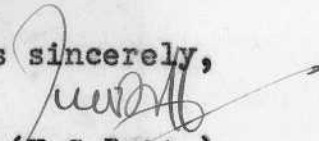
20th February, 1958.

Dear Mr. Kandulna,

Re: Discussion at Sundargarh on 28-2-1958.

Further to my letter No.RGP:SEC:41-28A /3308 dated the 19th instant, please do not forget to bring all the relevant documents when you come here on the 27th instant.

Yours sincerely,

  
(K.C. Dutt.)

P.D.Kandulna Esq., B.A.,  
Secretary-Manager,  
G.E.L.Church Properties  
in Chotanagpur and Assam,  
27, Hume Pipe Road,  
P.O.JAMSHEDPUR.(Bihar).

D:P.

✓ Copy to Rev.J.J.P.Tigga, B.A., D.D.S.T.M.,  
President, Lutheran Church, Ranchi.

गौशर कलौश के महाभाष्य प्रेसिडेंट साहेब को,

श्रीशुश्रूषा ।

आत जेद को बात है कि बमडा क्षेत्र में गौ नोर्थ जैन को धुका आ पहुँचा है जिसके कारण हम जोएन्ट मिश्र बोर्ड के दूरिग प्रचारकों की बड़ी कठिनाई होगी। यहां मिश्र मिल में एक प्रचारक बाबू इस्राएल लकड़ा जो सहजबहाल मंडली में काम करता है भाइयों के कारण उत्तरीय अञ्चल में जाने का खबर मुझको बताया। पश्चात् मैं ता. १-१२-५६ को गिर्जा के बाद भाई बहनों को सम्भाषा। उनके न सम्ममने पर मैं एक नोटिस लिख कर उसका घर खुद चला गया और उसको दिया और वह उसको पढ़ कर भाइयों को बताने के लिये अपने पास रख लिया। मैं भी यही चाहता था। उस नोटिस में जो लिखा गया है सो संक्षेप में यह है:—

“इसके द्वारा मैं सहजबहाल मंडली के प्रचारक बाबू इस्राएल लकड़ा को जानती देता हूँ कि जोएन्ट मिश्र बोर्ड के सेक्रेटरी तथा चर्च कौंसिल के सेक्रेटरी को बिना जनार्ण और उनसे अनुमति लिये बिना बमडा फ़िल्ड के भीतर का कोई भाई बहिन नोर्थ जैन में चले जाने का अधिकार न रख सकता और न जा सकता है। फिर नोर्थ जैन का कोई भी पट्टी यहां आने पट्टी काम नहीं कर सकता है।”

सह: Amur Anil

Head Post Office

Bansa Field

2-12-57.

दूसरी बात: अर्ज है कि आप कृपा करके इस संख्या में का कंधे बातों को जो अंग्रेजी में लिखा गया है अपना घरबान्धु में छपवाने की कृपा कीजिये जिसके कारण अनेकार्थक धर्मनाद।

Village Paulamala

P.O. Bhojpur, Dist. Sambhalpur

आपका विश्वास,

Amur Anil.

14-12-57.

नहीं लिख सकता हूँ सो केवल आप को माफ़ी दिना जाय।  
अर्ज है कि आप कृपा करके इस संख्या में का कंधे बातों को जो अंग्रेजी में लिखा गया है अपना घरबान्धु में छपवाने की कृपा कीजिये जिसके कारण अनेकार्थक धर्मनाद।

270

The President, G. E. L. Church, Council.

Dear Sir,

In addition to the view expressed by the Reverend J. Stosch from Berlin (Germany), in your valuable *Charbandhu* Vol. 79, No. 10 + 11, Oct. + Nov. 1957, at page 25, I most humbly and respectfully remind you a few words from the *Gospel Witness* entitled "Jesus Christ - The Hope of the World" in Vol. 4, No. 10, June 1955, at page 229; "The Production from *The Lutheran World* - Spring 1954, Vol. 7, No. 1": At its page as above mentioned, from its fourth line it runs thus: —

"To serve our neighbour must be our only criterion. It follows from this that Christians should not e.g. isolate themselves in 'Christian' groups or parties, which are nothing but the expression of theocratic self-sufficiency. Quite on the contrary, we should be ready to cooperate objectively with any and all who are willing to do so."

By the above statements we see that we are, <sup>being</sup> inspired for any and everybody, for the benefit of His Church, before more than one year ago, before the creation of North Long, etc.

Let the leaders of so-called Zones discuss carefully without any partiality for the good of our Church which is belong to Christ.

Camp Paulamasa  
14-12-1957

Yours in Christ,  
Amos Aind  
Touring Catechist  
Bansa Field

35  
Dusa

G. E. L. Church.  
Runga.  
10-2-58.

श्रीमान

G. E. L. Church. President  
Ranchi

आपको प्रेषित है।

महाराज।

श्री मार्टिन डेरे का त्रिबल पुकार  
आपको जो आपकी जाप के अनुमति के लिये  
भेजा जाता है उससे सब आपकी गोविन्दपुर  
पाद्री के पास भेज दीजिये और सब मेरे लिये  
देने की कृपा करें।

आपका अनुयायी सेवक

Rev. S. Bage

Runga Parish.

Advised  
11/4/58

पाद्री जे. जे. पी तिग्गा,  
समापति,  
गोश्वर एवंगेलिकल लुथेरान कलीगा,  
रँची ॥

महाशय,

मेरा बचनदत्त सनगा पैरीवा, राज-  
गांगपुर इलाका के श्री जुसफ केरकेटा  
की पुत्री, प्रचारिका मार्गारेथा केरकेटा  
से हुआ है। समय की कमी है और शीघ्र  
शादी करने का विचार है।

अतः आप से नम्र निवेदन है कि तीन  
पुकार एक साथ करने की शीघ्र अनुमति  
देवें ॥

धन्यवाद सहित।

आप का विश्वस्त,  
मार्टिन टेरे  
कंडी दत्त ॥

तारीख ३१-१-५८

*Almeida*  
President G. E. L. Church,  
Ranchi, Bihar, India.

महाशय,  
आप के बचनदत्त पुकार विषय में  
सिफारिश करता हूँ।  
आप का आभार  
Rev. S. Singh  
G. E. L. Church,  
Ranchi.  
10-2-58